राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

चौथा वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23

विषय-वस्तु

आभार

1. परिचय

1.1	हमारे बारे में	1
1.2	उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय	3
1.3	संस्थान का अधिदेश	4
1.4	राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019	6
2. सांविधिक निकाय		
2.1	शासी परिषद और सदस्य	9
2.2	शासी परिषद की स्थायी समिति	10
2.3	सीनेट	10
2.4	संकाय फोरम	10
3. संगठनात्मक संरचना और शैक्षणिक कार्यप्रवाह		
3.1	संकाय शाखा	14
3.1.1	औद्योगिक डिज़ाइन संकाय (एफआईडी)	15
3.1.2	संचार डिज़ाइन संकाय (एफसीडी) 21	21
3.1.3	कपड़ा और परिधान डिज़ाइन संकाय (एफटीएडी)	25
3.2	संस्थान का प्रबंधन	29
3.3	कार्यपालक अध्यक्ष (एक्टिविटी चेयरपर्सन)	29
3.3.1	कार्यपालक अध्यक्ष - शिक्षा के कार्य	29
3.3.2	कार्यपालक अध्यक्ष - रणनीति एवं योजना के कार्य	30
3.3.3	कार्यपालक अध्यक्ष - अनुसंधान विकास और ज्ञान प्रबंधन केंद्र के कार्य	30
3.3.4	कार्यपालक अध्यक्ष- वैश्विक आउटरीच प्रकोष ठ के कार्य	30
3.3.5	कार्यपालक अध्यक्ष - वेलनेस सेंटर के कार्य	31
4. शैक्षणिक कार्यक्रम		
4.1	फाउंडेशन स्टडीज (प्रथम वर्ष)	35
4.2	बैचलर ऑफ डिज़ाइन बी. डेएस (औद्योगिक डिज़ाइन)	53
4.3	बैचलर ऑफ डिज़ाइन बी. डेएस (संचार डिज़ाइन)	65
4.4	बैचलर ऑफ डिज़ाइन बी. डेएस (कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन)	71

4.5	गुणवत्ता प्रबंधन	82
4.6	प्रवेश	82
5. उपलब्धियां एवं गतिविधियां		
5.1	संबद्धन (एफिलिएशन), सदस्यता और एमओयू	87
5.2	पुरस्कार एवं सम्मान	90
5.3	विशिष्ट आगंतुक	91
5.4	घटनाक्रम	95
5.5	मानव संसाधन विकास	100
6. शिक्षण एवं अधिगम संसाधन		
6.1	31 मार्च 2023 तक पदों की स्थिति	103
6.2	परिसर एवं अवसंरचना	104
7. परिसर में जीवन-यापन		
7.1	मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव	127
7.2	संगोष्ठी	134
7.3	हरित सौंदर्यीकरण मुहिम	135
7.4	स्थापना दिवस	137
7.5	परिसर में अमूल पार्लर का उद्घाटन	139
7.6	समारोह	140
7.7	स्वच्छ भारत अभियान	145
7.8	रा.डि.सं. म.प्र. में उसके निवासियों का जीवन	151
7.9	छात्रों से संबंधित गतिविधियां	153
7.10	श्रेष्ठ प्रथाएं	161
8. वित्तीय संसाधन –		
8.1	अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट	173
8.2	वार्षिक लेखा	207

MADHYA
PRADESH

आभार

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (रा.डि.सं.), मध्य प्रदेश की शासी परिषद भारत सरकार के माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने रा.डि.सं. म.प्र. को राष्ट्र में अग्रणी डिज़ाइन संस्थान बनने की दिशा में निरंतर सहयोग दिया है। उनके मार्गदर्शन ने वर्ष 2022-23 में संस्थान की उपलब्धियों और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शासी परिषद, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के प्रति भी हार्दिक आभार व्यक्त करती है जिसने वर्ष 2019 में संस्थान की स्थापना से लेकर वर्तमान तक पुरजोर मार्गदर्शन प्रदान किया। हम डीपीआईआईटी के सचिव श्री अनुराग जैन को विशेष रूप से धन्यवाद देते हैं जिन्होंने हमारे संस्थान को निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन दिया। उनकी अभिप्रेरणीय उपस्थिति हमारे लिए अमूल्य रही है।

हम डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव, और डीपीआईआईटी के उप सचिव के अमूल्य मार्गदर्शन और प्रतिपुष्टि अथवा फीडबैक के लिए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिससे हमारी संगठनात्मक प्रणालियों और प्रक्रियाओं को बढ़ाने में सहायता मिली है। एक साथ मिलकर, उन्होंने एक साझा दृष्टिकोण की दिशा में कार्य किया, जिसके फलस्वरूप संस्थान के प्रभावी कामकाज के लिए एक सुसंगत वातावरण को बढ़ावा मिला।

हम भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिसने संस्थान को विभिन्न संगोष्ठियों, चर्चाओं और घटनाक्रमों में आमंत्रित किया, जिससे मध्य भारत के औद्योगिक परिदृश्य में हमारी दृश्यता व पहुंच बढ़ी है। सीआईआई के साथ साझेदारी हमारे छात्रों के लिए एक उज्जवल भविष्य बनाने में हमारे प्रयासों में सहायक रही है। हम मध्य प्रदेश वाणिज्य एवं उद्योग संघ (एफ एम पी सी सी आई) की भी सराहना करते हैं जिसने संस्थान में विभिन्न प्रशिक्षण और शैक्षिक गतिविधियों को बेहतर बनाने की दृष्टि से अमूल्य सुझाव दिए। उनके योगदान का हमारे छात्रों, संकाय और कार्यक्रमों पर गहरा प्रभाव पड़ा है। हम इस सहयोग को जारी रखने और एक साथ मिलकर आगे सकारात्मक कदम उठाने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इसके अलावा, परिषद भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; मध्य प्रदेश सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों तथा जिला प्रशासन भोपाल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग एवं समर्थन के लिए आभार व्यक्त करती है। उनकी सहायता इस संस्थान में विश्व स्तरीय शिक्षण एवं अधिगम गतिविधियों के संचालन से संगत एक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण रही है। उनकी अटूट सहायता हमारी ऐसी पहलों की सफलता सुनिश्चित करने में अहम रही है जिनके फलस्वरूप मध्य भारत में कारीगरों, शिल्पकारों, उद्योग एवं आम जनता को लाभ पहुँचा है।

1

परिचय

1.1 हमारे बारे में

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म. प्र.) डिज़ाइन उत्कृष्टता के शिखर का एक शानदार प्रमाण है। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की उदारवादी छत्रछाया में पोषित एक स्वायत्त संस्थान के रूप में, रा.डि.सं. म. प्र. ने 2019-20 में अपनी स्थापना के बाद से ही उल्कापिंड की तरह सफलता हासिल की है। अपने इतिहास के एक विस्मरणीय मोड़ पर, रा.डि.सं. म.प्र. ने 29 नवंबर 2019 के शुभ दिवस पर राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 के अनुरूप राष्ट्रपति की गौरवमयी स्वीकृति द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) का गरिमामयी दर्जा प्राप्त किया। संस्थान की पृष्ठभूमि एक महान उद्देश य: डिज़ाइन शिक्षा, अनुसंधान और प्रथाओं का अबाध रूप से प्रचार-प्रसार से काफी अभिप्रेरित हुई है, जो भारत सरकार की दूरदर्शी नीतियों और पहलों से सुसंगत थे।

हमारी शैक्षणिक संकल्पना के मूल में “मेक इन इंडिया”, “स्किल इंडिया”, “डिजिटल इंडिया”, “स्टार्टअप इंडिया” और “स्मार्ट सिटी” जैसी पहलों की गूंज सुनाई देती है। हमारे ऊर्जावान समुदाय का प्रत्येक घटक एक अहम भूमिका निभाता है, अपने योगदानों को अनुभवात्मक शिक्षा के सामंजस्य में सहजता से समावेशित करता है। यह काफी हैरानीभरा है कि, मात्र चार वर्षों की अवधि में, रा.डि.सं. म. प्र. ने देश में डिज़ाइन शिक्षा के प्रमुख स्तंभों में अपनी उपस्थिति को अमिट रूप से अंकित कर दिया है। जैसे-जैसे हम इस उत्साहवर्धक यात्रा पर आगे बढ़ते हैं, उत्कृष्टता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता हमारी यात्रा की आधारशिला को रेखांकित करती है, जबकि रचनात्मक भावना को पोषित करने का हमारा दृढ़ समर्पण हमारे मार्गदर्शक पथ का सूचक है । रा.डि.सं. म. प्र. शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचे मुकाम पर विराजमान है; यह एक ऐसे क्षेत्र का प्रतीक है जहाँ प्रत्येक प्रतिभागी समाज के हर कोने में संकीर्ण मानदंडों के रूप में विद्यमान मौजूदा यथास्थिति के विपरीत एक चिरकालिक धर्मयुद्ध में पूरी तरह से आहूति दे रहा है, जो हमारे समाज के हर कोने में एक स्थानीय मानदंड के रूप में विद्यमान है। यह अनूठा दृष्टिकोण, जो हमारे संस्थागत लोकाचार में अंतर्निहित है और उस समृद्ध यात्रा को प्रतिबिंबित करता है जिसे हम प्यार से रा.डि.सं. म. प्र. कहते हैं।

इन सुसज्जित भवनों में, हमारी पाठशालाओं का वातावरण स्वाभाविक रूप से उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों से बंधा हुआ है। संस्थान का यह दृढ़ विश्वास है कि रचनात्मक दृष्टि, महत्वाकांक्षा, नवोन्मेष को बढ़ावा देना उत्कृष्टता के शिखर को प्राप्त करने तथा श्रेष्ठ शिक्षण और मेन्टरशिप के लिए आवश्यक है। भोपाल के हृदय में बसा हमारा संस्थान सबसे आकर्षक शैक्षणिक परिसरों में से एक है, जहाँ हरियाली का सौंदर्यपरक परिसर के भीतर और बाहर दोनों जगह फैला हुआ है। हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन के निकट होने के कारण संस्थान में पहुँचना आसान है, जिससे हमारे यहां पढ़ाई करने वाले छात्रों को सहजता प्राप्त होती है। भोपाल, अपने प्राचीन वास्तुशिल्प चमत्कारों, जीवंत कला और संस्कृति, शांत झीलों, वन परिदृश्यों, प्रशंसनीय स्वच्छता, मजबूत बुनियादी ढांचे और समशीतोष्ण जलवायु के लिए प्रसिद्ध है, जो हमारे शैक्षणिक वातावरण को सुरम्य बनाता है। रा.डि.सं., म.प्र. के ताने-बाने में विविधता का दर्शन होता है, जो हमारे छात्रों और कर्मचारियों के उदार दृष्टिकोण से जनित होती है। दृष्टिकोणों के इस समृद्ध समामेलन ने हमारे परिसर को जीवंतता और रचनात्मकता के साथ एक गतिशील, कलात्मक और बहुसांस्कृतिक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रा.डि.सं. म.प्र. के मनमोहक भवनों में, आपको विभिन्न उद्योगों और प्रतिष्ठित शैक्षणिक प्रतिष्ठानों से प्राप्त अनुभवी संकाय का संवर्ग अथवा कैडर मिलेगा। संस्थान का पाठ्यक्रम कलात्मक है, जिसे उद्योग की आवश्यकताओं के साथ सामंजस्यपूर्ण ढंग से प्रतिपादित किया गया है, जो हमारे छात्रों की आकांक्षाओं से जुड़ा हुआ है, और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रचुर अवसरों से युक्त है। यहाँ, शिक्षा सांसरिकता और औपचारिकता से परे है, और प्रत्येक दिन असीम संभावनाओं और परिवर्तनकारी क्षमता के चित्रफलक के रूप में व्यतीत होता है।

छात्रावास एवं मेस खंड: रा.डि.सं., म.प्र. परिसर

शैक्षणिक खंड: रा.डि.सं., म.प्र. परिसर

1.2 उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी तथा वर्ष 2000 में औद्योगिक विकास विभाग के विलय के साथ इसका पुनर्गठन किया गया था। विभाग को पहले औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के नाम से जाना जाता था और जनवरी, 2019 में इसका नाम बदलकर डीपीआईआईटी किया गया था।

वर्ष 2018 में, ई-कॉमर्स से संबंधित मामलें डीपीआईआईटी विभाग को हस्तांतरित किए गए थे तथा वर्ष 2019 में विभाग को आंतरिक व्यापार, व्यापारियों एवं उनके कर्मचारियों के कल्याण तथा स्टार्टअप से संबंधित मामलों का प्रभार सौंपा गया था। लॉजिस्टिक क्षेत्र के एकीकृत विकास का अधिदेश भी नवंबर, 2021 में डीपीआईआईटी को आवंटित किया गया था।

डीपीआईआईटी की भूमिका नई एवं आगामी प्रौद्योगिकी में निवेश को सुगम बनाकर, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में तेजी लाकर तथा उद्योगों एवं व्यापार के संतुलित विकास का समर्थन करके देश के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है।

डीपीआईआईटी भारत सरकार की निम्नलिखित नीतियों और पहलों का प्रबंधन करने वाला नोडल विभाग है:

- मेक इन इंडिया (एम आई आई)
- प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पी एम जी)
- इन्वेस्ट इंडिया
- सार्वजनिक क्रय/प्रापण
- सुगम व्यापार (ई ओ डी बी)
- स्टार्ट-अप इंडिया
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ डी आई)
- राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार (आई पी आर) नीति
- राष्ट्रीय डिज़ाइन नीति
- औद्योगिक पार्क रेटिंग प्रणाली (आई पी आर एस)
- बौद्धिक संपदा अधिकार प्रशासन
- आईपीआर संवर्धन और प्रबंधन प्रकोष्ठ (सी आई पी ए एम)

1.3 संस्थान का अधिदेश

रा.डि.सं. म.प्र. का प्राथमिक मिशन विश्व स्तरीय डिज़ाइन शिक्षा प्रदान करना और निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्यों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु डिज़ाइनिंग जागरुकता और अनुप्रयोग को बढ़ावा देना है:

शिक्षा: रा.डि.सं. म.प्र. भारत की विविध डिज़ाइन आवश्यकताओं की पूर्ति करने के उद्देश य से उत्कृष्ट डिज़ाइन वृत्तिकों अथवा व यावसायिक तैयार करने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य 21वीं सदी के लिए डिज़ाइन शिक्षकों और अग्रजों (लीडर) को तैयार करना है जो राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर विकसित हो रहे आर्थिक और व्यावसायिक परिदृश्य के साथ कदम मिला सकें।

विस्तार: रा.डि.सं. म. प्र. मौजूदा और नए संस्थागत तंत्रों का लाभ उठाकर उच्च गुणवत्ता वाले डिज़ाइन व यावसायिकों और संकाय सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ज्ञान भंडार: रा.डि.सं. म. प्र. का उद्देश्य पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों को सम्मिलित करते हुए उत्पादों, प्रणालियों, सामग्रियों और डिज़ाइन एवं उत्पादन प्रसंस करणों से संबंधित डिज़ाइन संबंधी ज्ञान, अनुभव और सूचना के भंडार व रिपोजिटरी के रूप में कार्य करना है।

स्वदेशी समाधान: रा.डि.सं. म. प्र. नवोन मेषी, किफ़ायती और स्वदेशी डिज़ाइन समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए रोज़मर्रा के उपयोग के लिए उत्पादों और प्रणालियों के विकास को प्रोत्साहित करता है ताकि आम जनता की ज़रूरतों को पूरा किया जा सके।

अनुसंधान उत्कृष्टता: रा.डि.सं. म. प्र. डिज़ाइन के क्षेत्र में अत्याधुनिक ज्ञान सृजित करने के लिए उपयोगकर्ता की समझ और डिज़ाइन प्रवृत्तियों पर विशेष जोर देते हुए मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान करता है।

राष्ट्रीय प्रभाव: रा.डि.सं. म. प्र. "वैश्विक रूप से सोचने और स्थानीय रूप से कार्य करने" की मानसिकता को बढ़ावा देते हुए डिज़ाइनरों को राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नियोजित कराने का प्रयास करता है जिससे कि डिज़ाइनर बैंचमार्किंग डिज़ाइन शिक्षा ग्रहण करे सकें तथा मानकों का अभ यास व प्रैक्टिस कर सकें।

परामर्शी सेवाएँ: रा.डि.सं. म. प्र. एकीकृत डिज़ाइन परामर्शी सेवाएँ और अत्याधुनिक डिज़ाइन समाधान प्रदान करता है, जिससे छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप त होता है और संस्थान के लिए राजस्व अर्जित होता है।

विभिन न शाखाओं का समावेशन अथवा क्रॉस-डिसिप्लिनरी इंटीग्रेशन: रा.डि.सं. म. प्र. डिज़ाइन को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन सहित विभिन्न डोमेन में एकीकृत करने के लिए डिज़ाइनिंग के तकनीकी पहलुओं को प्रदान करता है, ताकि अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए उत्पादों, सेवाओं, प्रसंस करणों और प्रणालियों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सके।

प्रौद्योगिकी का मानवीकरण: रा.डि.सं., म.प्र. का मिशन बेहतर सूचना और इंटरफ़ेस डिज़ाइन के माध्यम से भौतिक और वर्चुअल दुनिया को समावेशित कर, प्रौद्योगिकी का मानवीकरण करना है।

विकास के लिए डिज़ाइन: रा.डि.सं. म. प्र. शिल्प, हथकरघा, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, लघु, मध्यम और बड़े पैमाने के उद्यमों के लिए डिज़ाइन उत पाद प्रदान करने के साथ-साथ क्षमता और संस्था निर्माण, टिकाऊ आजीविका, रोजगार के अवसरों और आर्थिक विकास पर केंद्रित आउटरीच कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

शैक्षणिक खंड: रा.डि.सं., म. प्र.

1.4 राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश को भारत के राष्ट्रपति द्वारा 29 नवंबर 2019 को दी गई स्वीकृति के बाद राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019 (2019 का अधिनियम संख या 38) के तत वावधान के तहत लाया गया। इसके फलस वरूप, संस्थान को डिज़ाइन में स्नातक की डिग्री "बी. डेएस", डिज़ाइन में मास्टर डिग्री "एम. डेएस" और डिज़ाइन में "पीएचडी." डिग्री प्रदान करने का अधिकार प्राप त हुआ है।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान अधिनियम, 2014 की संगतता में राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2019, संस्थान के प्राधिकार, शक्तियों और इसके कामकाज के प्रमुख पहलुओं को रेखांकित करता है। इसमें अध यापन व शिक्षण, शासी परिषद, सीनेट, वित्तपोषण स्रोत, वित्तीय लेखा और लेखापरीक्षाएं, संविधियां और अध्यादेश तथा अन्य प्रासंगिक विवरण से संबंधित प्रावधान व उपबंध शामिल हैं।

प्रारंभिक (प्रथम) संविधियां अधिनियम की शर्तों पर और अधिक विस्तार से प्रकाश डालते हैं, जिसमें शासी परिषद, स्थायी समिति, निदेशक, सीनेट, संकाय संवर्ग, शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम, अध येतावृत्ति अधिष ठापन, छात्रवृत्ति, पुरस्कार, अकादमिक सलाहकार समिति, संकाय मंच, कर्मचारी वर्गीकरण, नियुक्ति चयन समिति, कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली, आदि शक्तियों को रेखांकित किया गया है।

इसके अलावा, अध्यादेश अधिगम, अध यापन, मूल्यांकन और छात्र के अनुभव के विभिन्न पहलुओं को नियंत्रित करने वाले आधारभूत ढांचे के रूप में कार्य करते हैं। वे संस्थान में एक समान और न्यायसंगत शैक्षिक दृष्टिकोण सुनिश्चित करने, मानकों और नीतियों को स्थापित/क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो अकादमिक अखंडता, मूल्यांकन विधियों, ग्रेडिंग, संसाधन उपयोग और छात्र आचार संहिता इत यादि क्षेत्रों में नियमों के निर्माण में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

शैक्षणिक खंड: रा.डि.सं., म. प्र. परिसर

Workshop

2

सांविधिक निकाय

2.1 शासी परिषद और सदस्य

शासी परिषद (जी सी) संस्थान की प्रमुख कार्यकारिणी और नीति निर्माण निकाय के रूप में कार्य करती है। यह व्यापक शैक्षणिक नीतियों, कार्यक्रमों को मंजूरी देती है और संस्थान के समग्र संचालन की देखरेख करती है। जीसी में विभिन्न प्रकार के व्यक्ति सन्निहित होते हैं, जिनमें व्यापक अनुभव के साथ उद्योगपति, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, संस्थान समुदाय के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित शिक्षाविद् होते हैं, जो सामूहिक दृष्टिकोणों और विशेषज्ञता का एक समृद्ध आधार प्रदान करते हैं।

अपनी प्रमुख जिम्मेदारियों में, जीसी वार्षिक रिपोर्ट पर विचार और समीक्षा करती है, वार्षिक बजट को मंजूरी देती है, लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की विवेचना व समीक्षा करती है, संस्थान के परिचालन को नियंत्रित करने वाली संविधियां व परिनियम बनाती है, अध्यादेशों को मंजूरी देती है और संस्थान की गतिविधियों के लिए प्रक्रियात्मक दिशानिर्देश निर्धारित करती है। इसके अतिरिक्त, जीसी शैक्षणिक और संबंधित कार्यों पर पर्यवेक्षी अधिकार का प्रयोग करती है, छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, शैक्षिक प्रगति की निगरानी करती है और नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत को अधिकृत करती है।

जी.सी. को अपने कामकाज अथवा कार्यकरण के लिए आवश्यक समझी जाने वाली समितियों का गठन करने और पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों और नियमों पर बंदोबस्ती, अनुदान, दान और उपहार प्राप्त करने के लिए सरकारी और निजी संगठनों के साथ समझौते/अनुबंध करने का अधिकार है।

जी.सी. की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक है शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना और उन्हें अक्षुण्ण रखना, संस्थान के संरचनात्मक ढांचे को परिभाषित करना और संसाधन आवंटन की देखरेख करना है। इससे वित्तीय प्रदर्शन की निगरानी और वित्तीय नियोजन तथा व्यय से संबंधित नीतियों का समर्थन करके संस्थान की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित होती है। इसके अलावा, परिषद संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों की अखंडता को बनाए रखने और पहुंच/अभिगम्यता, समावेशिता, समानता और विविधता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। अपने पूरे इतिहास में, शासी परिषद रा.डि.सं. म.प्र. को डिज़ाइन शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थान बनने की दिशा में मार्गदर्शन करने और अपने छात्रों और हितधारकों की विविध आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रही है।

शासी परिषद के सदस्य

1. श्री राजेश कुमार सिंह,
संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार - अध्यक्ष (पदेन)

2. सुश्री आरती भटनागर (सदस्य),
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, डीपीआईआईटी,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
(वीसी के माध्यम से) - सदस्य (पदेन)

3. श्री संजय कुमार शुक्ला,
प्रधान सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन
विभाग, मध्य प्रदेश सरकार - सदस्य (पदेन)

4. डॉ. करुणेश कुमार शुक्ला,
निदेशक, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
भोपाल – सदस्य (पदेन)

5. प्रो. धीरज कुमार,
निदेशक, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान,
मध्य प्रदेश - सदस्य (पदेन)

6. श्री अतीश कुमार सिंह,
संयुक्त सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय,
भारत सरकार - सदस्य (पदेन)

7. श्री मनीष कुमार बहुगुणा, कुलसचिव, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश - सचिव (पदेन) {16.03.2023 तक}

8. श्री नीरज ताहिलियानी, कुलसचिव (कार्यवाहक), राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश - सचिव {17.03.2023 से}।

2.2 शासी परिषद की स्थायी समिति

शासी परिषद की स्थायी समिति एक मेहनती पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करती है तथा रणनीतिक नियोजन, वित्तीय, शासन, प्रशासनिक मामलों, बुनियादी ढांचे के विकास और शैक्षणिक चिंताओं सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला पर निगरानी, मूल्यांकन, सलाह देने और मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

अपने अधिकार क्षेत्र में, स्थायी समिति को कई मामलों पर सिफारिशें करने का प्राधिकार है, जिसमें कर्मचारी भर्ती, शिक्षण और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए सेवा शर्तें, वार्षिक वित्तीय लेखा, बजट निर्माण, आय और व्यय, आवर्ती और अनावर्ती व्यय के लिए सीमा का निर्धारण, बुनियादी ढांचे की खरीद और रखरखाव, परिसंपत्ति निर्माण, विनियामक अनुपालन, गुणवत्ता नीति, नवोन्मेष और इनक्यूबेशन को बढ़ावा देना, पेटेंट और बौद्धिक संपदा से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।

2.3 शासी सभा (सीनेट)

संस्थान के प्रमुख शैक्षणिक प्राधिकारी के रूप में सीनेट शिक्षण, मूल्यांकन और अनुसंधान के मानकों को अनुरक्षित रखने और विनियमित करने के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा, यह शिक्षण गुणवत्ता को बढ़ाने, सहयोगात्मक पहलों को बढ़ावा देने और बौद्धिक संपदा अधिकार, उद्यमशीलता और इनक्यूबेशन जैसे प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक नीतियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रा.डि.सं. म.प्र. में, सीनेट कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों की देखरेख करता है, जिसमें प्रवेश, शिक्षण पद्धतियां और परीक्षाएं, पाठ्यचर्या विकास एवं संशोधन, छात्रवृत्ति और पुरस्कार प्रदान करना, डिग्री प्रदान करना तथा शैक्षणिक विषयों, कार्यक्रमों या परिसरों की स्थापना, पुनर्गठन या समाप्ति से संबंधित मामले शामिल हैं। इन जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु, सीनेट समितियों अथवा कार्यसमूहों को गठित करता है जो सिफारिशें भेजने के अधिदेश के साथ विशेष कार्यों के प्रति समर्पित होती/होते हैं।

इसके अतिरिक्त, सीनेट संकाय संवर्गों और शैक्षणिक शाखाओं के अंतर्गत चल रही गतिविधियों व क्रियाकलापों की आवधिक समीक्षा करता है और संस्थान के शैक्षिक मानकों को अनुरक्षित एवं बढ़ाने हेतु सुविचारित सिफारिशें करता है।

2.4 संकाय मंच

संकाय मंच में संस्थान के सभी संकाय सदस्य सम्मिलित हैं। यह मंच ज्ञान के प्रसार को बढ़ाने और संकाय सदस्यों के बीच उच्चतम स्तर के नैतिक और व्यावसायिक मानकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपेक्षित उपायों को करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मंच के सत्रों के दौरान, संकाय सदस्य अपने सहयोगियों के अधिकार क्षेत्र के तहत आने वाले विषयों पर उनकी प्रस्तुतियों को सुनने के लिए एकत्रित होते हैं। वे चर्चाओं में सक्रियता से भाग लेते हैं जिससे कि ऐसी प्रणालियां बनाई जा सकें जो गुणवत्ता में वृद्धि करने, अध्यापन एवं शिक्षण में नवोन्मेषी उपागमों की शुरुआत करने, मूल्यांकन प्रक्रियाओं में सुधार लाने तथा समकालीन शैक्षिक मुद्दों को हल करने में योगदान दें। इसके अतिरिक्त, डिसिप्लिन लीड्स और एक्टिविटी चेयरपर्सन पिछले संकाय मंच सत्र के बाद अपने संबंधित विषयों या गतिविधियों में प्राप्त प्रगति पर अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराते हैं।

संकाय मंच एक सलाहकार निकाय है, जिसमें संस्थान के सभी शिक्षण संकाय सदस्य होते हैं। यह सभी शैक्षणिक मामलों पर विचार-विमर्श करने के लिए वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करता है। 5वां संकाय मंच 2 और 3 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया।

3
संगठनात्मक संरचना एवं शैक्षणिक कार्यप्रवाह

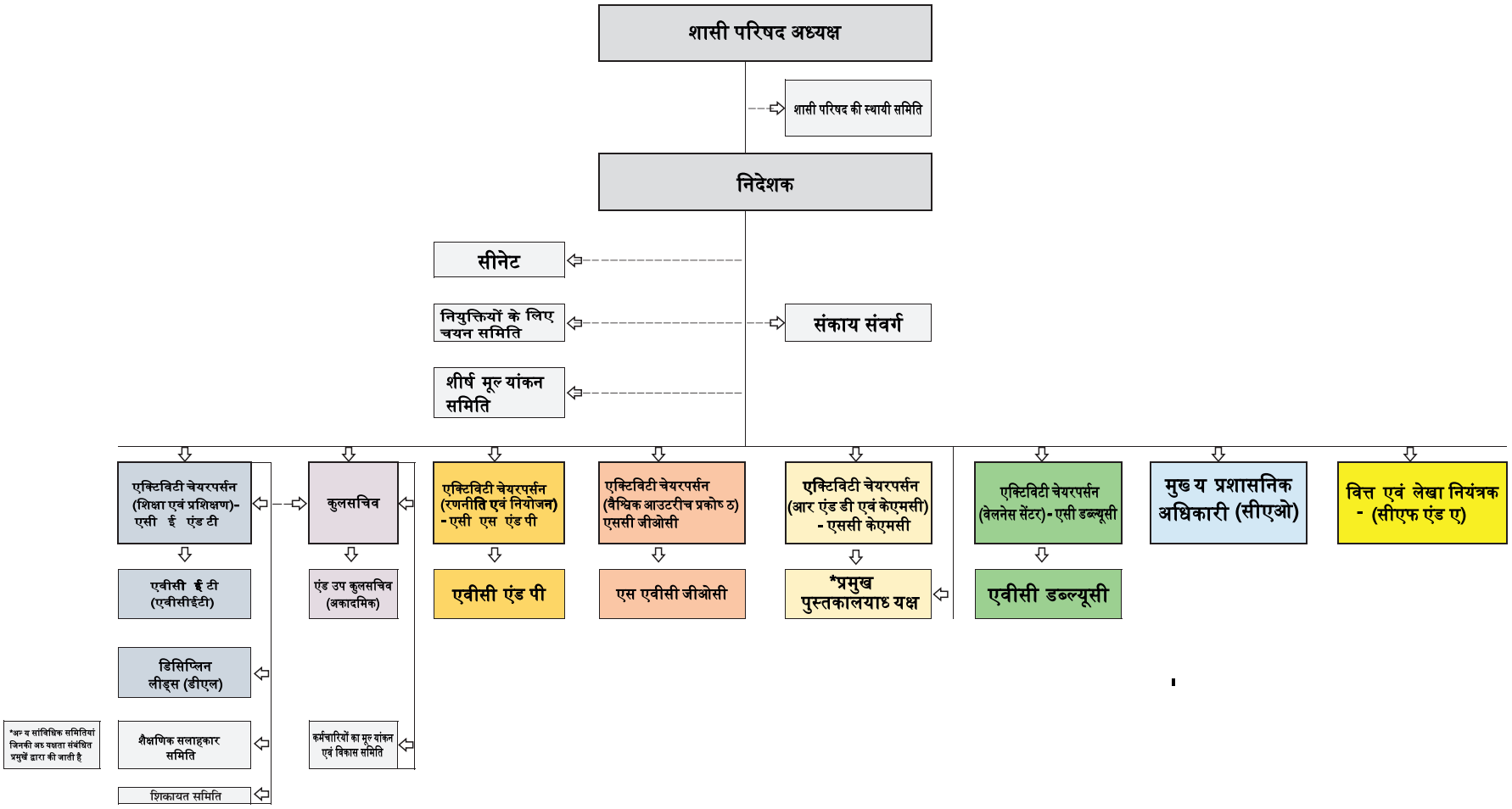

नोट:

1. राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, अहमदाबाद की प्रथम संविधियों में यथा उपबंधित (17 जनवरी 2017)।

3.1 संकाय विभाग

संकाय विभाग अथवा फैकल्टी स्ट्रीम संस्थान का एक शैक्षणिक एकक है जो डिज़ाइन शिक्षा, परामर्श, अनुसंधान और विकास जैसे विविध शैक्षणिक कार्यों में सक्रियता से कार्य करता है। प्रवीण, रचनात्मक और कौशलयुक्त डिज़ाइन व्यावसायिकों के एक गतिशील समुदाय सहित संकाय विभाग उद्योग और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए लगातार नवोन्मेषी डिज़ाइन आइडिया और सॉल्यूशन विकसित करने के लिए समर्पित है।

प्रत्येक संकाय विभाग व्यावहारिक अनुसंधान और पारस्परिक चर्चाओं के माध्यम से पाठ्यचर्या में उल्लेखित अवधारणाओं के बारे में महत्वपूर्ण जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक वर्ग के भीतर संकाय सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञों के रूप में जाने जाते हैं, जो यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र अपने चुने हुए विषयों में सफलता के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त करें, उन्हें नवीनतम जानकारी, तकनीक और सर्वोत्तम प्रथाएं एवं प्रविधियां प्रदान करते हैं।

सहयोग (कोलाब्रेशन) संकाय विभाग का एक प्रमुख कार्य है, जिसमें दो या दो से अधिक विभाग अक्सर अंतःविषयक पाठ्यक्रम और अकादमिक इनपुट प्रदान करने के लिए एक साथ कार्य करते हैं। यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण छात्रों को डिज़ाइन संबंधी मुद्दों की व्यापक समझ प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें चुनौतियों का समाधान करने के लिए आवश्यक बहुमुखी कौशल प्रदान करता है। इसके अलावा, छात्र अपने विषयों के भीतर विभिन्न गतिविधियों और प्रदर्शनों में भाग लेते हैं और कभी-कभी वे अन्य विषयों के विशेषज्ञों (पीयर्स) को भी आमंत्रित करते हैं। यह समावेशी दृष्टिकोण छात्र समुदाय को उनकी रुचियों के अनुरूप गतिविधियों में भाग लेने, अंतर-विषयक सहयोग को बढ़ावा देने और संस्थान में उपलब्ध विविध संसाधनों और अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है।

संस्थान तीन संकाय विभागों में बैचलर ऑफ डिज़ाइन कार्यक्रम प्रदान करता है। प्रत्येक संकाय विभाग का विस्तृत फोकस क्षेत्र नीचे सूचीबद्ध है:

- औद्योगिक डिज़ाइन संकाय (एफ आई डी)
- संचार डिज़ाइन संकाय (एफ सी डी)
- कपड़ा और परिधान डिज़ाइन संकाय (एफ टी ए डी)

3.1.1 औद्योगिक डिज़ाइन संकाय (एफ आई डी)

यह कार्यक्रम ऐसे उत्पादों को डिज़ाइन करने की क्षमता विकसित करने पर केंद्रित है जो न केवल सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन हों बल्कि कार्यात्मक, सुरक्षित और टिकाऊ भी हों। औद्योगिक डिज़ाइन कार्यक्रम में कई तरह के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके पाठ्यक्रम को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि छात्रों को डिज़ाइन प्रक्रिया की समग्र समझ प्रदान की जा सके तथा ऐसे नवोन्मेषी उत्पादों को डिज़ाइन करने हेतु आवश्यक कौशलों के साथ छात्रों को सक्षम बनाया जा सके, जो पर्यावरणीय प्रभाव और विनिर्माण व्यवहार्यता पर विचार करते हुए उपयोगकर्ता की जरूरतों को पूरा करे। यह कार्यक्रम सैद्धांतिक, व्यावहारिक और शोध-आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण का मिश्रण प्रदान करता है, जिससे छात्रों को उद्योग भागीदारों के साथ परियोजनाओं और सहयोग के माध्यम से वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाया जाता है।

औद्योगिक डिज़ाइन संकाय उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं के डिज़ाइन और विकास के जटिल क्षेत्रों में उनका मार्गदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। समर्पित और नवोन्मेषी लीडरों की एक असाधारण टीम सहित, संकाय रचनात्मकता, विज़न और समावेशन के उच्च स्तरों के साथ अनुशासन का अंगीकरण कराने के प्रति प्रयत्नशील रहते हैं। छात्र डिज़ाइन थ्योरी, प्रोडक्ट डिज़ाइन, सामग्री और विनिर्माण के साथ-साथ श्रमदक्ष और संधारणीय डिज़ाइन के सिद्धांतों सहित व्यापक शिक्षा प्राप्त करते हैं। अनुशासन का उद्देश्य अंततः ग्राहकों को मूल्य और उपयोगिता के साथ उपयोगकर्ता अनुकूल उत्पाद उपलब्ध कराना है, जैसे कि फर्नीचर, आंतरिक वस्तुएं, सिरेमिक और कांच के उत्पाद, खिलौने और खेल यंत्र, ऑटोमोबाइल, आदि। इसका उद्देश्य ऐसे स्नातकों का निर्माण करना है जिनके पास उपयोगकर्ताओं और समाज की जरूरतों को पूरा करने हेतु अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए, कार्यात्मक और सौंदर्यपूर्ण रूप से मनभावन उत्पाद बनाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान हो।

इरगोट्रिम: श्रमदक्षता एवं सुरक्षित रूप से अभिकल्पित नाखुन काटने का यंत्र

फरारी प्रेरित जूते का डिज़ाइन

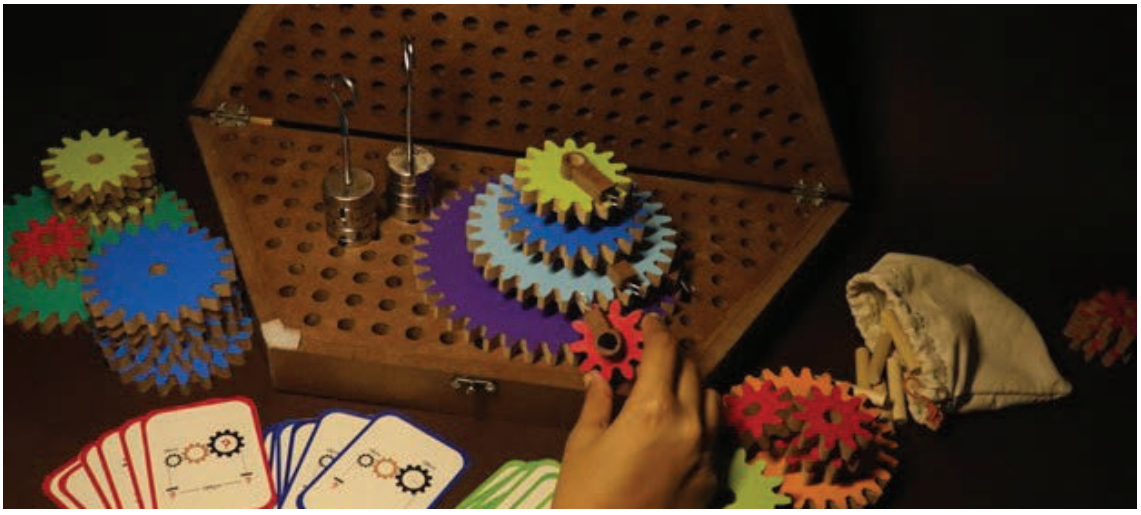

प्रोटोटाइप का विकास: बोर्ड आधारित खेल (बोर्ड गेम)

कॉफी बनाने के लिए नए जमाने का भारतीय यंत्र (काफी मेकर)

लग जरी फर्नीचर कॉन सोल

फॉर्म डिज़ाइन क ले मॉडलिंग

फॉर्म डिज़ाइन क ले मॉडलिंग

जापानी जॉइनरी वुडवर्किंग

प्रोटोटाइप विकास के अपरिमित चरण (गति निर्देशित यांत्रिक खिलौने)

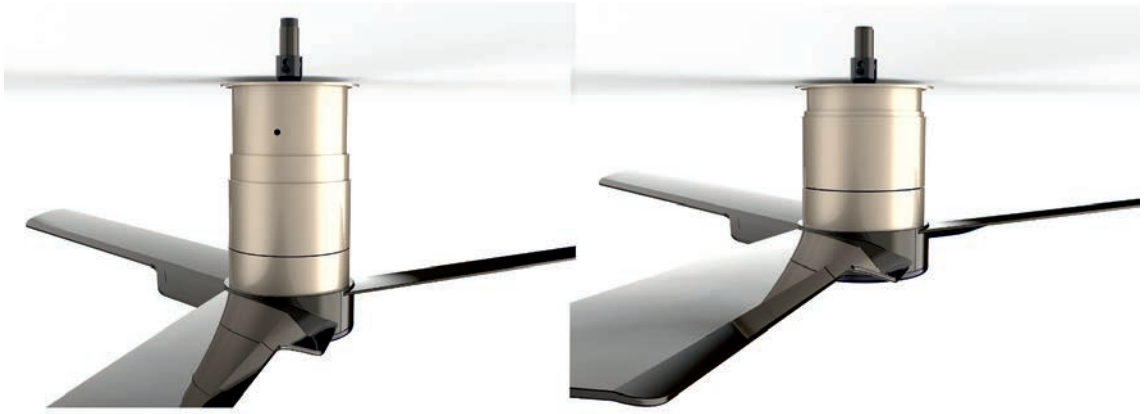

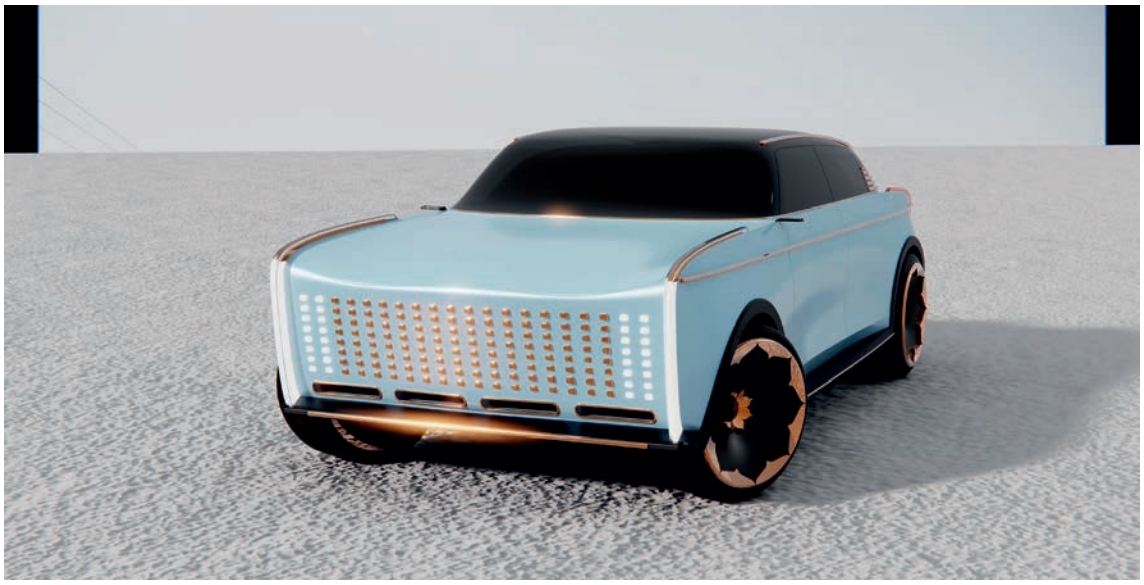

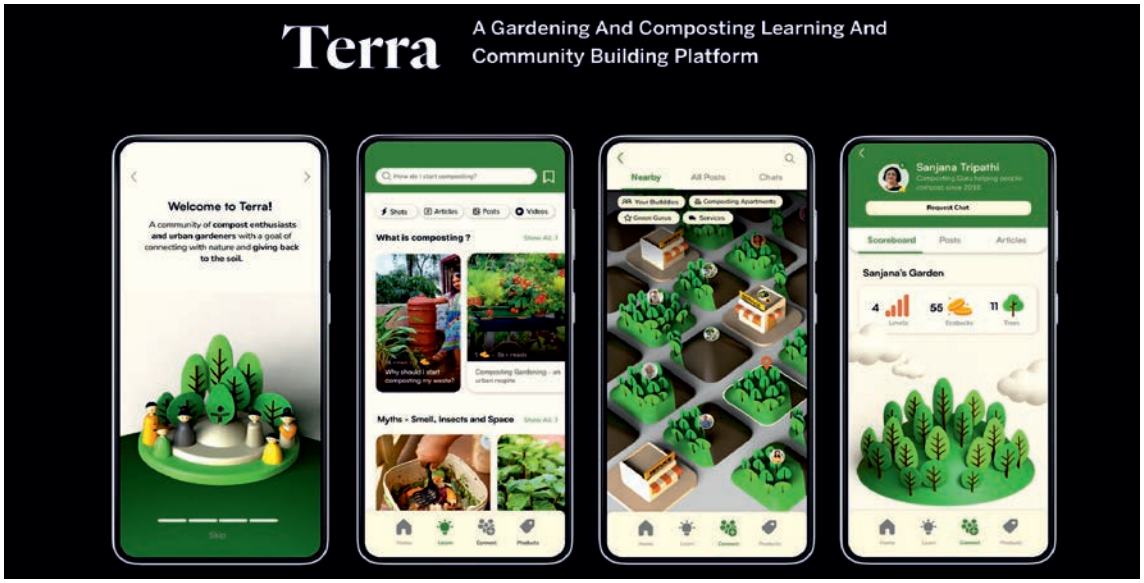
Terra
A Gardening And Composting Learning And Community Building Platform
Welcome to Terra!
A community of compost enthusiasts and urban gardeners with a goal of connecting with nature and giving back to the soil.
What is composting ?
Myths - Smell, Insects and Space
Nearby
All Posts
Chats
Sanjana Tripathi
Request Chat
Scoreboard
Posts
Articles
Sanjana's Garden

3.1.2 संचार डिज़ाइन संकाय (एफ सी डी)

यह कार्यक्रम इस ज्ञानानुशासन (डिसिप्लिन) के विस्तृत स्पेक्ट्रम में निहित व्यापक विविधता को दर्शाता है। सिस्टम-आधारित दृष्टिकोण को अपनाते हुए, यह एक संस्कृति या संगठन के भीतर मीडिया और संदेशों की संपूर्णता को एक एकीकृत और विलक्षण प्रक्रिया के रूप में संबोधित करता है।

डिज़ाइन कौशलों का विकास प्रत्येक सांस्कृतिक इंटरफ़ेस, व्यक्तिगत, संगठनात्मक इंटरफ़ेस और अनुभवात्मक कारक के अद्वितीय अभिविन्यास के साथ संरेखित करने के लिए तैयार किया गया है। शिक्षार्थी विविध स्टूडियो असाइनमेंट के माध्यम से इस व्यापक क्षेत्र के विभिन्न उप-डोमेन से जुड़ते हैं और अंततः वे विशिष्ट डोमेन में से किसी एक में विशेषज्ञता प्राप्त करने का विकल्प चुनते हैं।

संचार डिज़ाइन संकाय दृश्य और मौखिक संचार दोनों के सिद्धांतों, सैद्धांतिकयों और अनुप्रयोगों पर ज्ञान प्रदान करने के लिए समर्पित है। विविध मीडिया और मल्टीमीडिया प्लेटफ़ॉर्म के विशाल परिदृश्य पर केंद्रित, पाठ्यचर्या छात्रों को डिज़ाइन सैद्धांतिकी (थ्योरी) में एक मजबूत आधार प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जिसके अंतर्गत डिज़ाइन यंत्रों और तकनीकों का उपयोग करने में व्यावहारिक, अभ्यासिक अनुभव भी प्रदान किया जाता है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, छात्र शब्दों, छायाचित्रों (इमेजिज) और अभिव्यक्तियों को दक्षतापूर्वक मिश्रित करने हेतु अपेक्षित मूलभूत सैद्धांतिकियों की खोज करके उनका अभ्यास करते हैं तथा सूचना का प्रयोग करके मानवीय अनुभव को दृश्य रूप से अभिग्रहित करते हैं। पाठ्यचर्या के अंतर्गत ग्राफिक डिज़ाइन, एनीमेशन, फ़िल्म और वीडियो संचार डिज़ाइन, फ़ोटोग्राफ़ी, प्रदर्शनी डिज़ाइन, चित्रण, वेब डिज़ाइन, विज्ञापन, आदि सहित अवधारणाओं की एक श्रृंखला को सम्मिलित किया गया है।

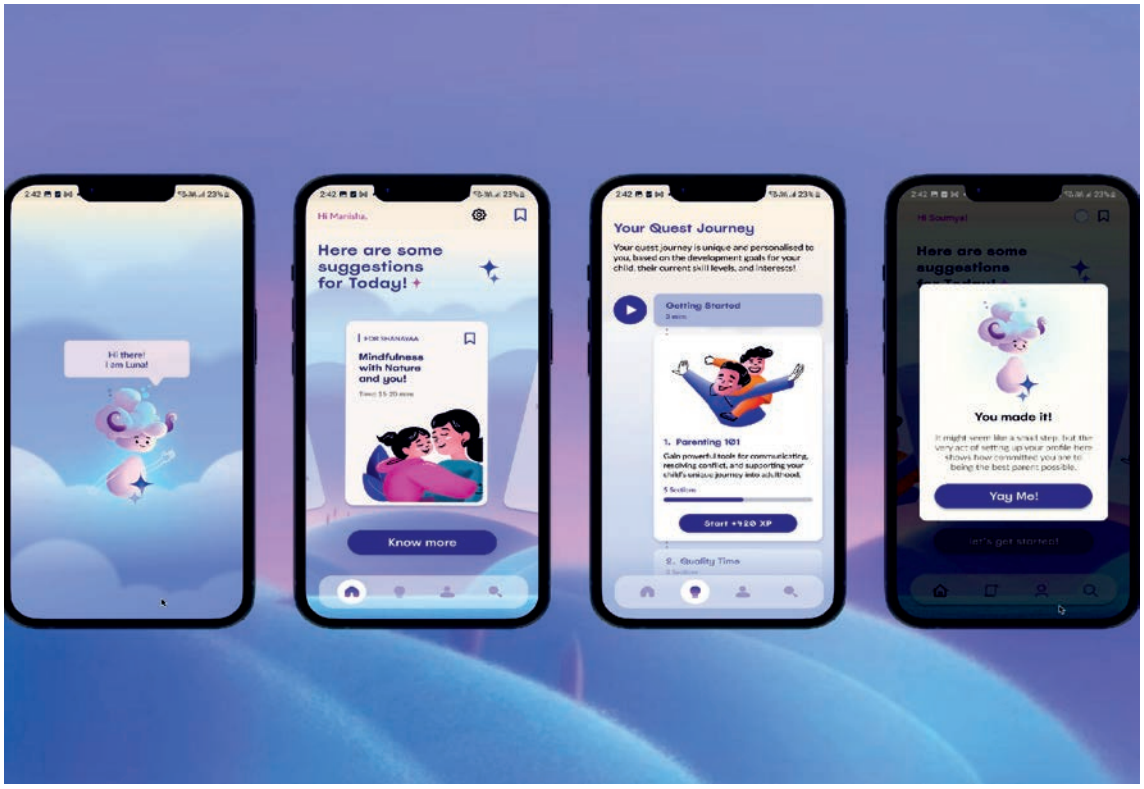

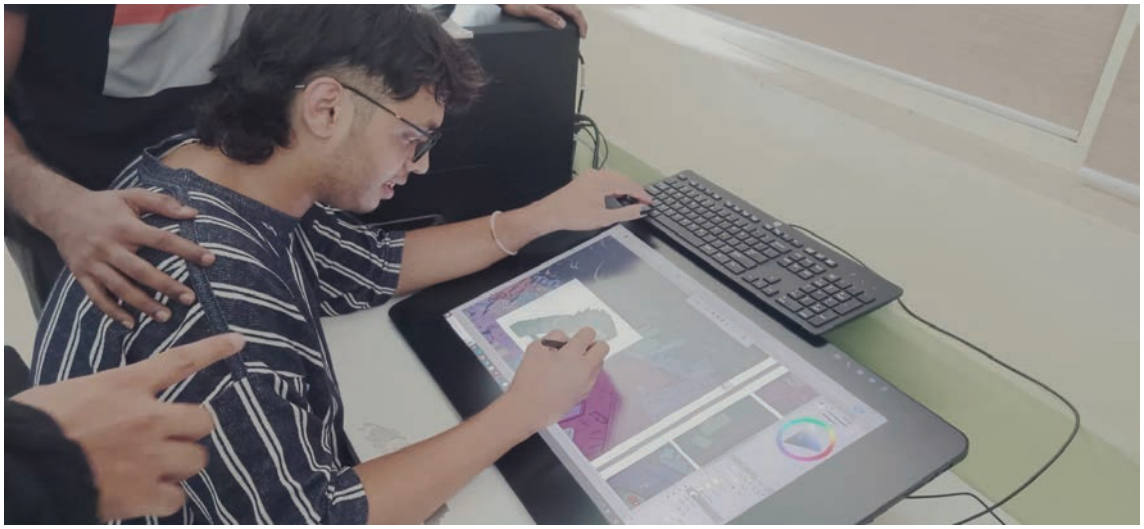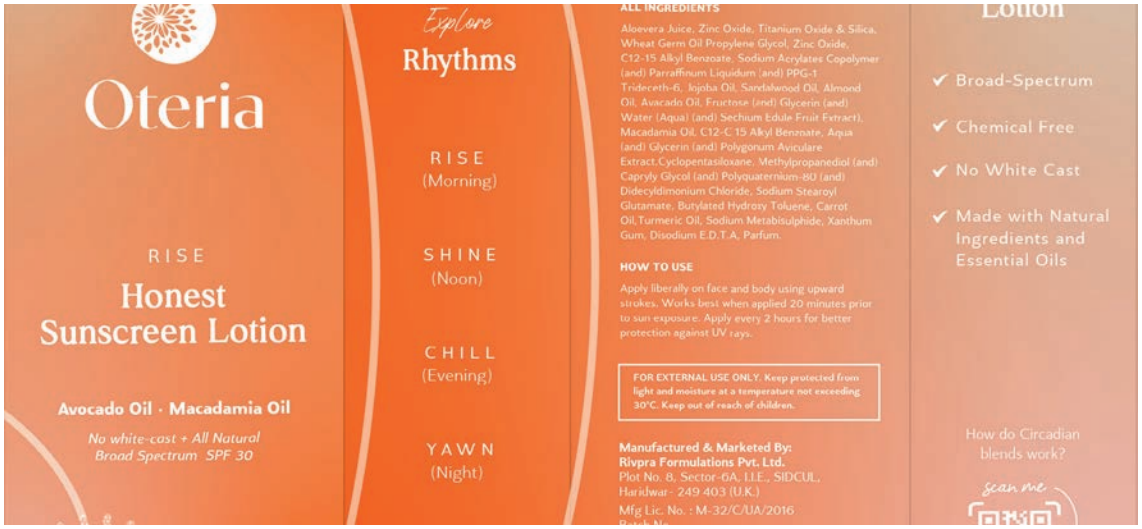

Oteria
RISE
Honest
Sunscreen Lotion
Avocado Oil · Macadamia Oil
No white-cast + All Natural
Broad Spectrum SPF 30
Explore
Rhythms
RISE
(Morning)
SHINE
(Noon)
CHILL
(Evening)
YAWN
(Night)
ALL INGREDIENTS
Aloevera Juice, Zinc Oxide, Titanium Oxide & Silica, Wheat Germ Oil Propylene Glycol, Zinc Oxide, C12-15 Alkyl Benzoate, Sodium Acrylates Copolymer (and) Parraffinum Liquidum (and) PPG-1 Trideceth-6, Jojoba Oil, Sandalwood Oil, Almond Oil, Avacado Oil, Fructose (and) Glycerin (and) Water (Aqua) (and) Sechium Edule Fruit Extract), Macadamia Oil, C12-C 15 Alkyl Benzoate, Aqua (and) Glycerin (and) Polygonum Aviculare Extract,Cyclopentasiloxane, Methylpropanediol (and) Capryly Glycol (and) Polyquaternium-80 (and) Didecyldimonium Chloride, Sodium Stearoyl Glutamate, Butylated Hydroxy Toluene, Carrot Oil,Turmeric Oil, Sodium Metabisulphide, Xanthum Gum, Disodium E.D.T.A, Parfum.
HOW TO USE
Apply liberally on face and body using upward strokes. Works best when applied 20 minutes prior to sun exposure. Apply every 2 hours for better protection against UV rays.
FOR EXTERNAL USE ONLY. Keep protected from light and moisture at a temperature not exceeding 30°C. Keep out of reach of children.
Manufactured & Marketed By:
Rivpra Formulations Pvt. Ltd.
Plot No. 8, Sector-6A, I.I.E., SIDCUL,
Haridwar- 249 403 (U.K.)
Mfg Lic. No. : M-32/C/UA/2016
Lotion
Broad-Spectrum
Chemical Free
No White Cast
Made with Natural Ingredients and Essential Oils
How do Circadian blends work?
Scan me

छात्रों का कार्य

छात्रों का कार्य

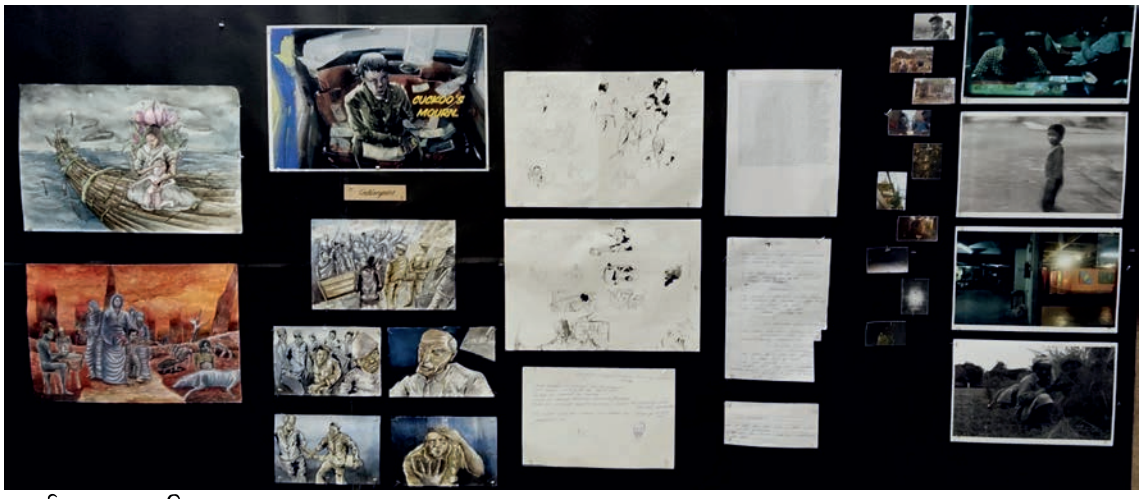

कार्य का प्रस्तुतीकरण

साइनेज डिज़ाइन

मानव संग्रहालय का दौरा

चलचित्रकला शिल्पशाला के दौरान छात्रों के छायाचित्र खींचना

चलचित्रकला शिल्पशाला के दौरान छात्रों के छायाचित्र खींचना

3.1.3 कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन संकाय (एफ टी ए डी)

कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन कार्यक्रम कपड़ा, फैशन, लाइफस्टाल असेसरीज और आंतरिक डिज़ाइन की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति करने की व्यापक दृष्टि से अपने आप में विशिष्ट है। यह कपड़ा उत्पाद विकास और परिधान डिज़ाइन के क्षेत्रों को सावधानीपूर्वक संतुलित करता है, जो कपड़ा विकास और परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं में निहित है।

पारंपरिक हस्तशिल्प तकनीकों में दक्षता विकसित करने के अलावा, छात्र कपड़ा और परिधान उद्योग के भीतर नवोन्नत आधुनिक तकनीक की क्षमता का भी दोहन करते हैं। यह कार्यक्रम कपड़ा उद्योग के रचनात्मक अग्रभाग में समृद्ध और चुनौतीपूर्ण शिक्षण वातावरण के भीतर डिज़ाइन की कला, रसायन विज्ञान और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्यों को सामंजस्यता से एकीकृत करता है।

छात्रों को इस प्रकार प्रशिक्षण दिया जाता है कि वे पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र में तथा कपड़ा, परिधान और कपड़ा उद्योग में वे दक्षता हासिल कर सकें।

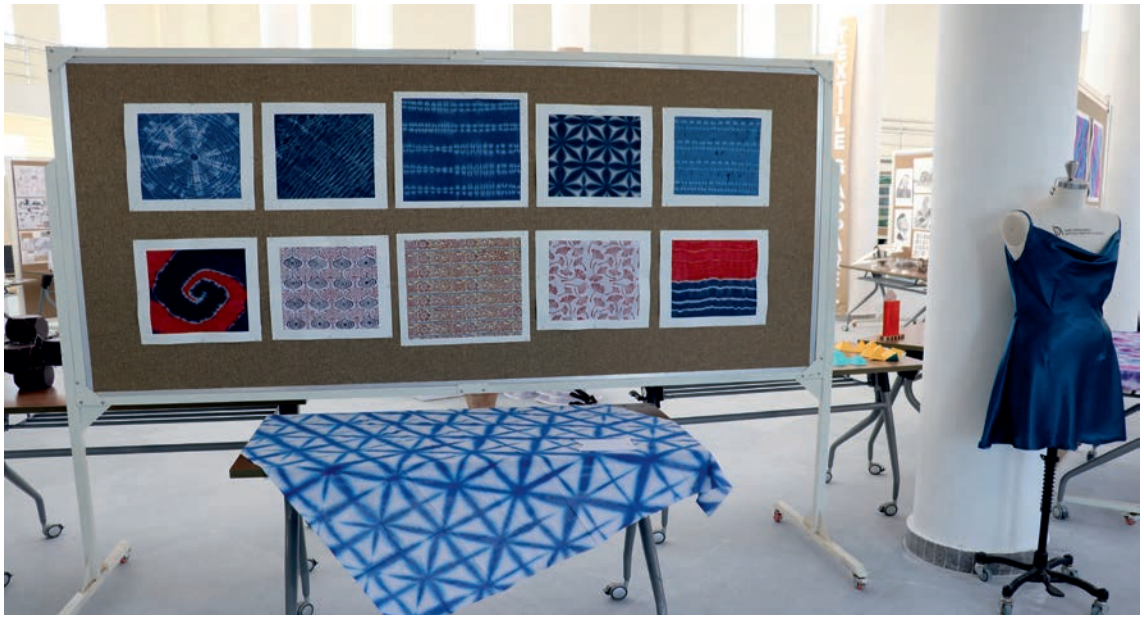

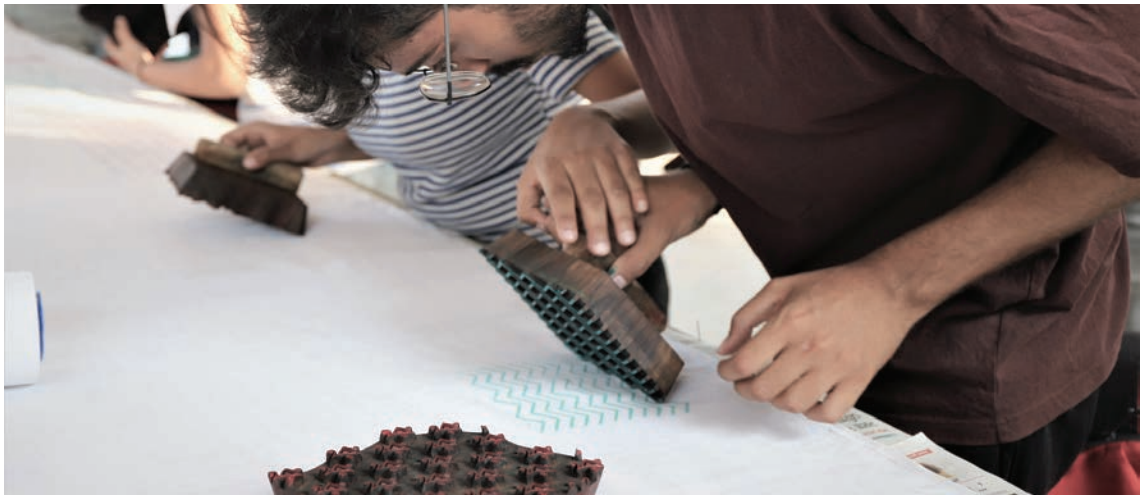

हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग शिल्पशाला

प्राथमिक बुनाई पाठ्यक्रम के दौरान डेस्क लूम पर छात्र

प्राथमिक बुनाई पाठ्यक्रम के दौरान डेस्क लूम पर छात्र

प्राथमिक बुनाई पाठ्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण

प्राथमिक बुनाई पाठ्यक्रम के दौरान छात्रों का प्रस्तुतीकरण

मलमल एवं फैब्रिक दोहन की खोज

3.2 संस्थान का प्रबंधन

प्रबंधन दल अकादमिक और रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करने, कार्यात्मक सामंजस्य स्थापित करने, शिक्षण उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और सामुदायिक जुड़ाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे सिमेस्टर-वार अकादमिक कार्यक्रम तैयार करते हैं, छात्रों और कर्मचारियों दोनों के उत्थान को अक्षुण्ण रखते हैं, वार्षिक बजटीय आवश्यकताओं की देखरेख करते हैं, और संस्थान के संचालन एवं संसाधनों के दक्षतापूर्ण प्रशासन की गारंटी देते हैं।

यह प्रभावकारी प्रबंधन दृष्टिकोण अकादमिक आदान-प्रदानों, साथी शैक्षणिक संस्थानों के साथ उपयोगी साझेदारी, उद्योग के साथ मौजूदा सहयोगों, मानव पूंजी का पोषण, बुनियादी ढांचे को उन्नत बनाना तथा छात्रों को संस्थान के शीर्ष प्रयासों से जोड़ने में सतर्कता से कार्य करता है।

संस्थान का प्रबंधन निम्नलिखित प्राधिकारियों के माध्यम से संचालित होता है:

- शासी परिषद
- निदेशक
- सीनेट (शासी सभा)
- शासी परिषद की स्थायी समिति
- एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा)
- अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन
- शैक्षणिक सलाहकार समिति
- संकाय मंच
- ज्ञानानुशासन प्रमुख (डिसिप्लिन लीड्स)
- कुलसचिव
- मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
- वित्त और लेखा नियंत्रक

3.3 एक्टिविटी चेयरपर्सन

एक्टिविटी चेयरपर्सन कतिपय केंद्रीकृत गतिविधियों के संचालन के लिए कार्यात्मक प्रमुख हैं जो सौंपे गए विशिष्ट कार्यों के तहत गतिविधियों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार हैं। वे इन कार्यों के अंतर्गत निर्णय लेने तथा शिक्षण-अधिगम में सुधार लाने के लिए खास सिफारिशें करने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करने, अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीति/योजनाएं बनाने, अनुसंधान और विकास गतिविधियों का संचालन करने, आउटरीच पहल करने, संस्थान समुदाय की शारीरिक और मानसिक कल्याण सुनिश्चित करने आदि में भूमिका निभाते हैं।

एक्टिविटी चेयरपर्सन को निदेशक द्वारा प्रथम संविधि की धारा 22 में दिए गए उपबंधों के तहत नामित किया जाता है। वर्तमान में, संस्थान में निम्नलिखित एक्टिविटी चेयरपर्सन हैं:

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा)
(ii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (रणनीति और योजना)
(iii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (अनुसंधान और विकास एवं के.एम.सी.)
(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन (वैश्विक आउटरीच सेल)
(v) एक्टिविटी चेयरपर्सन (वेलनेस सेंटर)

3.3.1 एक्टिविटी चेयरपर्सन - शिक्षा के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) सभी संकाय वर्गों और कार्यक्रमों के संबंध में संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रमों की सभी प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों का प्रभारी होगा।

(ii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) संस्थान और उसके परिसरों में छात्रों के अनुशासनिक मामलों और शिकायतों सहित शिक्षा के मानकों में उत्कृष्टता को अनुरक्षित करने के लिए जिम्मेदार होगा, जिसके लिए वह सीनेट, निदेशक, परिषद की स्थायी समिति और शासी परिषद के परामर्श से उचित कार्रवाई करेगा।

(iii) सभी अधिष्ठाता/संकायाध्यक्ष (डीन), संकाय प्रमुख, ज्ञानानुशासन प्रमुख, प्रयोगशाला या स्टूडियो समन्वयक और सभी विषयों या कार्यक्रमों के संकाय सदस्य तथा शिक्षा और शिक्षाविदों से संबंधित सभी सलाहकार समितियां संस्थान के शैक्षणिक मानकों के परिदेय और रखरखाव के लिए एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) के प्रति उत्तरदायी होंगी।

(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) ऐसी समितियों और पैनलों की अध्यक्षता करेंगे जिन्हें निदेशक द्वारा नामित किया जा सकता है और वे ऐसे अन्य कार्य करेंगे जो निदेशक द्वारा उन्हें सौंपे जा सकते हैं।

(v) एक्टिविटी चेयरपर्सन (शिक्षा) ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेंगे जो उन्हें शासी परिषद द्वारा सौंपी जाएँगी।

3.3.2 एक्टिविटी चेयरपर्सन - रणनीति और योजना के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन (रणनीति और योजना) अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन के साथ समन्वय करके संस्थान की रणनीति और योजना गतिविधियों संबंधित ऐसे कार्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे, जो निदेशक द्वारा उन्हें सौंपे जाएं।

(ii) निदेशक के परामर्श से संस्थान की दीर्घकालिक योजना निर्धारित करना, जिसमें संस्थान के विज़न, मिशन, उद्देश्य, लक्ष्यों, रणनीतियों, नीतियों और कार्य योजनाओं का विवरण हो।

(iii) संस्थान के प्रत्येक एक्टिविटी चेयरपर्सन /विभाग से समन्वित प्रयासों को संकलित करना और रा.डि.सं. एमपी ब्रांड व्यक्तित्व के विकास के लिए समग्र रूप से मार्गदर्शन प्रदान करना।

(iv) भौतिक, अवसंरचनात्मक सुविधाओं, यथा भवनों, पाठ्यशालाओं, पुस्तकालय (बीबीटी), पुस्तकें, फर्नीचर, खेल का मैदान, छात्रावास, परिवहन आदि से संबंधित मात्रिक सूचना (क्वांटिटेटिव इन्फॉर्मेशन) प्राप्त करने के लिए मानकीकृत दस्तावेजों के रूप में प्रोफार्मा, प्रारूप, प्रपत्र, दस्तावेज या मैनुअल तैयार करना।

(v) संगठन संरचना, पाठ्यचर्या में संशोधन, कर्मचारियों का विकास, भूतपूर्व (एल्यूमिनी) छात्रों से प्रतिक्रिया प्राप्त करना और शोध आवश्यकताओं आदि के लिए कार्यप्रणालियां विकसित करना।

(vi) एक्टिविटी चेयरपर्सन (रणनीति और योजना) के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए निदेशक उसे कार्यों और जिम्मेदारियों का विवरण देगा।

(vii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (रणनीति और योजना) उन शक्तियों का प्रयोग करेगा जो उसे शासी परिषद द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन के तहत सौंपी जाएंगी।

3.3.3 एक्टिविटी चेयरपर्सन - अनुसंधान एवं विकास और ज्ञान प्रबंधन केंद्र के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन (अनुसंधान एवं विकास - आर एंड डी, और ज्ञान प्रबंधन केंद्र - केएमसी) अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन के साथ समन्वय करके संस्थान की आर एंड डी और केएमसी गतिविधियों से संबंधित ऐसे कार्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा, जैसा कि निदेशक द्वारा उसे सौंपा जाए।

(ii) संस्थान की आर एंड डी और केएमसी गतिविधियों पर एक नीति पुस्तिका को परिभाषित और विकसित करना।

(iii) एक्टिविटी चेयरपर्सन (अनुसंधान एवं विकास और केएमसी) के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन करने के निदेशक उसे कार्यों और जिम्मेदारियों का विवरण देगा।

(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन (आरएंडडी और केएमसी) उन शक्तियों का प्रयोग करेगा जो उसे शासी परिषद द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों के प्रतिनिधिमंडल के तहत सौंपी जाएं ।

3.3.4 एक्टिविटी चेयरपर्सन - वैश्विक आउटरीच प्रकोष्ठ के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन वैश्विक आउटरीच प्रकोष्ठ अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन के साथ समन्वय करके संस्थान की वैश्विक आउटरीच प्रकोष्ठ गतिविधियों से संबंधित ऐसे कार्यों, कार्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा, जैसा कि निदेशक द्वारा उन्हें सौंपा जाए।

(ii) वह संस्थान की सभी प्रायोजित शोध/ अनुसंधान गतिविधियों का प्रभारी होगा, जिसमें परियोजना प्रस्तुतीकरण, लेखांकन सहित परियोजना प्रबंधन, शोध कर्मियों की भर्ती, वित्तपोषण एजेंसी के साथ बातचीत, आईपीआर की सुरक्षा और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शामिल हैं। अन्य जिम्मेदारियों में निम्न शामिल हैं:

(क) संस्थान की ओर से प्रायोजक द्वारा प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करना।

(ख) परियोजना कर्मचारियों के विरूद्ध भर्ती, चयन, विस्तार, मूल्यांकन, सेवा-समाप्ति और अनुशासनिक कार्रवाई करना।

(iii) एक्टिविटी चेयरपर्सन, वैश्विक आउटरीच प्रकोष्ठ के रूप में कर्तव्यों के निष्पादन के लिए निदेशक उसे कार्यों और जिम्मेदारियाँ सौंपेगा।

(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन (ग्लोबल आउटरीच प्रकोष्ठ) उन शक्तियों का प्रयोग करेगा जो उसे शासी परिषद द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन के तहत सौंपी जाएं।

3.3.5 एक्टिविटी चेयरपर्सन - वेलनेस सेंटर के कार्य

(i) एक्टिविटी चेयरपर्सन वेलनेस सेंटर (स्वास्थ्य केंद्र) अन्य एक्टिविटी चेयरपर्सन के साथ समन्वय करके संस्थान की वेलनेस सेंटर गतिविधियों से संबंधित ऐसे कार्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा, जो निदेशक द्वारा उन्हें सौंपे जाएं ।

(ii) स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों के बीच नेतृत्व, समर्थन और जागरुकता पैदा करना ताकि उनकी दक्षता को तनाव के बिना बढ़ाया जा सके। कई पहलों में से, एक्टिविटी चेयरपर्सन संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों के बीच शारीरिक,भावनात्मक, सामाजिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, पर्यावरणीय और व्यावसायिक कल्याण के क्षेत्रों में विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करेगा।

(iii) एक्टिविटी चेयरपर्सन वेलनेस सेंटर के रूप में कर्तव्यों के निष्पादन के लिए निदेशक उसे कार्य और जिम्मेदारियाँ सौंपेंगा।

(iv) एक्टिविटी चेयरपर्सन (वेलनेस सेंटर) उन शक्तियों का प्रयोग करेगा जो उसे शासी परिषद द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायोजन के तहत सौंपी जाएं। संस्थान तीन विषयों में स्नातक की डिग्री प्रदान करता है, अर्थात् बैचलर ऑफ डिज़ाइन (औद्योगिक डिज़ाइन), बैचलर ऑफ डिज़ाइन (संचार डिज़ाइन) और बैचलर ऑफ डिज़ाइन (कपड़ा और परिधान डिज़ाइन)। सभी विषयों में पहले वर्ष में एक सामान्य फाउंडेशन कार्यक्रम होता है।

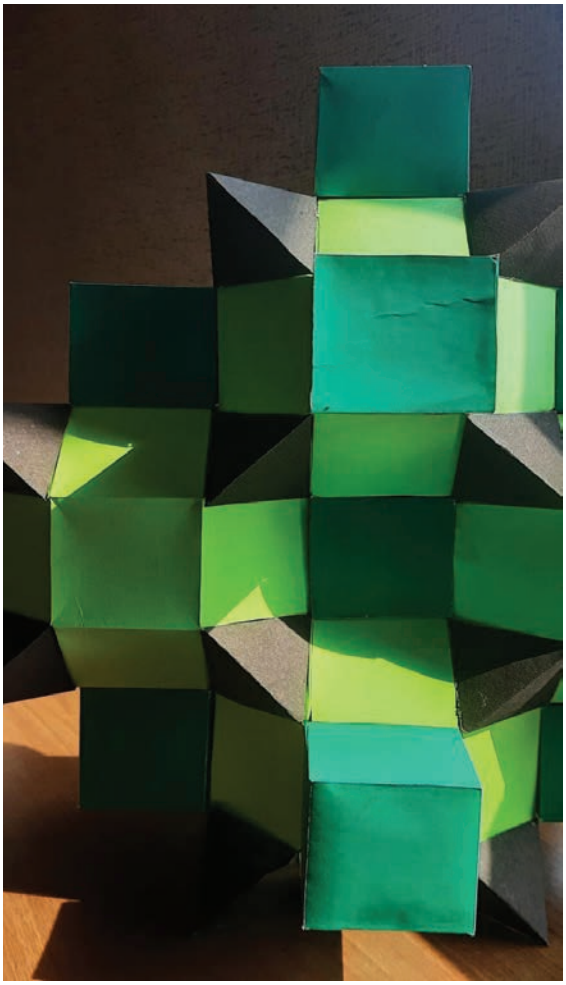

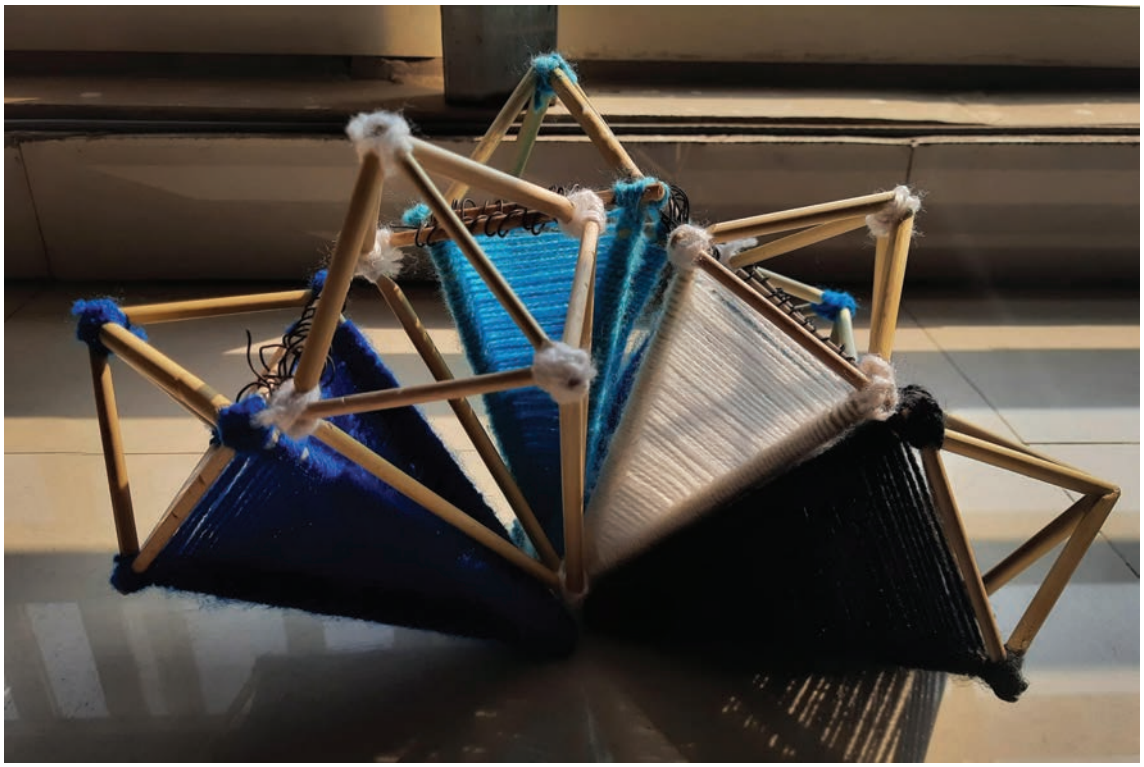

4

शैक्षणिक ज्ञानानुशासन

4.1 फाउंडेशन स्टडीज (यूजी प्रोग्राम)

ज्ञानानुशासन अथवा शाखा का संक्षिप्त परिचय

फाउंडेशन स्टडीज का उद्देश्य डिज़ाइन में विशेषज्ञता के लिए आवश्यक मूल्यों, मनोवृत्तियों, संवेदी कौशल और सौंदर्यबोध जागरुकता प्राप्त करने में सहायता करना है। यह छात्रों को डिज़ाइन के मूल सिद्धांतों से परिचित कराता है और डिज़ाइन को रचनात्मक समस्या-समाधान प्रक्रिया के रूप में समझने के लिए छात्रों को अभिप्रेरित करता है।

यह ज्ञानानुशासन उभरती डिज़ाइन धारणा और मनोवृत्ति विकसित करने, डिज़ाइन की बहु-विषयक प्रकृति और पर्यावरण, संस्कृति, मानवीय इंद्रियों तथा भावनाओं के साथ डिज़ाइन के संबंध को समझने में सहायता करती है।

बेसिक डिज़ाइन स्टूडियो कोर्स को विश्व के दृष्टिकोणों और भारतीय परिवेश की समझ विकसित करके संवर्धित किया जाता है।

यह शाखा वैचारिक सोच, डिज़ाइन चिंताओं और डिज़ाइन प्रक्रियाओं के लिए अंतर्दृष्टि को समृद्ध करने में सहायता करता है। इसका आशय छात्रों की सीखों को वास्तविक जीवन की स्थितियों से लगातार जोड़कर बदलते पर्यावरण के बारे में जागरुकता पैदा करना है। यह रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश, प्रेरणाएं, सुविधाएं और अनुभव प्रदान करता है जिससे प्रत्येक छात्र को अपनी पहचान और क्षमता के बारे में सोच-विचार करने में सहायता करता है।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम

फाउंडेशन बैच 2022-23 के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम 12 और 13 अगस्त 2022 को फाउंडेशन स्टडीज टीम (सुश्री नीतिका देवगन, श्री अमित के. गहलोत, सुश्री सुव्रता यादव, सुश्री अदिति शर्मा) द्वारा आयोजित किया गया।

दो दिवसीय कार्यक्रम में निदेशक, कुलसचिव और ज्ञानानुशासन प्रमुख (फाउंडेशन स्टडीज) द्वारा छात्रों और संबंधित अभिभावकों के लिए स्वागत संबोधन दिया गया । इसके बाद छात्रों के नए बैच को फाउंडेशन स्टडीज फैकल्टी टीम से परिचित कराया गया और फाउंडेशन स्टडीज टीम द्वारा तैयार किए गए "वेलकम किट" के साथ उनका स्वागत किया गया। तत पश चात, तीनों डिसिप्लिन संकाय सदस्यों के साथ एक छोटा सा इंटरेक्टिव सत्र आयोजित किया गया।

सिमेस्टर I और II के लिए जूरी (निर्णायक-मंडल)

2022-23 के फाउंडेशन बैच के लिए सिमेस्टर एंड जूरी का आयोजन बाह्य और आंतरिक जूरी सदस्यों द्वारा किया गया।

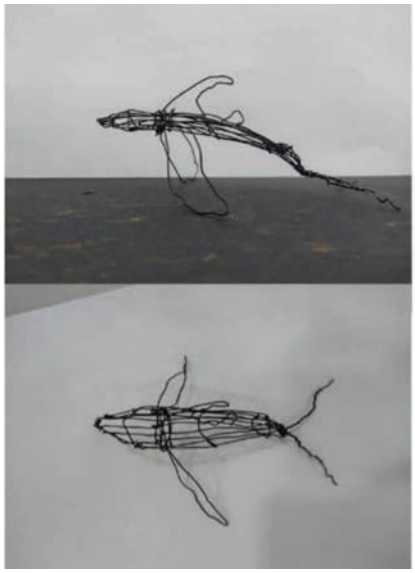

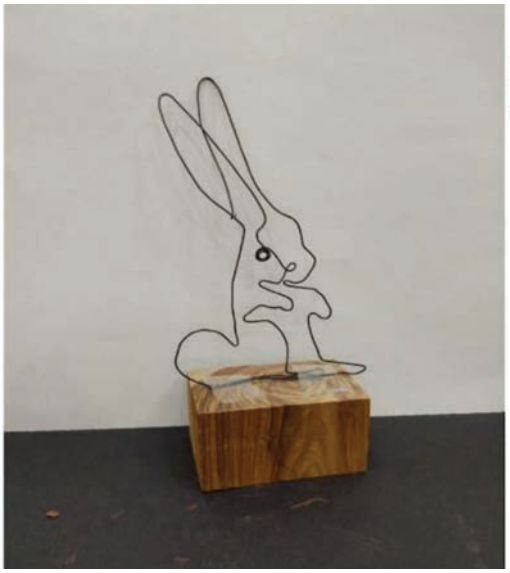

METAL WIRE EXPLORATIO N

INCENSE STICK HOLDER UNDER HARD WOOD EXPLORATION

CLAY TILES

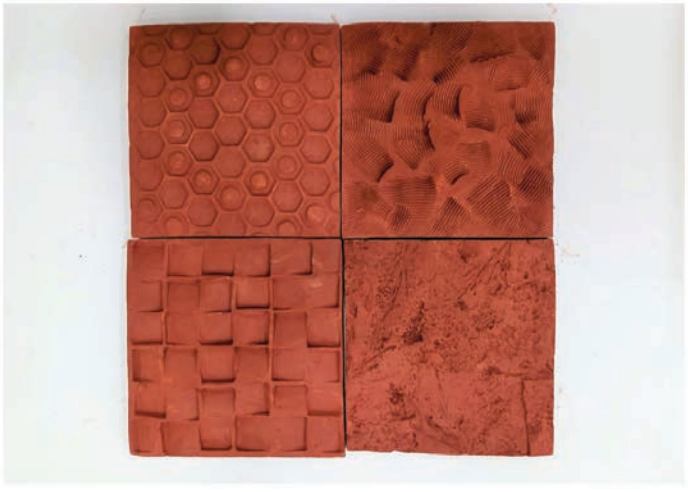

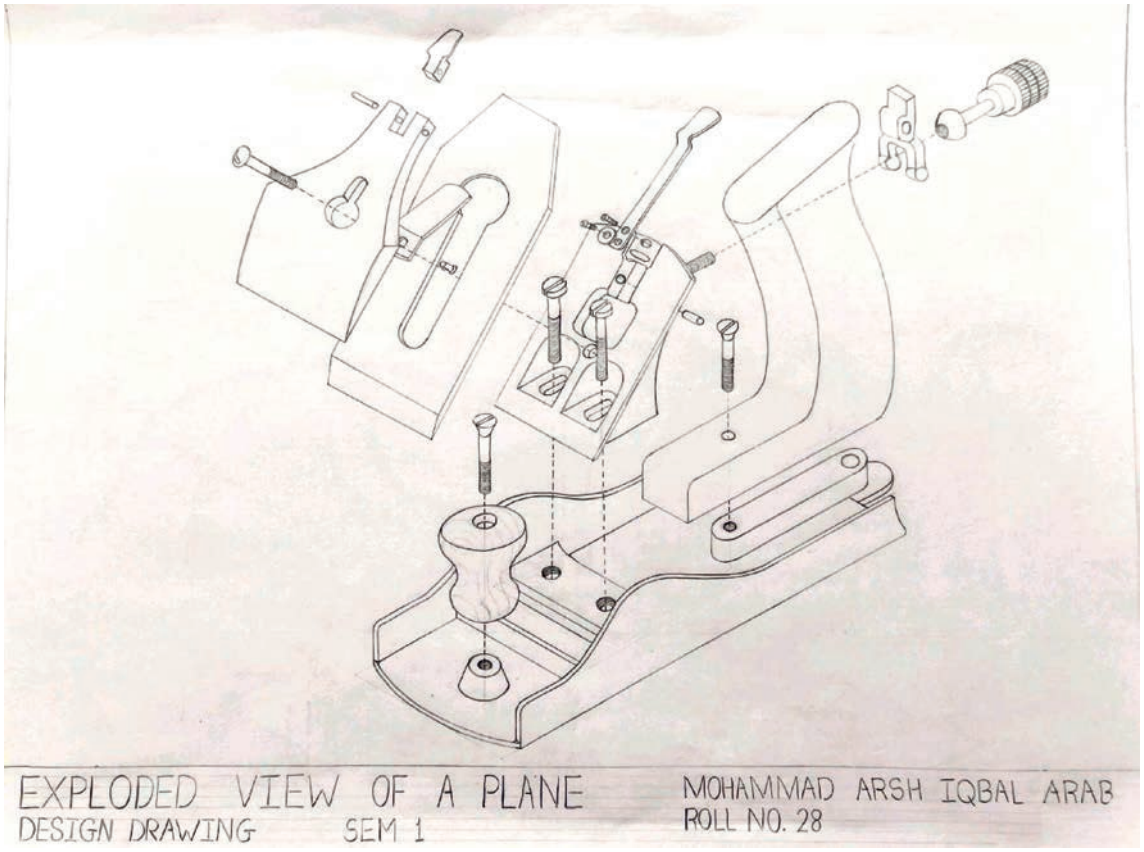

डिज़ाइन ड्राइंग मॉड्यूल से छात्रों द्वारा किया गया कार्य

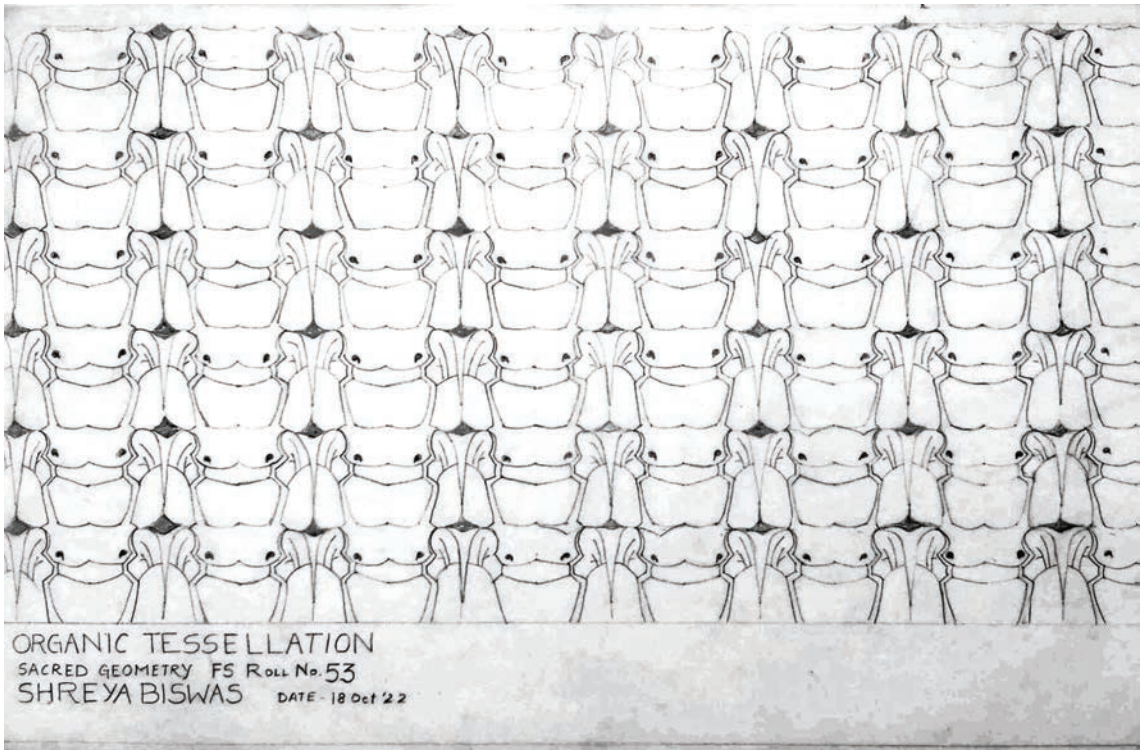

सेकर्ड जर्मनी मॉड्यूल से टेसिलेशन स में छात्रों द्वारा किया गया कार्य

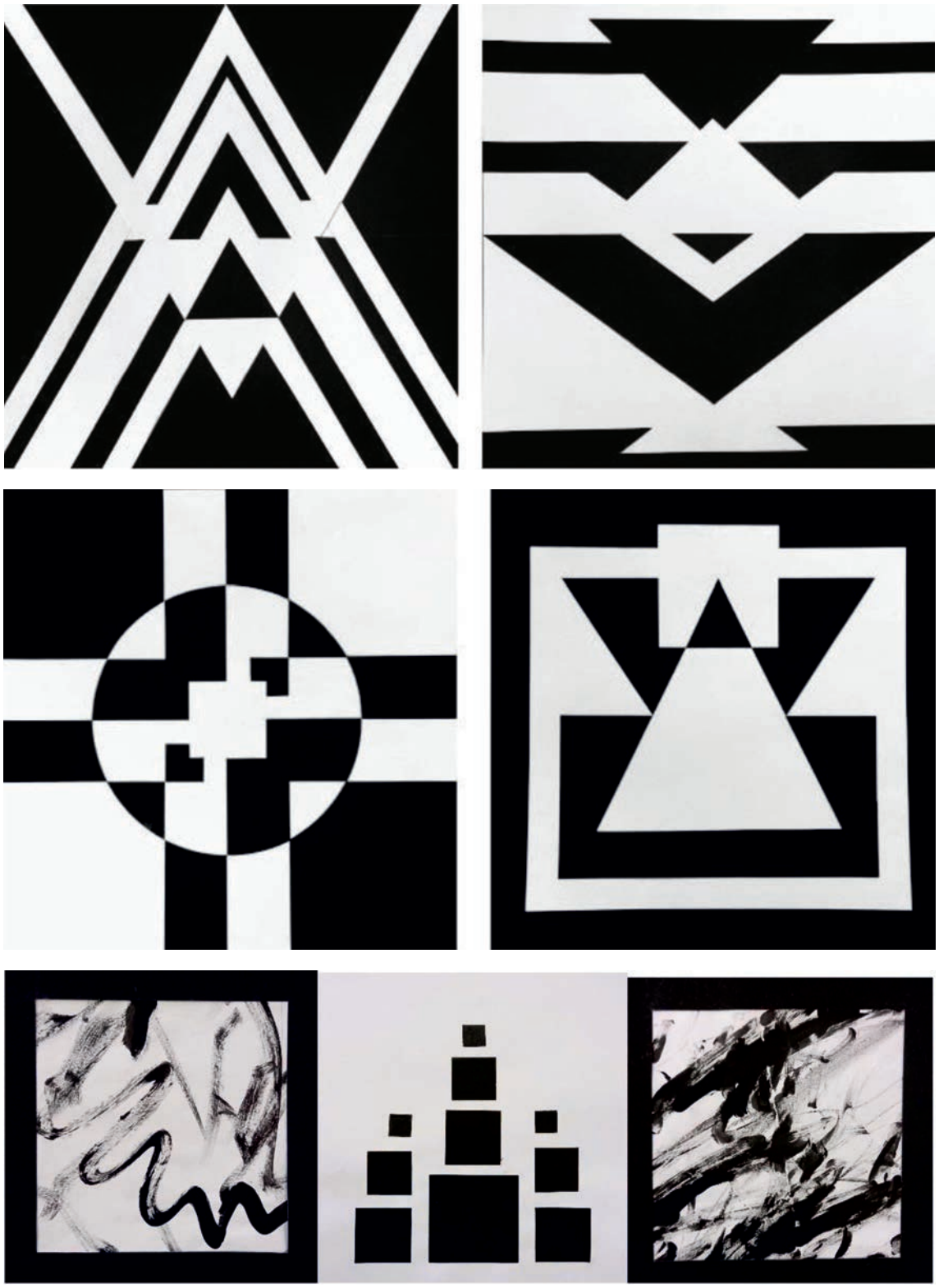

कम्प्पोजिशन मॉड्यूल के घटकों से छात्रों द्वारा किया गया कार्य

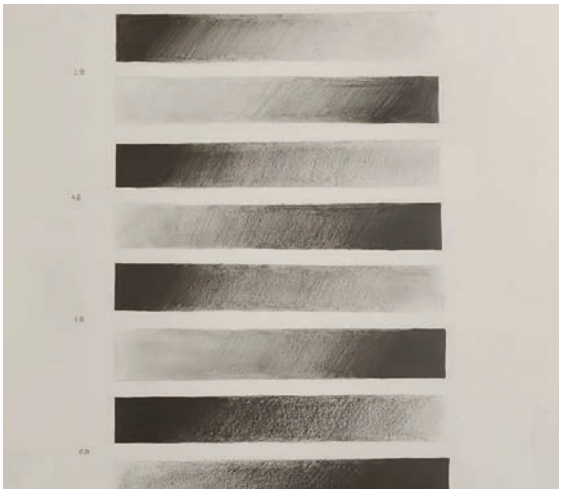

फ्रीहैंड ड्राइंग I मॉड्यूल से छात्रों द्वारा किया गया कार्य

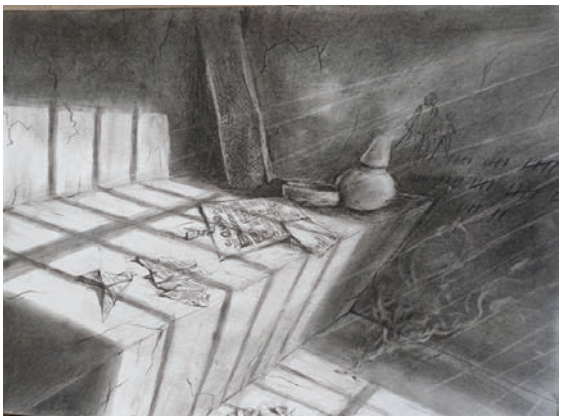

फॉर्म एवं स्पेस माड्यूल में छात्रों द्वारा किया गया कार्य

कलर माड्यूल के घटकों से छात्रों द्वारा किया गया कार्य

कलर माड्यूल के घटकों के दौरान फाउंडेशन स्टूडियों में छात्रों की मौजूदगी

सिमेस्टर II

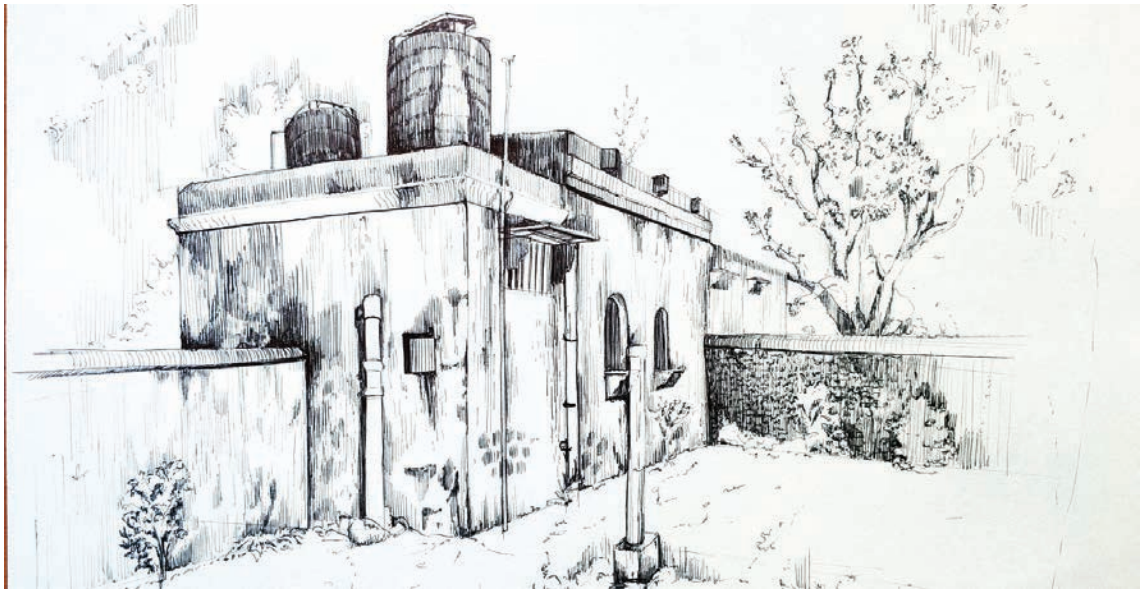

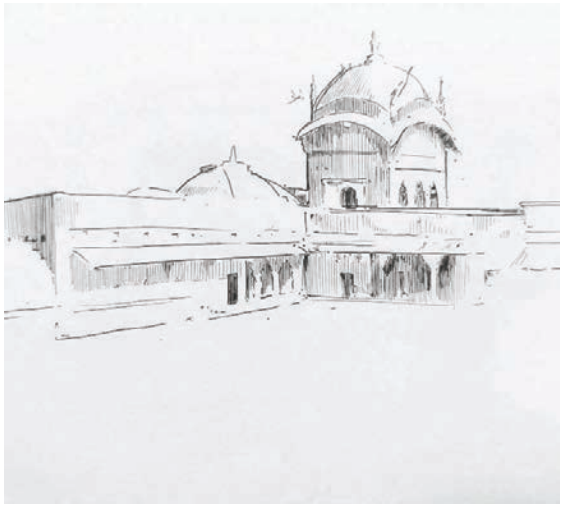

फ्रीहैंड ड्राइंग II मॉड्यूल से छात्रों द्वारा किया गया कार्य

फाउंडेशन स्टूडीज स्टूडियो में छात्रों द्वारा सामग्रियों के संयोजन और 3डी ज्यामिति का डिस्प्ले

फ्रीहैंड ड्राइंग II में एक अभ्यासिक गतिविधि के दौरान खुली हवादार सभागार में छात्र स्केचिंग बनाते हुए

फाउंडेशन स ट्डीज में सामग्रियों के संयोजन में छात्र सामग्रियों की खोज करते हुए

पर्यावरणीय एवं सांस कृतिक धारणा मॉड्यूल के दौरान छात्र अपने कार्य का प्रस तुतीकरण करते हुए

2022-23 के फाउंडेशन बैच के समापन दिवस की फोटो

आंतरिक जूरी के सदस्य

सुश्री नितिका देवगन
श्री अमित के. गहलोत
सुश्री सुव्रत यादव
सुश्री अदिति शर्मा

बाह्य जूरी के सदस्य

श्री भार्गव मिस्त्री
श्री बिलाल आबिद
श्री गौरव जुयाल
श्री वल्लभ रस्तोगी

जूरी सदस्य छात्र से बात करते हुए

उद्योग विशेषज्ञ एवं अतिथि संकाय के दौरे

फाउंडेशन स्टडीज संकाय कई विशेषज्ञों और अतिथि संकाय सदस्यों को आमंत्रित करता है जिनके पास भिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में व्यापक अनुभव होता है।

विशेषज्ञों और अतिथि संकाय सदस्यों की सूची जो विभिन्न मॉड्यूलों के दौरान फाउंडेशन बैच 2022-23 से जुड़े थे:

श्री सोमनाथ दिकपति
श्री इरफान यू टबानी
डॉ. मदन मीना
श्री वाई. एन. विवेकानंद
श्री निशांत कुमार
श्री शिवराम अनंतनारायण
डॉ. पराग व्यास
सुश्री खुशबू भारती
श्री दिनेश कोर्जन

छात्रों के साथ अतिथि विशेषज्ञ के सत्र

फाउंडेशन स्टडीज की उपलब्धियां

छात्र श्रेणी (संधारणीयता) के तहत जिम्मेदार पैकेजिंग के लिए एफआईपीएसए 2022 सांत्वना पुरस्कार

फाउंडेशन बैच एफएस 22-24 की छात्र टीम समूह सदस्यों के साथ: फैका अतीफ, केशव कुमार, संजीवनी बर्डे, अक्षता ओक ने जिम मेदार पैकेजिंग हेतु एफआईपीएसए 2022 पुरस्कार के लिए छात्र श्रेणी (संधारणीयता) के तहत सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

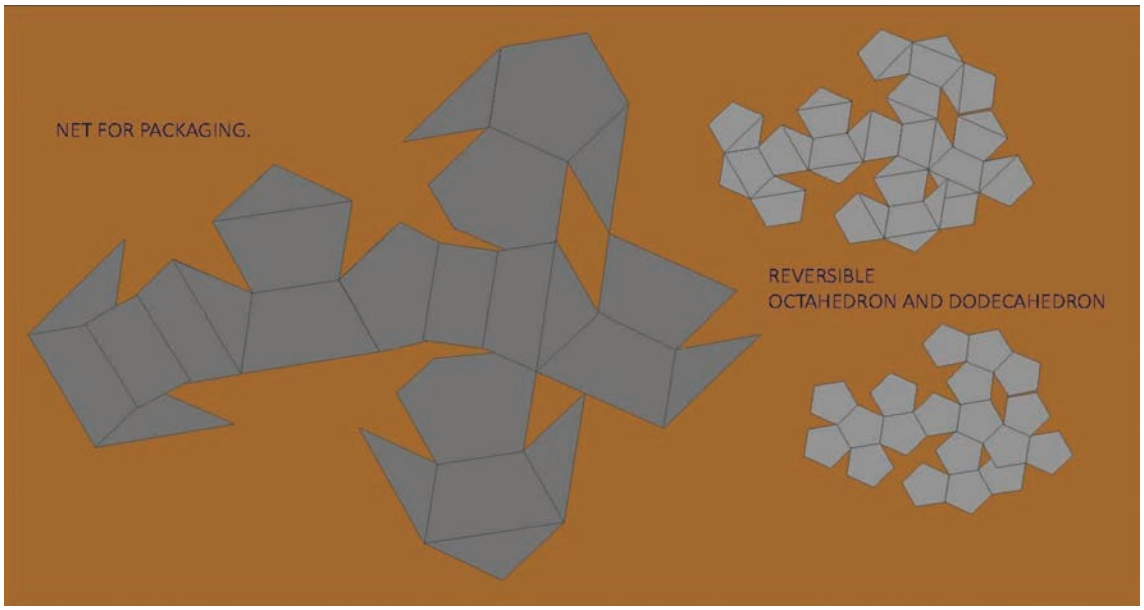

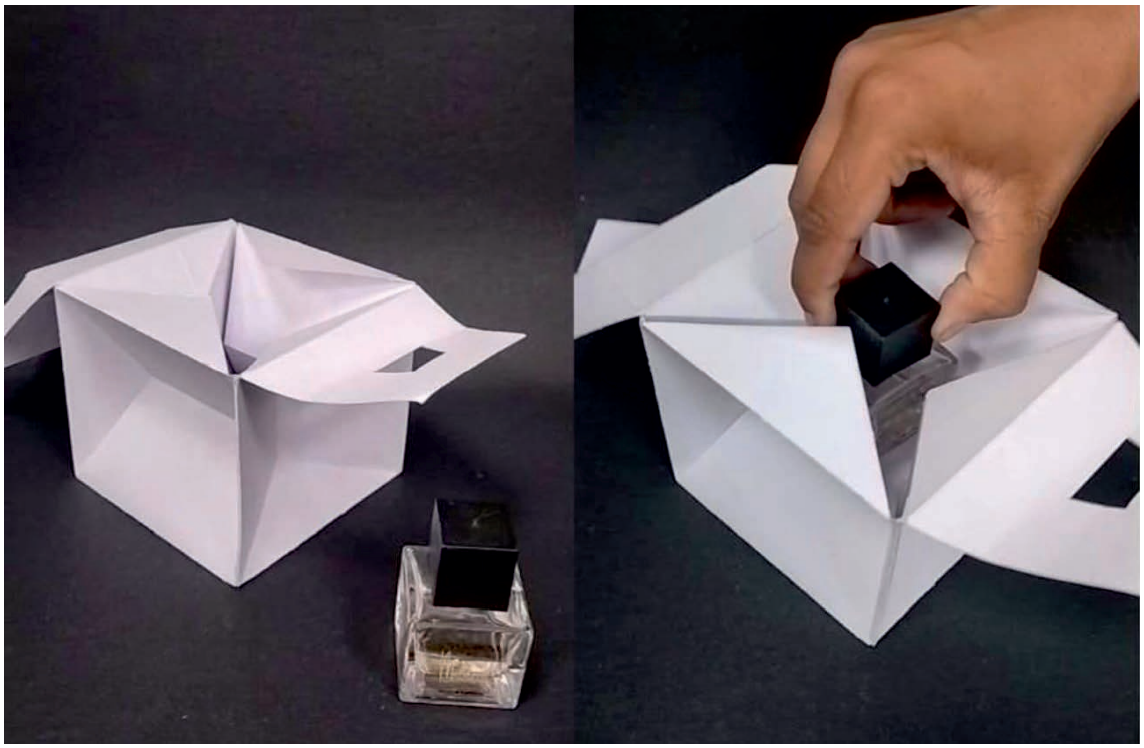

छात्रों के कार्य का दस्तावेज़ीकरण

छात्रों का शोध कार्य (बैच 22-23 फाउंडेशन स्टडीज) शीर्षक 'BUNI-YAAD' भाग I और II का दस्तावेज़ीकरण

सुश्री अदिति शर्मा (संकाय) द्वारा किया गया और उसका विमोचन 5वें संकाय फोरम के दौरान निदेशक द्वारा किया गया।

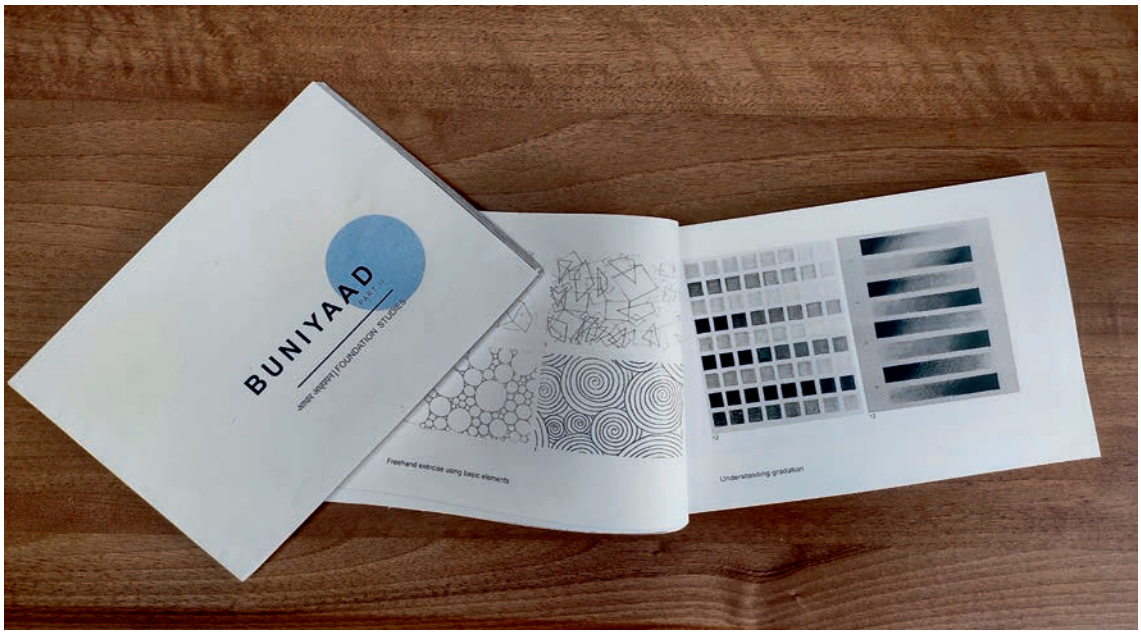

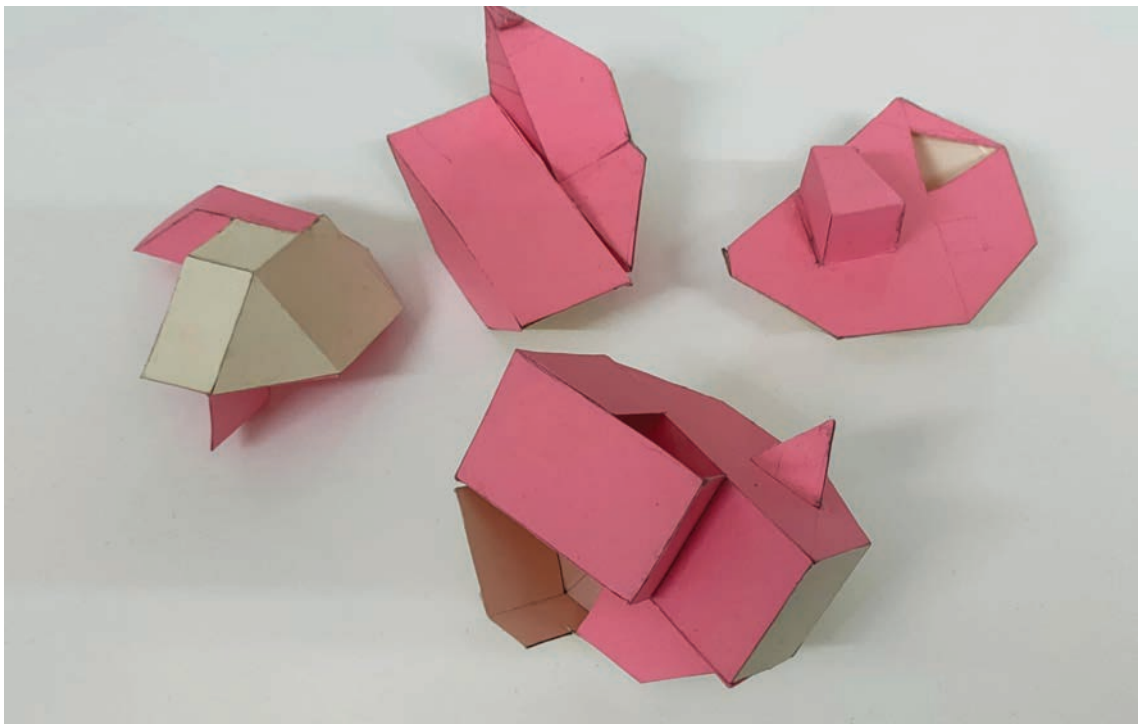

शैक्षणिक दौरे

भोपाल के जनजातीय संग्रहालय का शैक्षणिक दौरा

छात्रों को एलिमेंट्स ऑफ़ कलर्स मॉड्यूल के दौरान भोपाल के जनजातीय संग्रहालय का दौरा करने का अवसर मिला। इस दौरे का उद्देश्य रंगों, स्थानों और हम पर उनके प्रभाव का अवलोकन करना था।

जनजातीय संग्रहालय, भोपाल में फाउंडेशन वर्ष 2022-23 के बैच का अध्ययन दौरा

इस्लाम नगर किले का शैक्षणिक दौरा

बैच 2022-23 के छात्रों ने फाउंडेशन स्टडीज कोर्स के संकायों और अतिथि संकाय, श्री इरफान यू तबानी के साथ फ्रीहैंड ड्राइंग II मॉड्यूल के दौरान इस्लाम नगर किले, भोपाल का दौरा किया।

फाउंडेशन वर्ष 2022-23 के बैच का इस्लाम नगर किले का अध्ययन दौरा

अचारपुरा गांव के निवासियों का दौरा

फाउंडेशन बैच 2022-23 के छात्रों द्वारा अचारपुरा गांव के निवासियों को पर्यावरण एवं सांस्कृतिक प्रथा मॉड्यूल का प्रस्तुतीकरण देखने के लिए आमंत्रित किया गया।

निवासियों को इस बात की झलक मिली कि मॉड्यूल के दौरान छात्रों ने अचारपुरा गांव का गहन अध्ययन और शोध कैसे किया।

वेलनेस काउंसेलर के साथ विशेष सत्र

फाउंडेशन 2022-23 के छात्रों ने वेलनेस काउंसलर सुश्री सोनम चटवानी के एक विशेष सत्र में भाग लिया, जहाँ उन्होंने जूरी प्रिपेरेशन सप्ताह के दौरान तनाव से निपटने के बारे में एक संक्षिप्त ध्यानयोग में भाग लिया और पारस्परिक वार्ता की।

बुक बाइंडिंग शिल पशाला

बुक बाइंडिंग शिल पशाला का आयोजन फाउंडेशन बैच 2022-23 के छात्रों के लिए फाउंडेशन स्टडीज संकाय, सुश्री सुव्रता यादव द्वारा किया गया।

एमपीडीयू 2022 के दौरान इंस्टॉलेशन

फाउंडेशन बैच 2022-23 के छात्रों ने मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव (एमपीडीयू) 2022 के दौरान ज्यामितीय घटकों और ओरिगेमी से प्रेरित एक इंस्टॉलेशन सृजित किया गया।

जूरी पैनल के साथ इंटरेक्टिव सत्र

2022-23 के फाउंडेशन बैच के छात्रों ने सिमेस्टर II की जूरी के बाद के जूरी के सभी सदस्यों के साथ पारस्परिक वार्ता की। सत्र में अकादमिक उत्कृष्टता में मार्गदर्शन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया था।

फाउंडेशन संकाय एवं स्टाफ

सुश्री नितिका देवगन
(ज्ञानानुशायन प्रमुख – फाउंडेशन स्टडीज)

श्री अमित के. गेहलोत
(ज्ञानानुशायन सह – प्रमुख – फाउंडेशन स्टडीज)

सुश्री सुव्रता यादव
(ज्ञानानुशायन सह – प्रमुख – फाउंडेशन स्टडीज)

सुश्री अदिति शर्मा
(संकाय)

श्री राहुल मीणा
(एमटीएस)

4.2 बैचलर ऑफ डिज़ाइन (औद्योगिक डिज़ाइन)

यह कार्यक्रम ऐसे उत्पादों को डिज़ाइन करने की सक्षमता विकसित करने पर केंद्रित है जो न केवल सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन हों बल्कि कार्यात्मक, सुरक्षित और टिकाऊ भी हों। औद्योगिक डिज़ाइन कार्यक्रम में कई तरह के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसकी पाठ्यचर्या को इस प्रकार रूपरेखा दी गई है कि छात्रों को डिजाइन प्रक्रिया की समग्र समझ प्राप्त होगी, वे पर्यावरणीय प्रभाव एवं विनिर्माण व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए ऐसे नवोन्मेषी उत्पाद, जो उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं की पूर्ति करें, डिज़ाइन करने हेतु अपेक्षित कौशलों के साथ समर्थ हो जाएंगे। कार्यक्रम सैद्धांतिकीय, व्यावहारिक और शोध-आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण का मिश्रण प्रदान करता है, जिससे छात्रों को उद्योग भागीदारों के साथ परियोजनाओं के माध्यम से और सहयोग के माध्यम से वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

अभिविन्यास कार्यक्रम

दो दिवसीय कार्यक्रम में ज्ञानानुशासन प्रमुख (औद्योगिक डिज़ाइन) द्वारा तीसरे सिमेस्टर के छात्रों के अभिविन्यास के लिए एक स्वागत संबोधन दिया गया।

इसके बाद नए तीसरे सिमेस्टर बैच को औद्योगिक डिज़ाइन संकाय टीम और शिल्पशाला कर्मचारियों से परिचित कराया गया। तदुपरांत संकाय सदस्यों और शिल्पशाला कर्मचारियों के साथ एक छोटा सा इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया।

सिमेस्टर के लिए जूरी

सिमेस्टर एंड जूरी का आयोजन बाह्य और आंतरिक जूरी सदस्यों द्वारा किया गया।

छात्रों के शोध कार्य

औद्योगिकी डिजाइन ज्ञानानुशासन के चयनित छात्रों के शोध कार्य एवं प्रोसेस इमेज

सिमेस्टर III, IV, V, VI, VII, VIII (स्नातक परियोजनाएं)

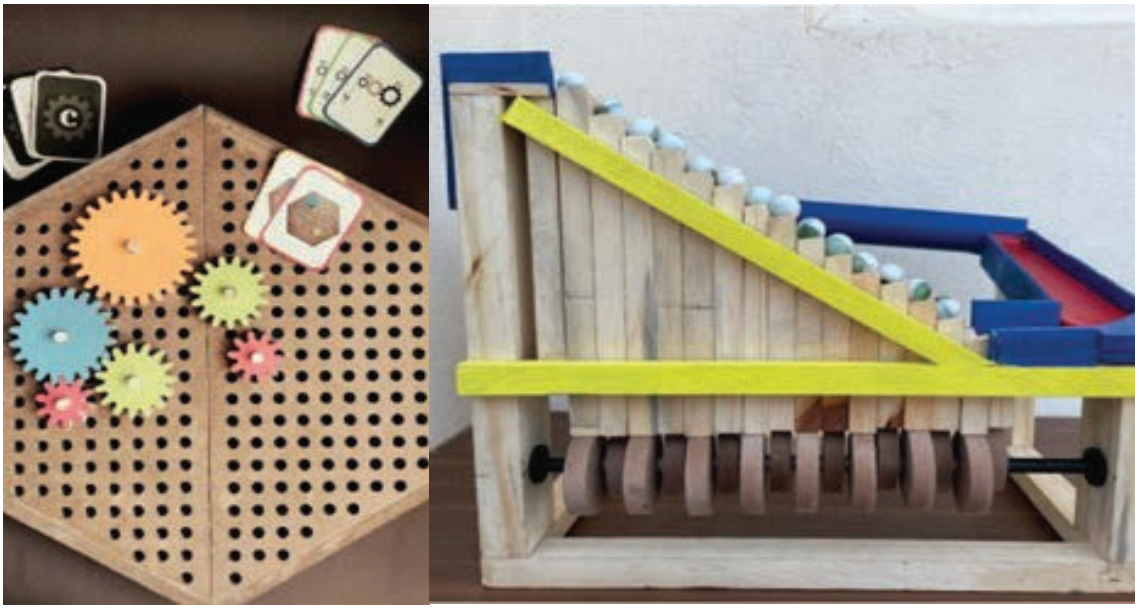

गति निर्देशित यांत्रिक खिलौना मॉड्यूल से छात्रों द्वारा किया गया कार्य (प्रोटोटाइप का विकास)

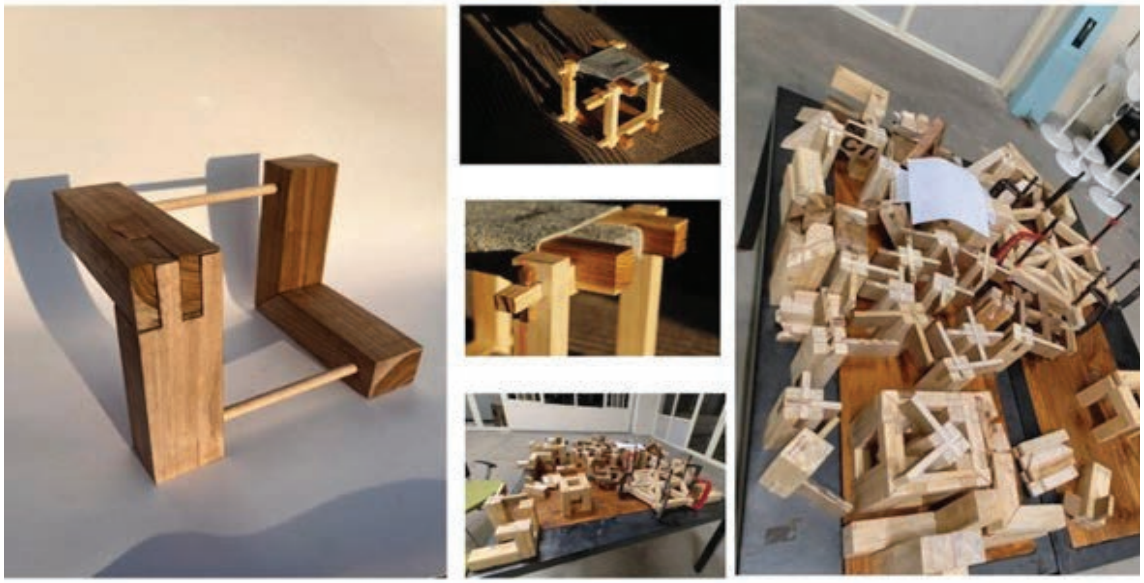

ज्वॉइनिरी मॉड्यूल में छात्रों द्वारा कार्य

फर्नीचर प्रोडक्ट डिज़ाइन (डिज़ाइन प्रोजेक्ट) मॉड्यूल से छात्रों द्वारा किया गया कार्य

डिज़ाइन प्रोजेक्ट मॉड्यूल से छात्रों द्वारा किया गया कार्य

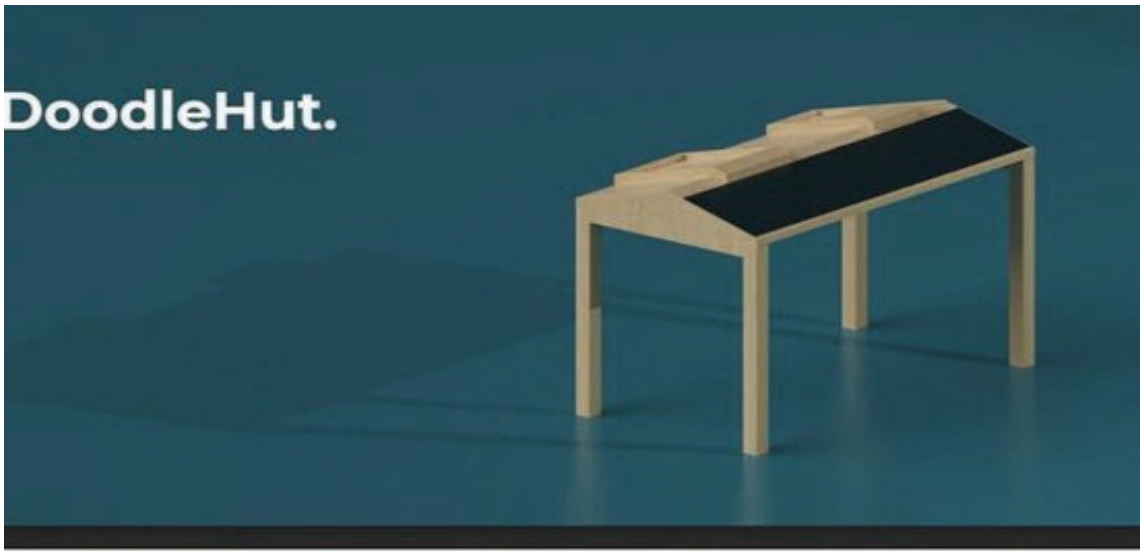

PROPOSED MATERIAL

Components	Proposed material	Function	Quantity	Rates	Dimensions	Requirement	Cost	Cost Total %
Top	plywood	primary	2	42/sq ft	2346cm^2	2.5sq ft	210	23.46
Truss	plywood	secondary	2	42/sq ft	260 cm^2	0.28sq ft	23.52	2.62
Legs	pine wood	primary	4	650 / m^3	0.00768cm^3	0.27cu ft	175.5	19.54
Removable crayon holder	plywood	secondary	1	42/sq ft	551cm^2	0.59sq ft	24.78	2.76
Removable papers holder	plywood	secondary	1	42/sq ft	836cm^2	0.899sq ft	37.8	4.22
Dowels	wooden	primary	16	0.25			4	0.44
Laminate	Sunmica	secondary	9	45/ sq ft			406	45.33
Chalkboard laminate	Sunmica	secondary	1	370/piece	111.2cm^2	0.12sq ft	13.8	1.54
Total							895.46	

वैल्यू इंजीनियरिंग मॉड्यूल से छात्रों द्वारा कार्य

प्रकृति प्रेरित डिज़ाइन (बायोमिमिक्री) मॉड्यूल से छात्रों द्वारा किया गया कार्य

संसखा वर्कबेंच
डिज़ाइन रजिस्ट्रेशन

VINAYA SHIDORE

ट्रांसक्विलाइजर डार्ट
डिज़ाइन पेटेंट

ASHWITH DASARI

शौचालय कुर्सी
डिज़ाइन रजिस्ट्रेशन

RISHIKA JAIN

मॉड्यूल बायोमिमिक्री और प्रोडक्ट डिज़ाइन से छात्रों के कोर्स वर्क ने डिज़ाइन पेटेंट एवं डिज़ाइन रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुआ।

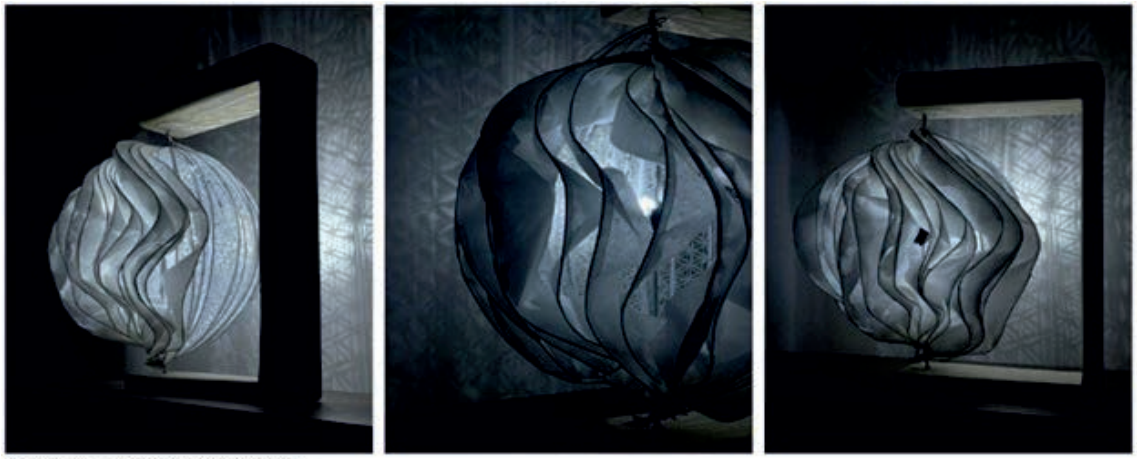

Malvika Behere & Kaveri Khandelwal

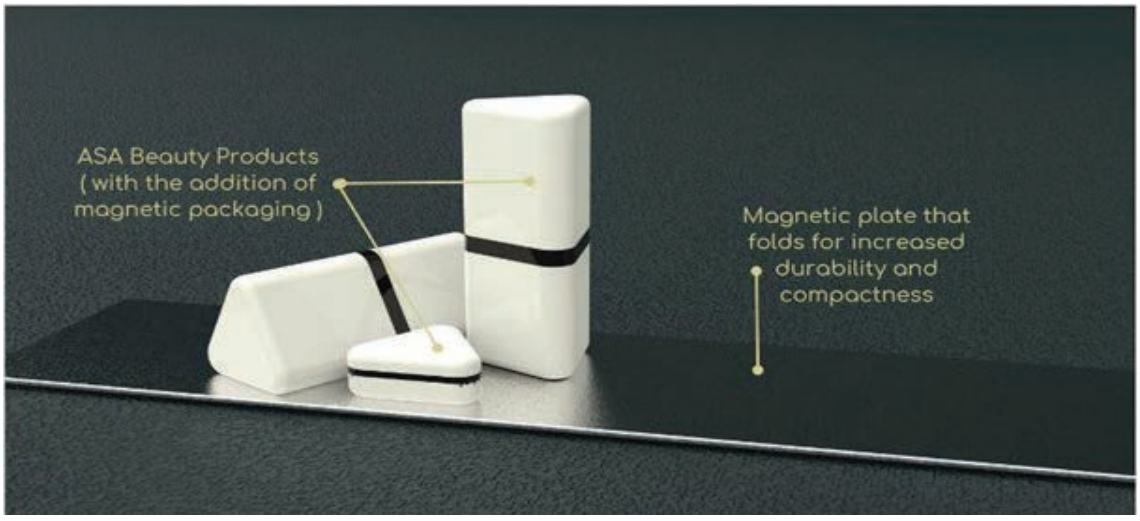

पैकेजिंग डिज़ाइन मॉड्यूल से छात्रों का शोध कार्य

सिमेस्टर के लिए जूरी

सिमेस्टर एंड जूरी का आयोजन बाह्य एवं आंतरिक जूरी सदस्यों द्वारा किया गया।

आंतरिक जूरी सदस्य

श्री राहुल साहनी
श्री अनिल कुमार भास्कर
सुश्री शिखा अग्रवाल
डॉ. राकेश विधाते
श्री अमित कुमार गहलोत
सुश्री नीतिका देवगन

बाह्य जूरी सदस्य

प्रो. रवि मोकाशी पुणेकर
प्रो. सुप्रदीप दास
श्री ब्रजेंद्र पांडा
सुश्री विनीता रथ
श्री अर्पित अग्रवाल
श्री जगन मुरुगन
श्री प्रभात तिवारी
श्री शेखर भट्टाचार्य
श्री सुधीर भाटिया

जूरी सदस्य विभिन्न क्षेत्रों से होते हैं, जिनमें शिक्षा, उद्योग और शोधकर्ता शामिल हैं।

जूरी का कार्य प्रगति में

उद्योग विशेषज्ञों और अतिथि संकाय का दौरा

औद्योगिक डिज़ाइन संकाय कई विशेषज्ञों और अतिथि संकाय को आमंत्रित करता है, जिनके पास विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में विविध अनुभव होता है।

आईडी छात्रों के साथ कार्य करने वाले विशेषज्ञों और अतिथि संकाय की सूची इस प्रकार है:

प्रो. उर्मी आर साल्वे
सुश्री अल्पी जैन
श्री जगन मुरुगन
सुश्री रश्मि मलिक
सुश्री इंदु एल हरिकुमार
श्री सिद्धेश वज़े
श्री राजू कुमार
प्रो. देब कुमार चक्रवर्ती
श्री रजत नामदेव पाटले
श्री शरद चौहान
श्री ब्रजेंद्र नंदन पांडा
श्री सुदेश मोरे
डॉ. सौरभ सिंगनपल्ली
श्री चैतन्य सोलंकी
डॉ. शर्मिला सिन्हा
सुश्री आशा रावत
श्री दुर्गेश पवार
सुश्री अंजनी कुमार
श्री गगन खन्ना श्री सुकांता कुंडू

छात्रों के साथ विशेषज्ञ सत्र प्रगति में

औद्योगिक डिज़ाइन द्वारा प्राप्त उपलब्धियां

छात्रों के शोध कार्य

अंतिम सिद्धांत - आश्रय से परिचय

आश्रय (यह परिवहन में सुगम - स्थापित करने में आसान - शणार्थी शिविर के लिए एकांकी समाधान है)

आईडी से टुमारो लैब विनर

अकादमिक दौरे

छात्रों को उद्योगों में दौरा करने का अवसर प्राप्त हुआ।

सीआईपीईटी, भोपाल में अध्ययन दौरा

औद्योगिक डिज़ाइन संकाय एवं स्टाफ

श्री राहुल साहनी
(ज्ञानानुशासन प्रमुख – औद्योगिक डिज़ाइन)

सुश्री शिखा अग्रवाल
(ज्ञानानुशासन सह-प्रमुख – चौथा वर्ष)

श्री अनिल कुमार भास्कर
(ज्ञानानुशासन सह-प्रमुख – चौथा वर्ष)

डॉ. राकेश केशवराव विधाते
(ज्ञानानुशासन सह-प्रमुख – दूसरा वर्ष)

डॉ. श्रीमती सुकन्या बोर साइकिया
(एसोसिएट वरिष्ठ संकाय)

श्री मनोज पंवार
(एसोसिएट वरिष्ठ तकनीकी अनुदेशक)

श्री शेलेन्द्र ओझा
(तकनीकी अनुदेशक)

श्री आशीष पाल
(एम टी एस)

4.3 बैचलर ऑफ डिज़ाइन (संचार डिज़ाइन)

संचार डिज़ाइन (सी डी) कार्यक्रम छात्रों को मजबूत तकनीकी, रचनात्मक और सहयोगात मक कौशल प्रदान करके संचार डिज़ाइन के क्षेत्र में उभरते और प्रौद्योगिकीय मांग वाले व्यवसायों में योगदान देने के लिए तैयार करता है। यह कार्यक्रम इस ज्ञानानुशासन के व्यापक परिदृश य के भीतर निहित अत्यधिक विविधता से निपटता है। छात्र संचार डिज़ाइन के विभिन्न क्षेत्रों में जटिल समस्याओं को हल करने के लिए रचनात्मक परिणाम प्राप् त करने हेतु स् वयं में वैचारिक, सौंदर्य और तकनीकी कौशल विकसित करते हैं।

कार्यक्रम जटिल मुद्दों को दृष्टिगत रूप से संप्रेषित करने के बारे में शिक्षण प्रदान करता है, जो छात्रों के विचारों और कार्यों को प्रभावित करेगा। शिक्षार्थी को विभिन्न स्टूडियो/लैब असाइनमेंट के माध्यम से इस विस्तृत क्षेत्र के विभिन्न उप-डोमेन से अवगत कराया जाता है, और वह सांस्कृतिक, सामाजिक, पारिस्थितिक और आर्थिक संदर्भ में कन् टेंट को समझना सीखता है। छात्रों को बहुआयामी संदेश और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य करने और परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

डिज़ाइन रिसर्च एवं मैथडोलॉजी कोर्स में छात्र

अतिथि संकाय के साथ चलचित्रकी शिल पशाला

संचार डिज़ाइन स टूडियो में मुद्रण कला (टाइपोग्राफी) की प्रदर्शनी

फोटोग्राफी पाठ्यक्रम से परिचय पर प्रस्तुतीकरण

सीडी बैच 2021-25 के छात्र डिज़ाइन थॉट्स एण्ड डिसकोर्स का शिक्षण प्राप्त करते हुए

सीडी बैच 2019-23 के छात्र विजुअल डिज़ाइन के बारे में शिक्षण प्राप् त करते हुए

छात्रों के शोध कार्य का प्रस् तुतीकरण

छात्रों के शोध कार्य का प्रस्तुतीकरण

उद्योग विशेषज्ञ और अतिथि संकाय का दौरा

संचार डिज़ाइन टीम कई विशेषज्ञों, अतिथि संकाय, शिल्पकार/कारीगरों को आमंत्रित करती है, जिनके पास विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में विविध अनुभव होता है।

अनुबंधित विशेषज्ञों और अतिथि संकाय की सूची:

श्री राजेश जी ठाकरे	श्री संदीप बिस्वास	श्री शिरसेन्दु घोष	सुश्री मिलन ट्रेस जॉन
श्री प्रहलाद गोपकुमार	श्री करमबीर सिंह रोहिल्ला	श्री वी रघु राम	श्री शोभन शाह
सुश्री हर्षा अंदुकुरी	श्री उत्सव शर्मा	श्री प्रोसेन जीत गांगुली	श्री पीयूष अग्रवाल
श्री शोभम एस	सुश्री प्रियंका छाबड़ा	श्री लालोन	सुश्री सुमिता सरकार
सुश्री मैथिली मराट	श्री आकाश गौर	श्री ट्रॉय वसंत	श्री गगन खन्ना
अनूप			श्री अंकित

संचार डिज़ाइन संकाय और कर्मचारी

श्री प्रमोद कुमार मार्शल
(संयुक्त वरिष्ठ यंकाय एवं ज्ञानानुशासन प्रमुख सीडी)

सुश्री सेतु शर्मा
(संकाय)

श्री वैभव पाठक
(संयुक्त वरिष्ठ तकनीकी अनुदेशक)

श्री शुभम राजपुत
(तकनीकी साहायक)

श्री आकाश
एमटीएस (सहायी कर्मचारी)

4.4 बैचलर ऑफ डिज़ाइन (कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन)

यह कार्यक्रम कपड़ा, फैशन, लाइफस्टाइल और इंटीरियर डिज़ाइन क्षेत्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में कई तरह के विषय शामिल हैं, जो कपड़ा उत्पाद विकास और परिधान डिज़ाइन, दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता, उद्योग का ज्ञान, स्थिरता और नैतिक प्रथाओं को एकीकृत करके, छात्रों को गतिशील और विकसित वैश्विक परिदृश्य से कदम मिलाने में सक्षम किया जाता है।

कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन ज्ञानानुशासन एक गतिशील हब है जहाँ रचनात्मकता, शिल्प कौशल और संधारणीयता एक साथ अभिसरित होती है। छात्रों को गहन और विस्तृत शिक्षा मिलती है, जो उन्हें लगातार विकसित हो रहे कपड़ा एवं परिधान उद्योग में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करती है। कार्यक्रम के मूल में रचनात्मकता पोषित होती है। छात्रों को नवोन्मेषी तरीके से सोचने और पारंपरिक मानदंडों के अनुरूप प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करके कार्यक्रम की सीमाओं को विस्तारित करना है। कपड़ा विकास और परिधान निर्माण प्रौद्योगिकी में एक ठोस आधार के साथ शिल्प कौशल और तकनीकी विशेषज्ञता पर जोर दिया जाता है। कपड़े के गुणधर्मों, रंगाई और छपाई की तकनीकों, और सतह की सजावट की गहन खोज इन जटिल प्रक्रियाओं की गहन समझ सुनिश्चित करती है। गारमेंट का निर्माण, पैटर्न बनाने और ड्रेपिंग की महारत हासिल करने के उपरांत छात्रों को अपने रचनात्मक दृष्टिकोण को बेहतरीन ढंग से तैयार किए गए कपड़ा-आधारित उत्पादों और परिधानों में रूपांतरित करने में सक्षम बनाती है।

संधारणीयता और नैतिक प्रथाएं विभाग की फिलोस्फी के लिए मौलिक हैं। पर्यावरण और सामाजिक जिम्मेदारी को पाठ्यचर्या में सहजता से एकीकृत किया गया है, पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों, रीसाइक्लिंग तकनीकों और जिम्मेदार उत्पादन विधियों के बारे में जागरुकता बढ़ाई जाती है। छात्रों को अपने डिजाइनों के जीवनचक्र का गंभीरता से आकलन करने और कचरे को कम करने के लिए नवोन्मेषी तरीकों का पता लगाने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे उद्योग के पारिस्थितिकी प्रभाव को कम किया जा सके।

यह कार्यक्रम उद्योग की भागीदारी को बढ़ावा देता है, छात्रों को प्रतिष्ठित कपड़ा और परिधान कंपनियों के साथ सहयोग व कोलाब्रेशन करने के अवसर प्रदान करता है। उद्योग के व्यावसायिक अपनी विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि को साझा करते हैं, छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रदान करते हैं और क्षेत्र के भीतर संबंध स्थापित करते हैं। इंटर्नशिप, उद्योग परियोजनाएं और नेटवर्किंग के अवसर उद्योग के लिए उनकी तत्परता को और अधिक बढ़ाते हैं।

उद्योग विशेषज्ञ और अतिथि संकाय का दौरा

कपड़ा और परिधान डिज़ाइन टीम कई विशेषज्ञों, अतिथि संकाय, शिल्पकार/कारीगरों को आमंत्रित करती है, जिनके पास विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में विविध अनुभव होता है।

विशेषज्ञों और अतिथि संकाय की सूची निम्न प्रकार है:

श्री शैलेंद्र साठे
श्री तुषार भारतीय
सुश्री रिंकी संभानी
श्री देबोज्योति गांगुली
श्री दुष्यंत पंवार
श्री संजय मिस्किन
सुश्री शकुंतला मरंडी
श्री अमित चोटरानी
श्री अमन माहेश्वरी
श्री एहतेशाम मुद्दीन (शिल्पकार)
सुश्री ज्योति पाल
डॉ. विशाल चंद्रकांत भांड
सुश्री आशा रावत
श्री अरविंद नामदेव (शिल्पकार)
श्री संजय भट्ट (कठपुतली कारीगर)
सुश्री सानिका पिंपले
सुश्री सपना वेदुला
सुश्री स्वाति व्यास
सुश्री मैथिली मयूर वाला
श्री सौरेंदु दास
श्री राजेश बिजरोनिया
श्री रवि चौधरी
श्री अमरीश साही

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए चयनित छात्रों के शोध कार्य

छात्रों के शोध कार्य को जूरी में प्रदर्शित किया गया

छात्रों के शोध कार्य को जूरी में प्रदर्शित किया गया

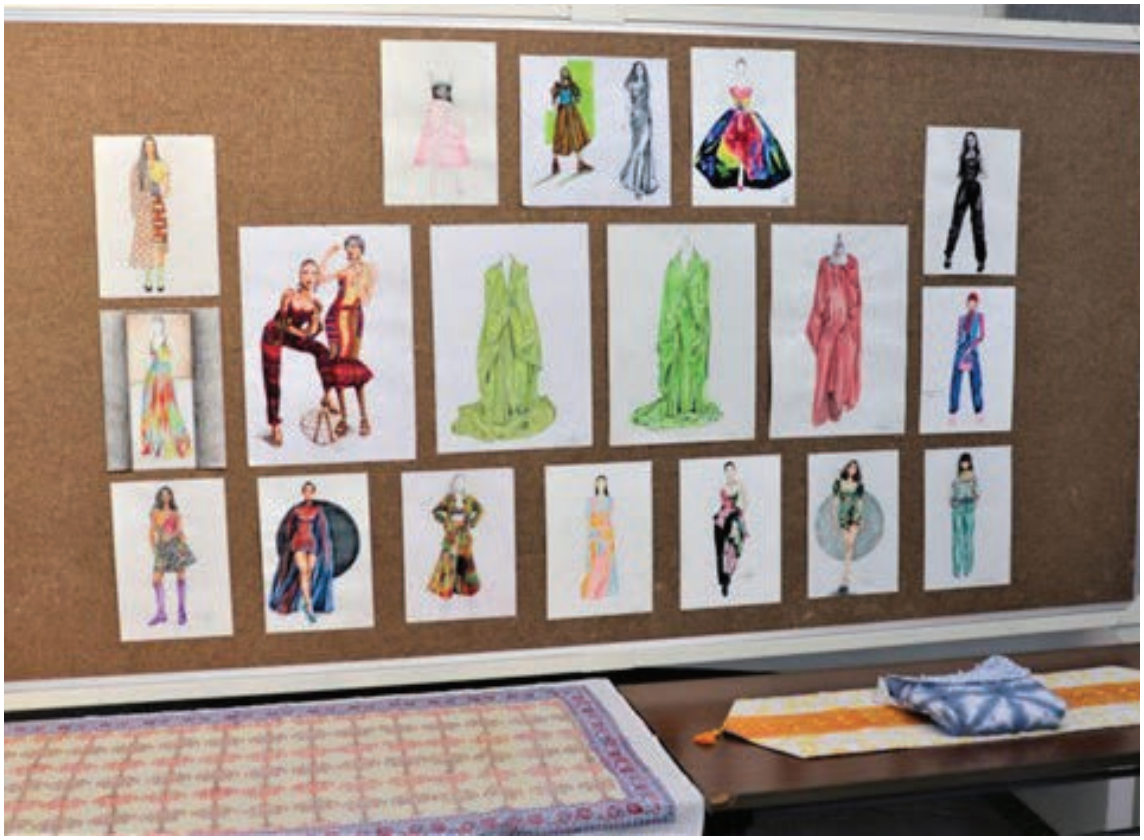

छात्रों के शोध कार्य को जूरी में प्रदर्शित किया गया

छात्रों के शोध कार्य को कपड़ा (गारमेंट) निर्माण प्रयोगशाला में प्रदर्शित किया गया

छात्रों के ब लॉक प्रिंट शोध कार्य को टीएडी शिल पशाला में प्रदर्शित किया गया

गारमेंट निर्माण प्रयोगशाला में छात्रों द्वारा प्रदर्शित गतिविधियां

टीएडी शिल्पशाला में छात्रों द्वारा बुनाई

विजुअल मर्कन्डाइज एवं विंडो डिस्प्ले मॉड्यूल के लिए छात्रों का शोध कार्य

टीएडी ज्ञानानुशासन की 2022-23 में उपलब्धियां

टीएडी कार्यशालाएं

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश के कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन शाखा ने ज्ञानानुशासन समन्वयक, टीएडी की सुश्री ज्योति पाल द्वारा सुझाए गए साप्ताहिक टीएडी कार्यशाला की पहल की है। सुश्री ज्योति पाल, सुश्री लुबना सैफी, सुश्री सोनल वंजारे, डॉ. शबरीधरन और श्री पिंटू प्रताप (टीम टीएडी) की सहयोगात्मक चर्चा के बाद, यह निर्णय लिया गया कि इन कार्यशालाओं को साप् ताहिक आधार पर आयोजित किया जाए ताकि वे उपलब्ध संसाधनों का कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें तथा उन सभी छात्रों, जो कपड़ा और परिधान डिज़ाइन से संबंधित नए कौशल सीखने में रुचि रखते हैं, के बीच ज्ञान को साझा कर सकें। विभिन्न बुनाई, छपाई प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए, डॉ. शबरीधरन, श्री पिंटू प्रताप सिंह और श्री राजेंद्र विश्वकर्मा ने सभी उत्साही लोगों को आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करते हुए इसे संभव बनाने के लिए कुशलतापूर्वक कार्य किया है।

बुनाई कार्यशाला

हस्तवेल, जो कि एक शिल् पशाला है, ने हथकरघा के बारे में, हथकरघा के विभिन्न भागों, बुनाई में शामिल विभिन्न चरणों, प्रत्येक भाग के उपयोग और विभिन्न प्रकार की बुनाई के निर्माण की बुनियादी समझ प्रदान की।
डॉ. शबरीधरन ने एक प्रस्तुति दी और उत्साही छात्रों को हथकरघा के भागों, जैसे कि हील्ड शाफ्ट, हील्ड वायर/आई, स्ले, शटल, शटल बॉक्स, रीड, पिकर, वार्प बीम, बैक बीम, क्लॉथ बीम, आदि और शेडिंग, पिकिंग एवं बीट-अप जैसे चरणों के बारे में जानकारी दी। श्री पिंटू प्रताप सिंह ने सादी बुनाई प्रक्रियाओं का प्रदर्शन दिखाया। उत्साही छात्रों ने इस अवसर का लाभ उठाया और उन होंने सादी बुनाई का उपयोग करके फैब्रिक बनाना सीखा। इसके बाद उन होंने ट्विल बुनाई, हेरिंगबोन बुनाई, साटन बुनाई आदि के साथ अन्वेषण किया।

श्री पिंटु बुनाई की प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करते हुए

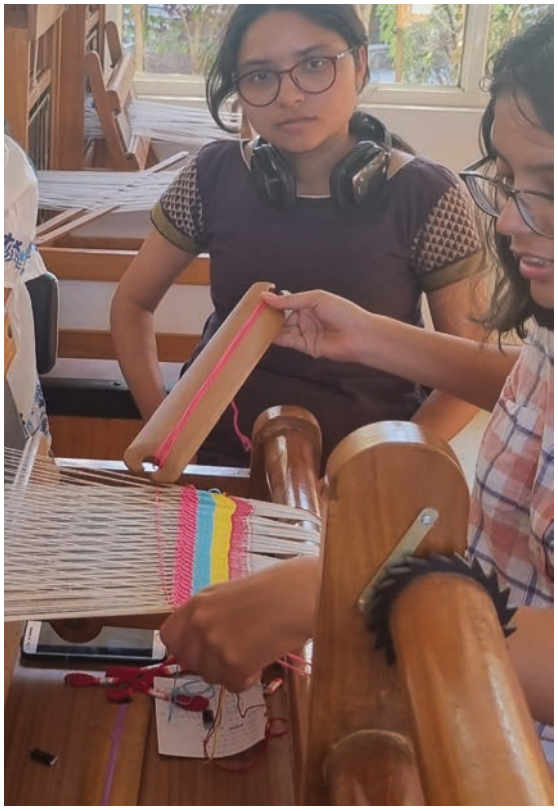

छात्र बुनाई तकनीकों को प्रदर्शित करते हुए

ब्लॉक प्रिंटिंग कार्यशाला

कार्यशाला में छात्रों को चाप, हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग कार्यशाला में रंग, ब्लॉक प्रिंटिंग में प्रयुक्त रंगों के प्रकार, मॉडरेंट (बाइंडिंग पेस्ट) का प्रयोग करके रंग बनाने और सम्मिश्रण प्रक्रिया, ब्लॉक बनाने के लिए काष्ठ अर्थात लकड़ी का चयन करने, काष्ठ के ब्लॉक तैयार करना, आधुनिक समय में प्रतिस्थापन के रूप में जूट गाज अर्थात महीन रेशमी कपड़ा (जिसे पारंपरिक रूप से प्रयोग किया जाता है) या फोम शीट (स्पंज) का प्रयोग करना, प्रिंटिंग बेड तैयार करना, हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग की मूल प्रक्रिया, बॉर्डर और रिपीट बनाना, आदि की बुनियादी समझ प्रदान की गई।
डॉ. शबरीधरन ने एक प्रस्तुति दी और उत्साही छात्रों को पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। श्री पिंटू प्रताप सिंह ने हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग की प्रक्रियाओं का प्रदर्शन दिखाया। उत्साही छात्रों ने इस अवसर का लाभ उठाया और विभिन्न ब्लॉकों का उपयोग करके प्रिंट बनाना सीखा, इसके बाद बॉर्डर बनाने, डिज़ाइन रिपीट आदि के साथ अन्वेषण किया।

ब्लॉक प्रिंटिंग पर उत्सुक छात्र व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हुए

रंगाई कार्यशाला (डाइंग वर्कशॉप)

इस कार्यशाला ने छात्रों को रंग, रंगाई के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के रंगों, यथा एसिडिक डाई डायरेक्ट डाई, वैट डाई, सल्फर डाई, रिएक्टिव डाई, डिस्पर्स डाई, बेसिक डाई, आदि; मॉडरेंट/फिक्सिंग एजेंट के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के रसायनों, जैसे कि Nacl या सोडा ऐश, रंग बनाना, बैलेंस स्केल का प्रयोग करना, मिश्रण अनुपात, मिश्रण प्रक्रिया की गणनाओं और लैब डाइंग मशीन का प्रयोग करके रंगाई प्रक्रिया के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई। डॉ. शबरीधरन ने एक व्याख्यान दिया और उत्साही छात्रों को पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। श्री पिंटू प्रताप सिंह ने रंगाई की प्रक्रियाओं को प्रदर्शित किया। उत्साही छात्रों ने इस अवसर का लाभ उठाया और विभिन्न प्रकार के रंगों की रंगाइयों का प्रयोग करके कपड़े को रंगना सीखा, इसके बाद रंगों के साथ अन्वेषण किया।

छात्रों के लिए प्रक्रम (प्रोसेस) का प्रदर्शन

एमपीडीयू 2022, टीएडी छात्रों द्वारा फैशन शो

टीएडी कार्यशाला

कार्यशाला में एम्ब्रॉयडरी मशीन, टेबलटॉप लूम, जैक्वार्ड लूम, ब्लॉक प्रिंटिंग टेबल, स्क्रीन प्रिंटिंग टेबल, स्क्रीन फ्रेम, स्क्रीन एक्सपोज़िंग मशीन, क्योरिंग मशीन, स्टीमिंग मशीन, नवीनतम सिलाई मशीन, ओवर-लॉक सिलाई मशीन, पैटर्न मेकिंग टेबल, जीएसएम कटर, बेस्ली बैलेंस, इलेक्ट्रॉनिक ट्विस्ट टेस्टर, ईपीआई एवं पीपीआई काउंटर, एनालिटिकल बैलेंस, ट्रांसफर प्रिंटिंग मशीन, वैक्यूम आयरन टेबल, स्टैंडिंग स्टीम आयरन, फ़्रीज़, वॉशिंग मशीन और अलग-अलग साइज़ के ड्रेस फॉर्म जैसी मशीनें हैं। कपड़ा कार्यशाला में, छात्र एनालॉग से डिजिटल तक पूरे पैलेट पर कार्य कर सकते हैं तथा बुनाई और प्रिंटिंग के क्लासिक टेक्सटाइल यंत्रों से संबंधित ज्ञानानुशासनों व शाखाओं से लेकर आधुनिक वास्तुशिल्प सामग्री तक धीरे-धीरे शिक्षण प्राप्त किया।

टीएडी संकाय एवं कर्मचारी

सुश्री ज्योति पाल
ज्ञनानुशासन समन्वयक टीएडी

डॉ. शेखर चटर्जी
वरिष्ठ संकाय

सुश्री लुबना सैफी
संकाय

सुश्री सोनल वनजारे
संकाय

डॉ. शबरीधरन
प्रधान तकनीकी अनुदेशक

श्री पिंटु प्रताप सिंह
तकनीकी अनुदेशक

श्री राजेन्द्र विश्वकर्मा
एमटीएस (सहायी कर्मचारी)

4.5 गुणवत्ता प्रबंधन

रा.डि.सं. म. प्र. गुणवत्ता प्रबंधन पर बहुत ज़ोर देता है, जिसके लिए हम हमारी प्रक्रियाओं में उच्चतम मानकों को कायम रखने के लिए कई तरह के उपायों और विधियों का प्रयोग करता है। हमारी गुणवत्ता प्रणाली आवश्यक संरचनाएँ स्थापित करती है, प्रक्रियाओं को परिभाषित करती है, और उच्च-गुणवत्ता के परिचालनों के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए ज़िम्मेदारियाँ सौंपती है। इसमें प्रक्रियाएँ, दिशा-निर्देश, फ़ीडबैक तंत्र और मौजूदा तंत्र को बढ़ाने के लिए एक फ्रेमवर्क सन्निहित है - सभी का उद्देश्य अकादमिक उत्कृष्टता की प्रदायगी व परिदेय में निरंतरता अथवा स्थिरता को बढ़ावा देना है।

गुणवत्ता प्रबंधन के लिए हमारे दृष्टिकोण के आधार में निरंतर सुधार है। रा.डि.सं. म. प्र. कार्यक्रमों को परिष्कृत करने, उद्योग की माँगों के साथ छात्रों के कौशल को बढ़ाने और संस्थान एवं उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। रा.डि.सं. म. प्र. छात्रों और कर्मचारियों दोनों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए नियमित कदम उठाते हुए संस्थान समुदाय को दक्षता बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से अवसर प्रदान करता है।

संस्थान सौर पैनल, जल पुनर्भरण गड्ढों, और सौर वॉटर हीटर का प्रयोग सहित विभिन्न पहलों व क्रियाकलापों के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देता है। पर्यावरण के प्रति जागरुकता वाली प्रथाओं में पौधों और लॉन की सिंचाई के लिए पुनर्चक्रित जल का उपयोग, बैठकों और कार्यक्रमों में पुन: उपयोग की जाने वाली पानी की बोतलों का इस्तेमाल करना, और जिम्मेदार खाद्य उपभोग को बढ़ावा देना शामिल है। एक कम्पोस्ट मशीन जैविक कचरे को मूल्यवान कम्पोस्ट में परिवर्तित करती है, जो संस्थान की हरित पहलों के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

4.6 प्रवेश

रा.डि.सं. म. प्र. 4-वर्षीय बैचलर ऑफ डिज़ाइन (बेचलर ऑफ डिज़ाइन.) कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। छात्रों को एक केंद्रीकृत डीएटी (डिज़ाइन एप्टीट्यूड टेस्ट) के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। रा.डि.सं. म. प्र. में बेचलर ऑफ डिज़ाइन कार्यक्रमों में प्रवेश डीएटी के दो चरणों में उम्मीदवार के प्रदर्शन पर आधारित है। इन परीक्षाओं का उद्देश्य उम्मीदवारों के ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक क्षमताओं का आकलन करना है। रा.डि.सं. म. प्र. में बेचलर ऑफ डिज़ाइन कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले सफल उम्मीदवारों को एक वर्ष की अवधि के अनिवार्य फाउंडेशन कार्यक्रम में भाग लेना होगा। फाउंडेशन कार्यक्रम के सफल समापन के बाद ही उम्मीदवार की योग्यता और वरीयता के आधार पर उसके पसंद के विषय का आवंटन किया जाता है।

बैचलर ऑफ डिज़ाइन प्रोग्राम में भारतीय नागरिकों के लिए आरक्षित श्रेणियों सहित सीटों की संख्या पचहत्तर (75) है।

बैचलर ऑफ डिज़ाइन प्रोग्राम में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए सीटों की संख्या ग्यारह (11) है।

विभिन्न आरक्षित श्रेणियों से संबंधित उम्मीदवारों (भारतीय नागरिकों) के लिए आरक्षित सीटों का प्रतिशत भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित किया जाता है।

बैच 2022-26 में प्रवेश दिए गए छात्रों के विवरण :

श्रेणी	**कुल सीटें**	**आवंटित/ भरी गई सीटें**
सामान्य श्रेणी	30	30
ईडब्लूएस	8	5
अन्य पिछड़ा वर्ग-एनसीएल श्रेणी	20	20
अ.जा. श्रेणी	11	11
अ.ज.जा. श्रेणी	6	1
आधिक्य (सुपरनुमेरी)*	11*	1*
कुल (* विदेशी छात्र श्रेणी सहित)	75 + 11*	67 + 1*

अंतिम चयन सीटों की उपलब्धता और प्रवेश प्रक्रिया उम्मीदवार के स्कोर पर आधारित है। यह ध्यान देने योग्य है कि प्रवेश प्रक्रिया अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है और प्रत्येक वर्ष प्रवेश के लिए केवल सीमित संख्या में छात्रों को चयनित किया जाता है। रा.डि.सं. म. प्र. में सीटों का विवरण निम्न प्रकार है:

क्र. सं.	**कार्यक्रम का नाम**	**सीटें (शैक्ष. वर्ष 2022 - 23)**
1	बेचलर ऑफ डिज़ाइन (औद्योगिक डिज़ाइन)	25 + 4* (आधिक्य सीटें)
2	बेचलर ऑफ डिज़ाइन (संचार डिज़ाइन)	25 + 4* (आधिक्य सीटें)
3	बेचलर ऑफ डिज़ाइन (कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन)	25 + 3* (आधिक्य सीटें)

छात्रों को प्रथम वर्ष में एक सामान्य फाउंडेशन अध्ययन कार्यक्रम से गुजरना होता है। इस कार्यक्रम के सफल समापन पर, छात्रों को प्रथम वर्ष के दौरान उनके प्रदर्शन और उनकी चुनी हुई प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए ज्ञानानुशासन व शाखा आवंटित की जाएगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य दुनियाभर के छात्रों का स्वागत कर अधिक संख्या में विविध छात्र निकाय को बढ़ावा देना और समावेशिता को बढ़ावा देना है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों से विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक विविधता में योगदान करने, वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करने और सभी छात्रों को तेजी से परस्पर जुड़े वैश्विक समाज के लिए तैयार करने में सहायता करने की अपेक्षा की जाती है।

बैचलर ऑफ डिज़ाइन (बी. डिज़ा.) बैच 2021-25

वार्षिक ग्रेड प्वाइंट औसत (एजीपीए) के अनुसार मेरिट के क्रम, छात्र द्वारा चुने गए विकल्प और विभिन्न विषयों में सीटों की उपलब्धता के आधार पर, प्रत्येक वर्ष छात्रों को आवंटित विषयों में से प्रत्येक में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों का चयन किया जाता है। रा.डि.सं. म. प्र. में सीटों का विवरण नीचे दिया गया है:

औद्योगिक डिज़ाइन	25
संचार डिज़ाइन	25+1
कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन	12

About NIDMP,
"EVERY GREAT DESIGN BEGINS WITH AN EVEN BETTER STORY"
ABOUT THE EXHIBITION

CATION

5

उपलब्धियां और गतिविधियां

5.1 संबद्धन, सदस्यताएँ और एमओयू

5.1.1 सदस्यताएँ

संस्थान निम्नलिखित संघों का सदस्य है:

क्र. सं.	संगठन का नाम
i	वर्ल्ड डिज़ाइन आर्गेनाइजेशन – डब्ल्यू डी ओ
ii	कुमुलस
iii	भारतीय उद्योग संघ (राष्ट्रीय)
iv	भारतीय विश्वविद्यालय संघ
v	इंडिया हेबिटेट सेंटर

औद्योगिक क्षेत्र के साथ मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने के लिए इन संघों के नेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सार्थक वार्तालाप किए जाते हैं। निदेशक और अन्य सम्मानित संकाय सदस्य इन संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इन बैठकों के दौरान, हमारी चर्चाएँ मुख्य रूप से शिक्षाविदों और उद्योग के बीच अमूल्य सहयोग के इर्द-गिर्द घूमती हैं। हम कौशल विकास, उद्योग की ज़रूरतों के हिसाब से पाठ्यक्रम डिज़ाइन, छात्र की इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के अवसर, अनुसंधान और विकास में भागीदारी, उद्योग समर्थित परियोजनाएँ, संयुक्त कार्यक्रम और शिल्पशालाएँ जैसे विषयों पर चर्चा करते हैं।

उद्योग के साथ हमारा संबद्धन (एफिलिएशन) हमें कई गुना लाभ प्रदान करता है। यह हमें उद्योग-विशिष्ट संसाधनों, वित्तीय सहायता और महत्वपूर्ण भागीदारी तक पहुँच प्रदान करता है। इन संबद्धनों ने छात्रों को व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्रदान करने, उन्हें नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों से अपडेट रखने और उन्हें कार्यबल के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने में संस्थान की क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के साथ एमओयू

5.1.2 समझौता ज्ञापन

क. सामान्य उद्देश्य

(i) व्यावसायिक दक्षताओं के क्षेत्र में प्रत्येक संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए सूचना, आलेखों, रिपोर्टों और शिक्षण सामग्री का आदान-प्रदान करना।

(ii) दोनों संस्थानों के सदस्यों के बीच शिक्षा और अनुसंधान में संचार और सहयोग को मजबूत और प्रोत्साहित करना।

(iii) लचीले और खुले दूरस्थ शिक्षण और डिज़ाइन के क्षेत्रों में दोनों संस्थानों के अन्वेषकों के बीच संपर्क को प्रोत्साहित करना।

(iv) सहयोगात मक अनुसंधान, अध यापन, तकनीकी सहयोग, मूल्यांकन और प्रकाशन जैसी शैक्षणिक परियोजनाएं विकसित करना। मानव और तकनीकी संसाधनों, जो इन शैक्षणिक परियोजनाओं को डिज़ाइन करने और संचालित करने में योगदान देंगे, उन्हें प्रत्येक संस्थान द्वारा निर्दिष्ट किया जाएगा। साथ ही, शैक्षणिक परियोजनाओं के उत्पादों का मूल्यांकन, पर्यवेक्षण और उपयोग करने के लिए तंत्र एवं कार्रवाइयां संयुक्त रूप से स्थापित की जाएंगी।

लचीले और खुले दूरस्थ शिक्षण तथा डिज़ाइन के क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षा में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना, जिसमें शामिल हैं:

1) शोधकर्ताओं का शिक्षण और आदान-प्रदान
2) व्याख्यान, सेमिनार, संगोष्ठी, बैठकें आदि आयोजित करना
3) साझा हित की परियोजनाओं का विकास
4) दोनों संस्थानों के पारस्परिक लाभ के लिए संकाय और छात्रों का दौरा
5) संयुक्त शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना
6) अनुसंधान के संचालन में सहयोग (वित्तों को छोड़कर)

(v) विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यावसायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विशेषज्ञता और सूचना का आदान-प्रदान।

(vi) इन केंद्रों के व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देकर प्रौद्योगिकी संवर्धन केंद्रों, इनक्यूबेटरों, त्वरक और अन्य ऐसी पहलों का समर्थन करना और मध्य भारत में उद्योग को मजबूत करने के लिए ज्ञान हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करना।

ख. शोधार्थियों का आदान-प्रदान और शिक्षा सहयोग

(i) दोनों संस्थानों के शैक्षणिक कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रमों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और अन्य माध्यमों से शिक्षण व अधिगम के अवसरों को विकसित करना।

(ii) व्यावसायिक दक्षताओं को सीखने के लिए संस्थानों के बीच छात्रों की यात्राओं में सुविधा प्रदान करना, साथ ही साथ ऐच्छिकों में भाग लेना।

(iii) शिक्षण और अनुसंधान में भाग लेने के लिए समर्पित संकाय सदस्यों, व यावसायिकों और छात्रों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना।

ग. बौद्धिक संपदा, आविष्कार और नवोन्मेष

बौद्धिक संपदा (जिसमें ट्रेडमार्क और सेवा मानदंड, कॉपीराइट, पेटेंट, डिज़ाइन और इन बौद्धिक संपदाओं, आविष्कारों और नवोन्मेषों के बारे में गोपनीय जानकारी शामिल है) के टाइटल और उपयोग के संबंध में शर्तों पर परियोजना-दर-परियोजना आधार पर विशिष्ट अनुसंधान परियोजना समझौतों में बातचीत की जाएगी जो मोटे तौर पर दोनों संस्थानों की आईपीआर नीति द्वारा शासित होगी, या यदि यह किसी परियोजना में निर्दिष्ट नहीं है, तो डिफ़ॉल्ट रूप से संपत्ति संयुक्त स्वामित्व में होगी।

आईआईटी बॉम्बे के साथ समझौता ज्ञापन

क. सामान्य उद्देश्य

(i) व्यावसायिक दक्षताओं के क्षेत्र में प्रत्येक संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए सूचना, आलेखों, रिपोर्टों और शिक्षण सामग्रियों का आदान-प्रदान करना।

(ii) दोनों संस्थानों के सदस्यों के बीच शिक्षा और अनुसंधान में संचार और सहयोग को मजबूत और प्रोत्साहित करना।

(iii) इंजीनियरिंग और डिज़ाइन के क्षेत्र में दोनों संस्थानों के अन्वेषकों के बीच संपर्क को प्रोत्साहित करना।

(iv) सहयोगात्मक अनुसंधान, शिक्षण, तकनीकी सहयोग, मूल्यांकन और प्रकाशन जैसी शैक्षणिक परियोजनाएं विकसित करना। इन एसीए परियोजनाओं को डिज़ाइन करने और संचालित करने में योगदान देने वाले मानव और तकनीकी संसाधनों को प्रत्येक संस्थान द्वारा निर्दिष्ट किया जाएगा। साथ ही, शैक्षणिक परियोजनाओं के उत्पादों का मूल्यांकन, पर्यवेक्षण और उपयोग करने के लिए तंत्र संयुक्त रूप से स्थापित किया जाएगा।

(v) इंजीनियरिंग और डिज़ाइन के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना, जिसमें शामिल हैं:

1) शोधकर्ताओं का शिक्षण और आदान-प्रदान
2) व्याख्यान, सेमिनार, संगोष्ठी, बैठकें आदि आयोजित करना
3) साझा हितों की परियोजनाओं का विकास
4) दोनों संस्थानों के पारस्परिक लाभ के लिए संकाय और छात्रों का दौरा
5) संयुक्त शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना
6) अनुसंधान के संचालन में सहयोग (वित्त को छोड़कर)

(vi) विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यावसायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विशेषज्ञता और सूचना का आदान-प्रदान।

(vii) इन केंद्रों के व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देकर प्रौद्योगिकी संवर्धन केंद्रों, इनक्यूबेटरों, त्वरक और अन्य ऐसी पहलों का समर्थन करना और उद्योग को मजबूत करने के लिए ज्ञान हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करना।

ख. शोधार्थी विनिमय और शिक्षा सहयोग

(i) दोनों संस्थानों के शैक्षणिक कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रमों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और अन्य साधनों के माध्यम से सीखने के अवसरों का विकास करना।

(ii) व्यावसायिक दक्षताओं को सीखने के साथ-साथ ऐच्छिक में भाग लेने के लिए संस्थानों के बीच छात्रों के दौरे की सुविधा प्रदान करना।

(iii) शिक्षण और अनुसंधान में भाग लेने के लिए समर्पित संकाय सदस्यों, व्यावसायिकों और छात्रों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना।

ग. बौद्धिक संपदा, आविष्कार और नवोन्मेष

बौद्धिक संपदा (जिसमें ट्रेडमार्क और सेवा मानदंड, कॉपीराइट, पेटेंट, डिज़ाइन और ऐसी बौद्धिक संपदा, आविष्कार और नवोन्मेषों के विषय पर गोपनीय जानकारी शामिल है) के स्वामित्व और उपयोग के संबंध में शर्तों पर अनुच्छेद 2 में निर्दिष्ट विशिष्ट अनुसंधान परियोजना समझौतों में परियोजना-दर-परियोजना आधार पर बातचीत की जाएगी जो मोटे तौर पर दोनों संस्थानों की आईपीआर नीति द्वारा शासित होगी।

ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी के साथ समझौता ज्ञापन

(i) दोनों पक्ष नियमित संचार और संयुक्त गतिविधियों के माध्यम से लघु-स्तरीय कारीगरों और उनके समूहों की उत्पादकता और लाभप्रदता में सुधार के साझा दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में अवसरों की पहचान करने के लिए तालमेल तलाशेंगे।

(ii) जीटी भारत एलएलपी और रा.डि.सं. एमपी, जहाँ संभव हो, कारीगरों और उनके समूहों के साथ दीर्घकालिक टिकाऊ व्यवसाय मॉडल के रूप में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, डिजिटल एकीकरण, गुणवत्ता आदि के संदर्भ में तकनीकी सहायता से संबंधित विभिन्न पहलों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेंगे।

(iii) जीटी भारत एलएलपी और एमडी एमपी कारीगरों और उनके समूहों के लिए बाजार संपर्क विकसित करने में मिलकर कार्य करेंगे ताकि एक एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला बनाई जा सके जो कारीगरों और शिल्प उद्यमियों को अधिकतम लाभ दिलाने में सहायता करेगी।

(iv) दोनों पक्ष, उद्योग प्रथाओं पर प्रशिक्षण और एक्सपोजर इनपुट, सदस्यों के साथ प्रथाओं के पैकेज को साझा करने, प्राथमिक प्रसंस्करण, पैकेजिंग, लेबलिंग, वेयरहाउसिंग, मूल्य निर्धारण और विपणन सहित सदस्यों को तकनीकी मार्गदर्शन के माध्यम से शिल्पकारों और उद्यमियों की क्षमताओं का संयुक्त रूप से निर्माण करेंगे।

(v) जीटी भारत रा.डि.सं. म.प्र. के छात्रों को इंटर्नशिप, डिज़ाइन प्रोजेक्ट और डिप्लोमा प्रोजेक्ट प्रायोजित करेगा जो शिल्प समुदाय द्वारा सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए अपने संकाय और जीटी भारत टीम की करीबी निगरानी में कार्य करेंगे।

5.2 पुरस्कार एवं सम्मान

क्र. सं.	नाम	शाखा/विषय	कार्यों का विवरण	श्रेणी
1	सुश्री गायत्री रमन सुश्री रुचि शाह	आईडी	छात्र नवोन्मेष की श्रेणी के तहत जिम्मेदार पैकेजिंग के लिए सार्टिफिकेट फॉर रिकॉग्निशन	एफआईपीएसए-2022 (छात्र)
2	सुश्री रिषिका जैन, श्री पर्थ कोठारी एवं श्री रिषभ कुंडु	आईडी	टाटा द्वारा टूमोरो-रो के विजेता	टाटा स्टील द्वारा आयोजित डिज़ाइन प्रतियोगिता: नकद पुरस्कार 50,000 (छात्र)
3	सुश्री निवेदिता महाजन एवं सुश्री वेदैही संतोष पंडित, सुश्री तेजस्वी पटवारी, सुश्री रमा शहस्राबुद्धे, सुश्री प्रियतम गद्दम	आईडी एवं टीएडी	पैकेजिंग डिज़ाइन प्रतियोगिता के लिए ट्रॉफी की डिज़ाइनिंग	एफआईपीएसए

5.3 विशिष्ट आगंतुक

1. श्री अनुराग जैन, सचिव, डीपीआईआईटी ने 10 फरवरी 2023 को संस्थान का दौरा किया और संसाधन केंद्र का उद्घाटन किया।

2. सुश्री सुमिता सरकार (वरिष्ठ रा.डि.सं. भूतपूर्व छात्र और शिक्षाविद) और श्री पीयूष अग्रवाल, संस्थापक डिज़ाइन, बैंगलोर आपसी सामंजस्य व तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए 2 दिसंबर 2022 को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए।

3. डॉ. संजय पुरकर, डीन, एसकेआईटीएम तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए चल रही बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए 12 दिसंबर 2022 को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए।

4. डॉ. (श्रीमती) सी.एस. राजेश्वरी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग प्रोफेसर, प्रोफेसर आर.बी. शिवगुंडे और डॉ. अंजलि पोटनिस 13 दिसंबर 2022 को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आईं, ताकि तालमेल के संभावित क्षेत्रों का पता लगाया जा सके और एनआईटीटीटीआर एवं रा.डि.सं.एमपी के बीच हस्ताक्षर किए जाने वाले समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप दिया जा सके।

5. श्री शंकर विश्वनाथन, उपाध्यक्ष, वीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, एसपीए निदेशक डॉ. एन. श्रीधरन के साथ 7 मई 2022 को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए ताकि तालमेल के क्षेत्रों का पता लगाया जा सके।

6. श्री माइकल चब, गोस्फोर्ड, एनएसडब्ल्यू, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया से, प्रख्यात आभूषण डिज़ाइनर, एसपीए निदेशक डॉ. एन. श्रीधरन के साथ, रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए, ताकि तालमेल के क्षेत्रों का पता लगाया जा सके।

7. केरल ललितकला अकादमी के अध्यक्ष श्री मुरली चेरूट और तमिलनाडु से वेलाम्मल एजुकेशनल ग्रुप के श्री श्रीनाथ 11 मई 2022 को तालमेल की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए।

8. मंडीदीप इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजीव अग्रवाल, मंडीदीप इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के तकनीकी प्रमुख श्री सोमिल जैन और ड्रम्ज़ सिस्टम इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख श्री सुदेश मोरे के साथ 28 जून 2022 को रा.डि.सं. म.प्र. के निदेशक से मिलने आए।

9. डॉ. नितिन राणे, कुलपति, अवंतिका विश्वविद्यालय, डॉ. प्रिया राव (डीन एक्सटर्नल अफेयर) डिज़ाइन के एक एसोसिएट प्रोफेसर के साथ 6 जुलाई 2022 को संभावित तालमेल के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए निदेशक रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आए।

10. श्री पराग अमोदकर, वरिष्ठ प्रबंधक TOBII AB (भारतीय उपमहाद्वीप क्षेत्र) 21 सितंबर, 2022 को निदेशक रा.डि.सं. म.प्र. से मिलने आए।

11. श्री सुदीप अंबारे, डी. प्रबंधक - अनुसंधान और स्टार्टअप, अंतर्राष्ट्रीय ऑटोमोबाइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (iACE) गांधीनगर, गुजरात, भारत संभावित सहयोग के लिए 5 जुलाई 2022 को प्रोफेसर धीरज कुमार (निदेशक) से मिलने आए।

12. डॉ. चंद्र चारु त्रिपाठी (निदेशक एनआईटीटीआर भोपाल) संभावित तालमेल के क्षेत्रों का पता लगाने के लिए 18 अक्टूबर 2022 को निदेशक से मिलने आए।

13. प्रो. संगीता श्रॉफ (निदेशक, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में डिज़ाइन संस्थान) ने 21 अक्टूबर 2022 को परिसर का दौरा किया और संकायों के साथ बातचीत की।

श्री अनुराग जैन, सचिव, डीपीआईआईटी का स्वागत

श्री अनुराग जैन, सचिव, डीपीआईआईटी द्वारा संसाधन केंद्र का उद्घाटन

संस्थान में अपने दौरे के दौरान श्री अनुराग जैन, सचिव, डीपीआईआईटी द्वारा वृक्षारोपण

श्री अनुराग जैन, सचिव, डीपीआईआईटी संस्थान के प्रमुखों से मुलाकात करते हुए

श्री प्रमोद अग्रवाल (डेरेवाला) (अध्यक्ष, नेशनल जेम्स एण्ड ज्वेलरी काउंसिल ऑफ इंडिया; अध्यक्ष, डेरेवाला इंडस्ट्रीज लिमिटेड, प्रथम उपाध्यक्ष - सीआईबीजेओ का अध्यक्ष (वर्ल्ड ज्वेलरी कंफिडरेशन), अध्यक्ष, सीआईआई जेम्स एण्ड ज्वेलरी टास्क फोर्स) 25 जनवरी 2023 को निदेशक से मिलने आए

सेरेमिक प्रयोगशाला का दौरा

5.4 कार्यक्रम

5.4.1 अग्निशमन एवं अग्नि सुरक्षा पर जागरुकता सत्र:-

संस्थान के सभी छात्रों और कर्मचारियों सहित कर्मचारियों के लिए अग्निशमन एवं अग्नि सुरक्षा पर 09 फरवरी 2023 को जागरुकता सत्र आयोजित किया गया।

5.4.2 सत्यनिष्ठा शपथ:-

सतर्कता जागरुकता सप्ताह के तहत भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने और भ्रष्टाचार के खतरों के बारे में जन जागरुकता बढ़ाने के लिए संस्थान के सभी कर्मचारियों द्वारा 31 अक्टूबर 2022 को सत्यनिष्ठा शपथ ली गई।

अग्निशमन एवं अग्नि सुरक्षा पर जागरुकता सत्र

सत्यनिष्ठा शपथ

5.4.3 राष्ट्रीय एकता दिवस:-

संस्थान के कर्मचारियों ने 31 अक्टूबर 2022 को सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस पर राष्ट्रीय एकता की शपथ ली।

5.4.4 एकता के लिए दौड़:-

संस्थान ने आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारियों के लिए 28 अक्टूबर 2022 को *'एकता के लिए दौड़'* की थीम पर एक दौड़ कार्यक्रम आयोजित किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

एकता के लिए दौड़

5.4.5 हिंदी पखवाड़ा:-

संस्थान ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 16 सितंबर से 30 सितंबर 2022 तक "हिंदी पखवाड़ा" का आयोजन किया। समापन समारोह संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों, संस्थान के कर्मचारियों और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन, टिप्पण लेखन, कहानी लेखन और स्व रचित कविता पाठ गायन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

हिंदी पखवाड़ा

5.4.6 कोविड टीकाकरण:-

संस्थान की प्रशासनिक टीम द्वारा छात्रों और कर्मचारियों (आउटसोर्सिंग कर्मचारियों सहित) के साथ-साथ उनके परिवारों के लिए कोविड-रोधी वैक्सीन का नि:शुल्क एहतियाती बूस्टर खुराक का टीका लगाने के लिए 17 अगस्त 22 को परिसर में 'कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव' शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 114 व्यक्तियों को टीका लगाया गया।

कोविड टीकाकरण

5.4.7 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:-

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के अवसर पर, कार्यस्थल पर समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम 'योग के माध्यम से कार्यस्थल पर स्वास्थ्य' नामक एक ज्ञानवर्धक सत्र के माध्यम से उठाया गया। 21 जून, 2022 को सुबह 10:00 बजे से 11:00 बजे तक रा.डि.सं. म.प्र. ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योग के गहन प्रभाव पर, खासकर कॉर्पोरेट व यवस था में प्रकाश डालना था।

सत्र का संचालन डॉ. शिखा सरोगी ने किया, जो एक व्यापक पृष्ठभूमि वाली प्रतिष्ठित चिकित्सा व्यावसायिक हैं। डॉ. सरोगी के पास एमबीबीएस की डिग्री है और उन्होंने योग चिकित्सा में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की है, जिसमें उन्हें 29 साल का प्रभावशाली व यावसायिक अनुभव प्राप्त है। सत्र की मुख य विशेषताओं में, चिकित्सा और योग का एकीकरण, तनाव से निज़ात पाने के लिए योग, डेस्क योग और श्रमदक्षता, श्वास लेने-छोड़ने की तकनीक और मानसिक स वास थ यवर्धन शामिल थे। सत्र का समापन एक पारस परिक प्रश्नोत्तर (क यू एण ड ए) सत्र के साथ हुआ।

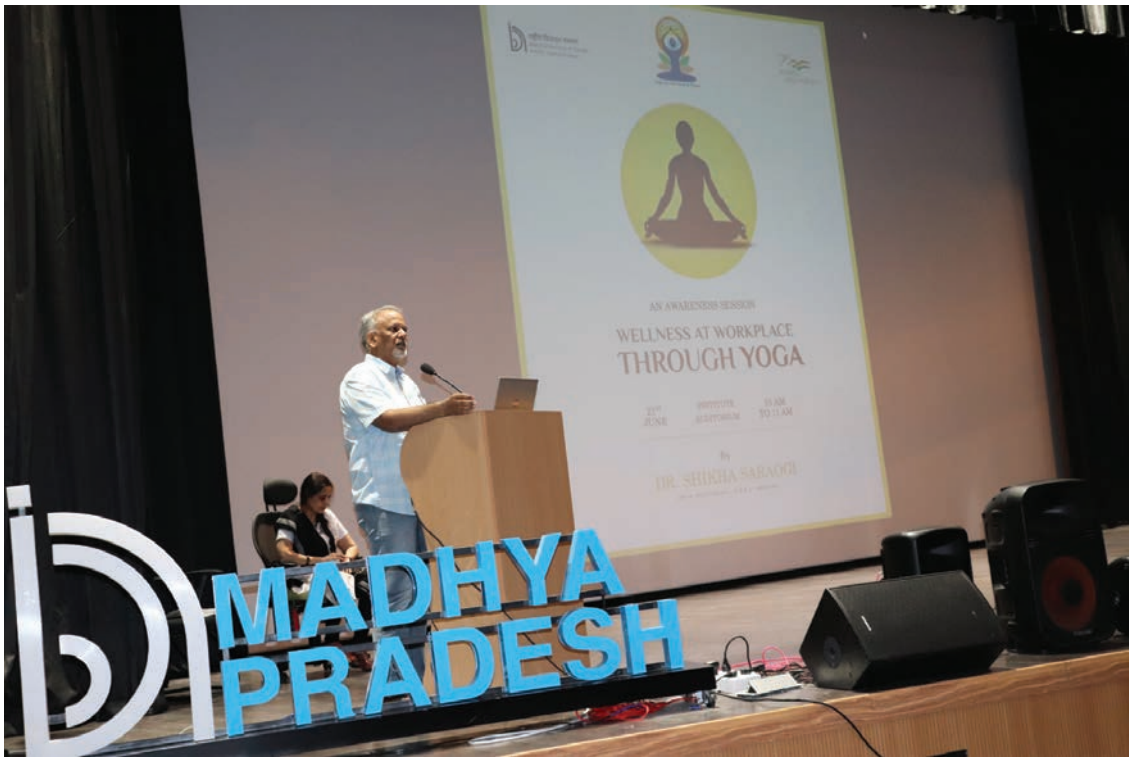

अंतर्राष ट्रीय योग दिवस

5.4.8 शिक्षक दिवस:-

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म. प्र.) में छात्रों, संकाय सदस यों और प्रशासनिक कर्मचारियों की ओजस वी ऊर्जा के साथ एक मनोरम वातावरण देखा गया जब शिक्षक दिवस मनाने के लिए सभी एकत्र हुए। यह कार्यक्रम रा.डि.सं. म. प्र. में रचनात्मक प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समर्पित शिक्षकों के लिए एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि थी।

समर्पित संकाय सदस्यों को सम्मानित करने के लिए, संस्थान में उनके योगदान को स्वीकार करने के लिए एक विशेष खंड समर्पित किया गया। छात्रों और कर्मचारियों ने शिक्षकों द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और सलाह के लिए अपना आभार व्यक्त करते हुए दिल को छू लेने वाले किस्से साझा किए। प्रत्येक संकाय सदस्य को प्रशंसा प्रमाण पत्र और आभार के छोटे-छोटे टोकन प्रदान किए गए।

इस समारोह में संकाय और छात्रों दोनों द्वारा संचालित पारस परिक सत्र भी शामिल थे। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य विचारों और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करना था, जिससे रा.डि.सं. म. प्र. समुदाय के भीतर एक सहयोगी भावना को बढ़ावा मिले।

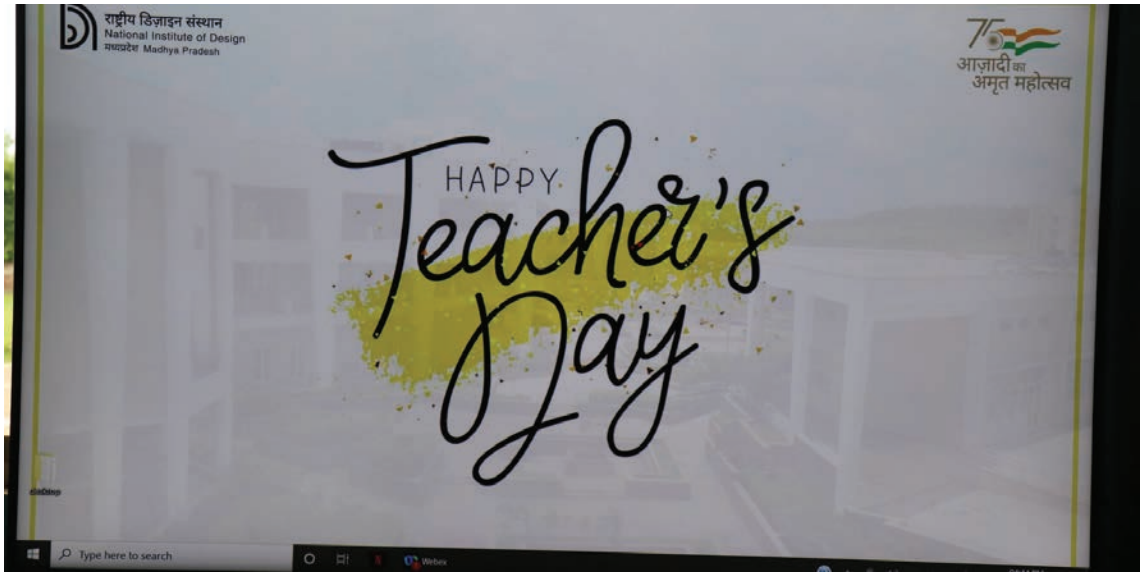

शिक्षक दिवस समारोह

5.5 संकाय और कर्मचारियों के लिए मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ:-

संकाय को प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

संकाय सहित संस्थान के कर्मचारियों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण नीति तैयार की जा रही है और कर्मचारियों और संकाय के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए एक प्रशिक्षण नीति शुरु की गई है।

कर्मचारीगणों के लिए मानव संसाधन विकास संबंधी गतिविधियां			
क्र. सं.	संगठन / प्रमुख व यक्ति का नाम	कार्यक्रम का विवरण	तिथि
1	श्री रोहित सड़ैया	लोक प्रापण (प्राथमिक) एजेएनआईएफएम द्वारा प्रदानित	30.05.2022 से 04.06.2022
2	श्री प्रशांत	लोक प्रापण (प्राथमिक) एजेएनआईएफएम द्वारा प्रदानित	18.07.2022 से 23.07.2022
3	श्री शैलेन्द्र ओझा	लोक प्रापण (प्राथमिक) एजेएनआईएफएम द्वारा प्रदानित	25.07.2022 से 30.07.2022
4	श्री पिंटु प्रताप सिंह	लोक प्रापण (प्राथमिक) एजेएनआईएफएम द्वारा प्रदानित	25.07.2022 से 30.07.2022
5	सुश्री सिमी मैथ यू	लोक प्रापण (प्राथमिक) एजेएनआईएफएम द्वारा प्रदानित	05.09.2022 से 10.09.2022
6	श्री आदित य शांडिल य	लोक प्रापण (प्राथमिक) एजेएनआईएफएम द्वारा प्रदानित	26.09.2022 से 01.10.2022
7	श्री नीरज तहिलानी	लोक प्रापण (प्राथमिक) एजेएनआईएफएम द्वारा प्रदानित	29.08.2022 से 03.09.2022
8	श्री कृष ण बिरमान	लोक प्रापण (प्राथमिक) एजेएनआईएफएम द्वारा प्रदानित	29.08.2022 से 03.09.2022
9	श्री आर. के. सैनी	एम-एस वर्ड आईएसटीएम द्वारा प्रदानित	23.05.2022 से 25.05.2022
10	श्री पवन के. गेहानी	एम-एस वर्ड आईएसटीएम द्वारा प्रदानित	23.05.2022 से 25.05.2022
11	री कृष ण बिरमान	सीपीआईओ और अपीलीय प्राधिकारियों के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम आईआरएमआरए द्वारा प्रदानित	24.11.2022 से 25.11.2022
12	श्री मनीष कुमार बहुगुणा	सीपीआईओ और अपीलीय प्राधिकारियों के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम और आईआरएमआरए द्वारा प्रदानित	24.11.2022 से 25.11.2022

6

अध्यापन एवं अधिगम संसाधन

6.1 31 मार्च 2023 को स्वीकृत पदों की स्थिति

वेतन लेवल - 14 (144200-218200) निदेशक	01
वेतन लेवल - 13 (123100-215900) प्रधान डिज़ाइनर (प्रोफेसर), कुलसचिव	00
वेतन लेवल - 12 (78800-209200) वरिष्ठ डिज़ाइनर (सह प्रोफेसर), मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, वित्त एवं लेखा नियंत्रक	05
वेतन लेवल - 11 (67700-208700) सह वरिष्ठ डिज़ाइनर (सहायक प्रोफेसर), प्रधान तकनीकी अनुदेशक, उप कुलसचिव, प्रमुख पुस्तकालयाध्यक्ष / संसाधन केंद्र	07
वेतन लेवल - 10 (56100-177500) वरिष्ठ तकनीकी अनुदेशक, डिज़ाइनर/ संकाय, वरिष्ठ डिज़ाइन अनुदेशक, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता (एल बी एम)	11

वेतन लेवल - 07 (44900-142400) वरिष्ठ सहायक प्रस्तकालयाध्यक्ष, वरिष्ठ अधीक्षक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, प्रमुख सुरक्षा सेवा, सह वरिष्ठ तकनीकी अनुदेशक, सह वरिष्ठ डिज़ाइन अनुदेशक, उप अभियंता (इलेक्ट्रिकल), सहायक अभियंता (सिविल)	09
वेतन लेवल - 06 (35400-112400) अधीक्षक, वरिष्ठ सहायक, डिज़ाइन अनुदेशक, तकनीकी अनुदेशक, सहायक अभियंता (आईटी)	07
वेतन लेवल - 05 (29200-92300) वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष सहायक, वरिष्ठ सहायक (प्रशा./स्टूडियो), वार्डन, पर्यवेक्षक (इलेकिट्रकल/ सुरक्षा तकनीकी सहायक)	12
वेतन लेवल - 04 (25500-81100) सहायक (लेखा/ प्रशा./ पुस्तकालय)	04

6.2 परिसर और बुनियादी ढांचा

रा.डि.सं. म.प्र. अपने असाधारण परिसर और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए जाना जाता है, जो डिज़ाइन शिक्षा के क्षेत्र में कुछ अति प्रगत शिक्षण सुविधाएं प्रदान करता है। भोपाल में अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र के समीप स्थित, हमारा परिसर विंध्यांचल पहाड़ियों की प्राकृतिक रूप से मनोरम भूभाग में 29.49 एकड़ में फैला हुआ है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र शैक्षणिक और सामाजिक दोनों रूप से विकसित हों, रा.डि.सं. म.प्र. ने असंख्य सुविधाएँ और सेवाएँ निर्मित की हैं। शैक्षणिक गतिविधियों से परे, रा.डि.सं. म.प्र. पूरे वर्ष मनोरंजक गतिविधियों और सामाजिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला की मेज़बानी करता है, जो एक ऊर्जावान समुदाय के जुड़ाव को बढ़ावा देता है।

सुसंगत शिक्षण वातावरण को सुविधाजनक बनाने में बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका को महसूस करते हुए, परिसर एवी सिस्टम, प्रोजेक्टर और वाई-फाई कनेक्टिविटी सहित आधुनिक शैक्षिक उपकरण कक्षाओं से सुसज्जित है। हमारी शिल्पशालाएँ, स्टूडियो और प्रयोगशालाएँ अत्याधुनिक मशीनरी और उपकरणों से सुसज्जित हैं, जो छात्रों को कक्षा में सीखी गई बातों को मूर्त, व्यावहारिक आउटपुट में बदलने में सक्षम बनाती हैं।

संस्थान में आईटी लैब में नवीनतम शिल्पशाला और सिंटिक सिस्टम हैं, जो विभिन्न प्रकार के सॉफ़्टवेयर से परिपूर्ण हैं, और नवोदित डिज़ाइनरों को विभिन्न रूपों में अपनी रचनात्मकता के साथ प्रयोग करने के लिए सशक्त बनाते हैं। हमारे रा.डि.सं. म.प्र. पुस्तकालय में डिज़ाइन, कला, शिल्प, संस्कृति और संबंधित विषयों सहित पुस्तकों का एक समकालीन संग्रह है। यह ई-पुस्तकों, ई-संसाधनों, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं तक पहुँच भी प्रदान करता है, जो पूरे संस्थान समुदाय के लिए शिक्षण व अधिगम के अनुभव को समृद्ध बनाता है।

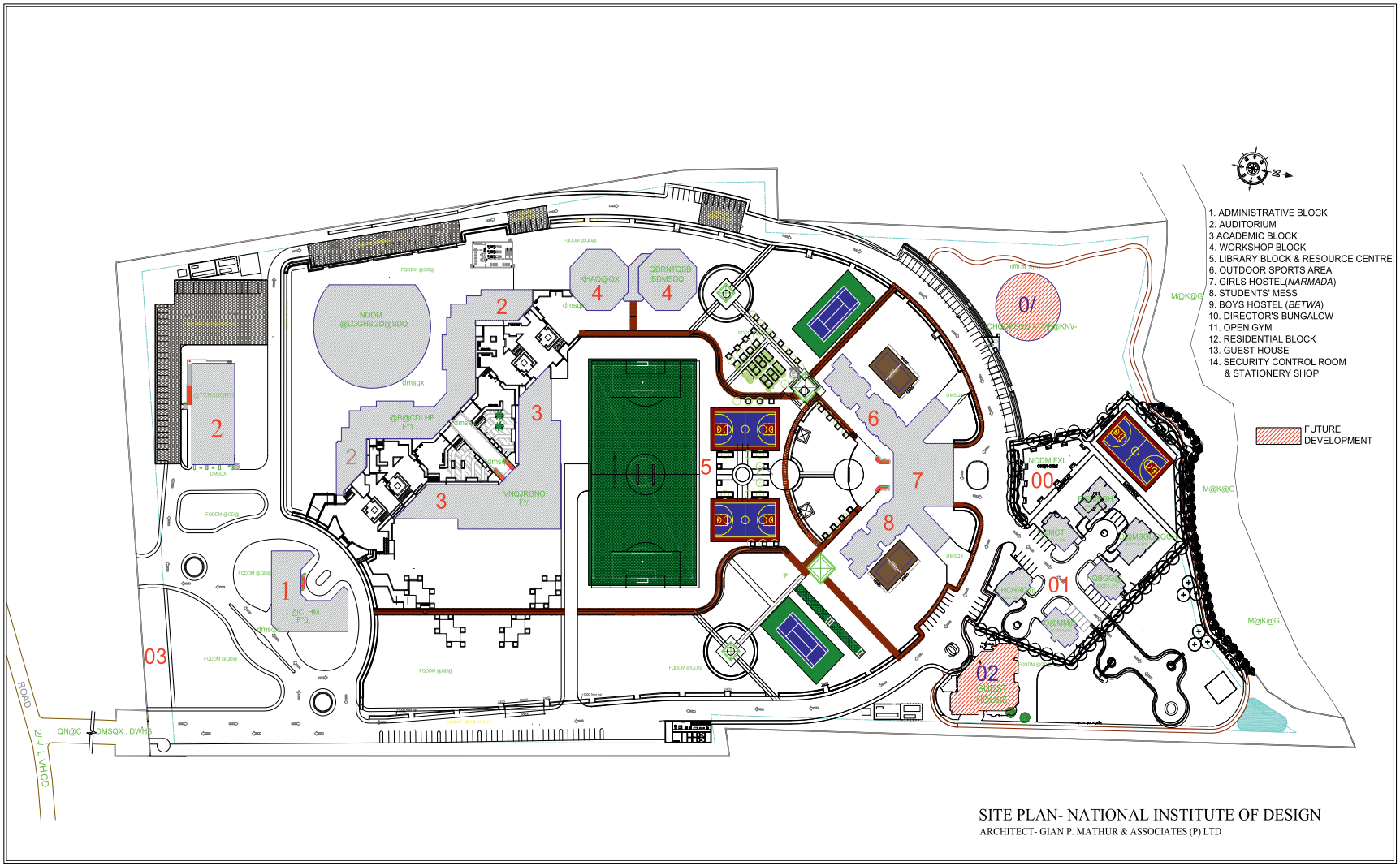

SITE PLAN- NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN
ARCHITECT- GIAN P. MATHUR & ASSOCIATES (P) LTD

प्रशासनिक खंड

प्रशासनिक खंड संस्थान के प्रशासनिक कार्यों के लिए केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो छात्रों और कर्मचारियों दोनों को हर प्रकार की सहायता प्रदान करता है। इस खंड के भीतर, कई महत्वपूर्ण कार्यालय हैं, जिनमें से प्रत्येक खंड संस्थान के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संस्थान के नेतृत्व के शीर्ष पर, निदेशक का कार्यालय समग्र मार्गदर्शन और दृष्टि प्रदान करता है। इसके अलावा, विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों में कुलसचिव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ), वित्त एवं लेखा नियंत्रक (सीएफए), शैक्षणिक सेवाएं, प्रशासन, मानव संसाधन, क्रय एवं स्टोर प्रबंधन, संपदा/कार्य, वित्त एवं लेखा तथा आईटी सेवाएं आदि शामिल हैं। ये कार्यालय सामूहिक रूप से संस्थान के सुचारू एवं कुशल संचालन को सुनिश्चित करते हैं।

छात्र प्रवेश संबंधी पूछताछ, शुल्क भुगतान, छात्रवृत्ति आवेदन, परिणाम तथा अन्य प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए सहायता के लिए इन कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं।

इसी तरह, कर्मचारी एवं संकाय सदस्य प्रशासनिक मामलों की विस्तृत श्रृंखला के लिए इन कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं। इस प्रकार सभी के लिए एक उत्तरदायी एवं समर्थनकारी वातावरण सुनिश्चित होता है।

शैक्षणिक खंड

शैक्षणिक खंड में बहुआयामी स्थल हैं जिन्हें पाठशालाओं, प्रयोगशालाओं, स्टूडियो और संकाय कार्यालयों को समायोजित करने के लिए निर्मित किया गया है । संपूर्ण ब्लॉक को सहजता एवं दक्षता के साथ कार्य करने के लिए एक केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग सिस्टम से सुसज्जित किया गया है। इसमें दो लिफ्ट, अभिगम्यता के लिए रैंप की सुविधा भी है।

इस खंड के भीतर, विभिन्न स्टूडियो और पाठशालाएँ अत्याधुनिक प्रस्तुति प्रणालियों से पूरी तरह सुसज्जित हैं, जो शिक्षण एवं अधिगम के अनुभव को बढ़ाती हैं। इसके अतिरिक्त, इस ब्लॉक में विशिष्ट सुविधाएं भी हैं, जिनमें परिधान निर्माण प्रयोगशाला, ग्राफिक स्टूडियो, ध्वनि रिकॉर्डिंग स्टूडियो और फोटोग्राफी स्टूडियो शामिल हैं, जो कई प्रकार की शैक्षणिक और रचनात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

शिल्पशाला खंड

यह खंड हमारे परिसर की आधारशिला के रूप में कार्य करता है, जो रचनात्मकता और नवोन्मेष को आश्रय प्रदान करता है। इसकी दीवारों के भीतर, हमारे विशेषज्ञता वाले विषयों के अनुरूप सावधानीपूर्वक डिज़ाइन की गई समर्पित शिल्पशालाएँ हैं, जो हमारे छात्रों की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति करती हैं और उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देती हैं।

औद्योगिक डिज़ाइन के क्षेत्र में, हमारी शिल्पशालाएँ विभिन्न प्रकार की सामग्रियों और शिल्प कौशल को बढ़ाती हैं। सिरेमिक वर्क, क्ले मॉडलिंग, वुड क्राफ्टिंग और मेटल फैब्रिकेशन के लिए विशेष सुविधाएँ हैं। यहाँ, छात्रों के पास अपनी रचनात्मक विजन को मूर्त, कार्यात्मक और सौंदर्यपूर्ण रूप से मनभावन डिज़ाइन में बदलने के लिए जगह और उपकरण हैं।

कपड़ा और परिधान डिज़ाइन स्ट्रीम के लिए, यह रचनात्मकता और शिल्प कौशल का केंद्र प्रदान करता है। हमारी शिल्पशालाओं में छपाई और रंगाई, पैटर्न बनाने और करघे की बुनाई के लिए आवश्यक उपकरण और यंत्र हैं। छात्रों को कपड़े और फैशन की दुनिया का पता लगाने का अवसर मिलता है, जिससे वे शानदार कपड़ा और परिधान डिज़ाइन बनाने के लिए अपने कौशल को निखार सकते हैं।

प्रौद्योगिकी के प्रभुत्व वाले युग में, हमारी सूचना एवं प्रौद्योगिकी शिल्पशालाएँ नवोन्मेष के प्रतीक के रूप में कार्य करती हैं। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और संसाधनों से सुसज्जित, ये सुविधाएँ हमारे छात्रों को डिजिटल डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में गहराई से जाने के लिए सशक्त बनाती हैं। यहाँ, वे ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं जिनकी आवश्यकता सूचना प्रौद्योगिकी की शक्ति के माध्यम से भविष्य को मूर्ति रूप देने के लिए होती है। सामूहिक रूप से, हमारे समर्पित खंड में ये शिल्पशालाएँ रचनात्मकता और विशेषज्ञता को पोषित करने की हमारी प्रतिबद्धता को परिलक्षित करती हैं। ये ऐसे स्थान हैं जहाँ कल्पना और तकनीकी कौशलों को एक साथ पिरोया जाता है जो हमारे छात्रों को अपने शिल्प को निखारने, अपनी रुचि के अनुसार स्वयं का आत्मनिरीक्षण करने और अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने का अवसर प्रदान करते हैं।

आई टी केंद्र

आईटी केंद्र सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग संस्थान की डिजिटल रीढ़ है, जो संस्थान के मिशन को प्रश्रय देने, संचालनों को बढ़ाने और शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रबंधन और दोहन करने के लिए जिम्मेदार है। संस्थान में आईटी विभाग द्वारा प्रदान की जा रही कुछ सामान्य सुविधाएँ और सेवाएँ इस प्रकार हैं: -

कंप्यूटर प्रयोगशाला: आईटी विभाग आमतौर पर छात्रों और शिक्षकों द्वारा उपयोग के लिए उच्च निष्पादनीय कंप्यूटर, सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन और इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला का रखरखाव करती है। ये प्रयोगशालाएँ अक्सर कोर्सवर्क और शोध को प्रश्रय देने के लिए नवीनतम हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर से सुसज्जित हैं।

वायरलेस और वायर्ड नेटवर्क: रा.डि.सं.एमपी के पास वायर्ड और वायरलेस कनेक्टिविटी दोनों सहित एक मजबूत कैंपस-वाइड नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर है। छात्र और संकाय परिसर में विभिन्न स्थानों से इंटरनेट और अन्य नेटवर्क संसाधनों तक पहुँच सकते हैं।

ईमेल और संचार सेवाएँ: आईटी विभाग छात्रों और संकाय को ईमेल सेवाएँ प्रदान करते हैं, साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और सहयोग प्लेटफ़ॉर्म जैसे अन्य संचार उपकरण भी प्रदान करते हैं।

ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म: रा.डि.सं.एमपी पाठ्यक्रम सामग्री, असाइनमेंट और मूल्यांकन की डिलीवरी को सुविधाजनक बनाने के लिए ऑनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) का प्रयोग करता है। इन प्लेटफ़ॉर्मों में ऑनलाइन व्याख्यान, क्विज़ और चर्चा मंच के लिए उपकरण शामिल हो सकते हैं।

शोध सहायता: आईटी विभाग विशेषीकृत सॉफ़्टवेयर, उच्च-निष्पादनीय कंप्यूटिंग क्लस्टरों और डेटा संग्रहण समाधानों तक पहुँच प्रदान कर, शोध गतिविधियों को संबल प्रदान करते हैं। वे शोधकर्ताओं को उनकी कम्प्यूटेशनल और डेटा विश्लेषण आवश्यकताओं को स्थापित करने और प्रबंधित करने में भी सहायता करते हैं।

तकनीकी सहायता: आईटी विभाग छात्रों, संकाय और कर्मचारियों द्वारा सामना किए जा रहे हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर मुद्दों को हल करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। इसमें हेल्पडेस्क सेवाएँ, समस्या निवारण और आईटी उपकरणों का रखरखाव शामिल है।

सुरक्षा और डेटा संरक्षण: कैंपस के नेटवर्क की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संवेदनशील डेटा को संरक्षित करना आईटी विभागों की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। वे सुरक्षा उपायों को क्रियान्वित करते हैं और डेटा सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ: आईटी विभाग छात्रों और शिक्षकों को अपने आईटी कौशल बढ़ाने और प्रौद्योगिकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने में सहायता करने के लिए प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएँ आयोजित करता है ।

वेब सेवाएँ: संस्थान की वेबसाइट और अन्य वेब-आधारित सेवाओं का प्रबंधन और रखरखाव आमतौर पर आईटी विभाग के अधिकार क्षेत्र में होता है। वे सुनिश्चित करते हैं कि वेबसाइट अद्यतित और उपयोगकर्ता के अनुकूल हो।

सॉफ़्टवेयर लाइसेंसिंग: आईटी विभाग अक्सर संस्थान के लिए सॉफ़्टवेयर लाइसेंसिंग समझौतों का प्रबंधन करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सॉफ़्टवेयर उचित रूप से लाइसेंस प्राप्त है और शैक्षणिक और शोध उपयोग के लिए उपलब्ध है।

हार्डवेयर का क्रय: आईटी विभाग संस्थान के लिए हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर के क्रय में सहायता करता है और यह सुनिश्चित करता है कि वह बजट परिसीमाओं को ध्यान में रखकर शैक्षणिक और शोध आवश्यकताओं की पूर्ति करे।

एम्फीथिएटर

एम्फीथिएटर की मुख्य विशेषताएं और विहंगावलोकन:-

(i) बैठने की व्यवस्था: इसमें उपस्थित लोगों के लिए अच्छी साइटलाइनों के साथ आरामदायक, सहजता से बैठने और बेहतर दृश्यता की व्यवस्था की गई है।

(ii) **बिजली व्यवस्था:** सही वातावरण और रिकॉर्डिंग के उद्देश्य से समायोज्य बिजली व्यवस्था की गई है।

(iii) **मंच:** विशाल और लोचनीय मंच निर्मित किया गया है जो विभिन्न प्रकार के आयोजनों को समायोजित कर सकता है।

(iv) **पहुंच व अभिगम्यता:** पहुंच के लिए सुनिश्चित व्यवस्था की गई है।

(v) **भूदृश्य:** हरियाली, फूलों और अन्य भूदृश्यी तत्वों के साथ सौंदर्यता का विस्तार किया गया है।

(vi) **भंडारण:** इन्वेंट्री अर्थात माल भंडारण और प्रबंधन के लिए अलग स्थान आवंटित किया गया है। ऐसे स्थान जिन्हें विभिन्न प्रकार के आयोजनों, जैसे कि व्याख्यान, संगीत कार्यक्रम, कार्यशालाओं आदि के लिए उपयोग किए जा सकते हैं।

आर्किटेक्ट, इंटीरियर डिज़ाइनर, ऑडियो-विज़ुअल विशेषज्ञों और लैंडस्केप आर्किटेक्ट की मदद से एक अत्याधुनिक एम्फीथिएटर बनाया गया है, जिसमें बैठने की जगह, चर्चा कक्ष और छात्रों के लिए एक दुकान है ताकि संस्थान और उसके उपयोगकर्ताओं दोनों की ज़रूरतों को पूरा किया जा सके।

ज्ञान प्रबंधन केंद्र (के एम सी)

ज्ञान प्रबंधन केंद्र (के एम सी) ज्ञान प्रबंधन केंद्र किसी भी संगठन के शोध और शैक्षणिक कार्यक्रमों को संबल प्रदान करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केएमसी शिक्षकों और छात्रों को अपने शिक्षण और अधिगम कौशलों को बढ़ाने के लिए अधिगम संसाधनों की पहचान, मूल्यांकन, क्रय, प्रसंस्करण और प्रसार करता है।

रा.डि.सं. म.प्र. में ज्ञान प्रबंधन केंद्र (केएमसी) सबसे आधुनिक अपेक्षाओं के आधार पर निर्मित किया गया है, जो अपने हाउसकीपिंग परिचालनों के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर कोहा-एलएमएस का प्रयोग कर पूरी तरह से वातानुकूलित और कम्प्यूटरीकृत है, और एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन किए गए फर्नीचर और फिक्स्चर से सुसज्जित है। केएमसी ने आरएफआईडी तकनीक को क्रियान्वित किया है। उपयोगकर्ताओं को अपनी सुविधा के अनुसार सप्ताह के दौरान सुबह 9:00 बजे से मध्यरात्रि 12:00 बजे तक केएमसी के कामकाजी समय में पुस्तकों को स्वयं चेक-इन और चेक-आउट करने की सुविधा प्रदान की गई है।

केएमसी ने संस्थान के परिवार के लोगों की सूचना आवश्यकताओं को सुविधाजनक बनाने के लिए अपनी वेबसाइट/पोर्टल बनाया है, जिसमें सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध की गई है। केएमसी में मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का एक समृद्ध संग्रह है, जिसमें मुद्रित और ई-पुस्तकें, ई-डेटाबेस, ई-जर्नल, ई-ट्रेंड पूर्वानुमान, ई-पत्रिकाएँ, ऑडियोबुक यानी, ब्लूम्सबरी विज़ुअल एंड आर्ट लाइब्रेरी, ब्लूम्सबरी डिज़ाइन लाइब्रेरी, जेएसटीओआर, डब्ल्यूजीएसएन ट्रेंड्स एंड फोरकास्ट, साउथ एशियन आर्काइव्स और नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और डिज़ाइन के क्षेत्र से संबंधित अन्य ओपन एक्सेस संसाधन शामिल हैं।

केएमसी ने ओपन-सोर्स डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर "डी स्पेस" का प्रयोग करके संस्थान की डिजिटल रिपोजिटरी बनाई है, ताकि सभी इन-हाउस अकादमिक, शोध और प्रशासनिक आउटपुट, यानी संस्थान के घटनाक्रमों की फोटो दीर्घा, इन-हाउस प्रकाशन, नीतियां और संस्थान से संबंधित समाचार पत्र की कतरनें/क्लिपिंग आदि को संरक्षित किया जा सके।

केएमसी अपने उपयोगकर्ताओं को परिसर के अंदर और बाहर 24X7 की अवधारणा पर दूरस्थ पहुँच और खोज सेवा प्रदान करता है। केएमसी संसाधनों का विवरण निम्न प्रकार है:

- मुद्रित पुस्तकें :- 4412
- ऑडियो विजुअल सामग्री (डीवीडी) :- 414
- ई-पुस्तकें (ओपन सोर्स) :- 5000+
- मैगज़्टर की ई-पत्रिकाएँ :- 5000+
- मुद्रित और ई-समाचार पत्र :- 60+
- जेएसटीओआर जर्नल की सदस्यता :- 3000+
- राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी :- 44781385 दस्तावेज़
- दक्षिण एशियाई पुरालेख एवं ई-पुस्तकें और लेख :-
- ब्लूम्सबरी डिज़ाइन ई-लाइब्रेरी :- 174+
- ब्लूम्सबरी आर्ट और विजुअल डिज़ाइन ई-लाइब्रेरी :- 126+
- डब्ल यूजीएसएन - प्रवृत्तियां और पूर्वानुमान :- फैशन, अंतर्दृष्टि, इंटीरियर और उपभोक्ता तकनीक
- नेटफ्लिक्स और मूवी प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच

पुस्तकालय

सभागार (ऑडिटोरियम)

रा.डि.सं. म.प्र. में ऑडिटोरियम रचनात्मकता, नवोन्मेष और बौद्धिक आदान-प्रदान के प्रतीक का एक बेहतरीन केंद्र है। यह सुसज्जित और बहुमुखी स्थान प्रेरणामयी केंद्र है, जहाँ डिज़ाइन के प्रति उत्साही छात्र, संकाय और अतिथि डिज़ाइन की कला और इसके असंख्य पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए इस मंच पर एक साथ आते हैं।

अपने समकालीन डिज़ाइन और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ, हमारा ऑडिटोरियम कई तरह के आयोजनों यानी महत्वपूर्ण व्याख्यान और अभिप्रेरणीय प्रस्तुतियाँ से लेकर गतिशील पैनल चर्चाएँ और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं के लिए आदर्श वातावरण प्रदान करता है। बैठने के लिए खुली जगह, बेहतरीन ध्वनिकी और अत्याधुनिक ऑडियो-विज़ुअल उपकरण यह सुनिश्चित करते हैं कि इस ऑडिटोरियम में आयोजित हर कार्यक्रम एक गहन एवं उपयोगी अनुभव प्राप्त हो।

अकादमिक और रचनात्मक दोनों तरह के संवादों के लिए एक केंद्रीय स्थल के रूप में, ऑडिटोरियम प्रतिभा को पोषित करने, ज्ञान साझा करने और सामुदायिक बधुत्व को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जहाँ डिज़ाइन अवधारणाएँ जीवंतता प्राप्त करती हैं और जहाँ डिज़ाइनरों की अगली पीढ़ी का निर्माण होता है।

हमारा ऑडिटोरियम प्रेरणा, अधिगम व शिक्षण और सहयोग का केंद्र है जहाँ कई प्रकार के प्रस्तुतीकरण किए जाते हैं, चाहे वह किसी प्रसिद्ध डिज़ाइन विशेषज्ञ द्वारा विचारोत्तेजक व्याख्यान हो, नवोन्मेषी छात्र परियोजनाओं का प्रदर्शन करना हो, या डिज़ाइन की विविधता के स्मरणोत्सव का कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम हो । यह हमारी एक ऐसा स्थान प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है जहाँ डिज़ाइन की दुनिया को जीवंतता प्राप्त होती है, और जहाँ डिज़ाइन के भविष्य की कल्पना की जाती है और उसकी उपलब्धियों का स्मरणोत्सव मनाया जाता है।

छात्रावास (लड़के और लड़कियाँ)

रा.डि.सं. म.प्र. के छात्रावास छात्रों को सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक माहौल प्रदान करते हैं। वे सामुदायिक भावना को बढ़ावा देते हैं, विविध पृष्ठभूमि और संस्कृतियों के छात्रों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं। लड़कों और लड़कियों के छात्रावास पाँच मंजिला इमारते हैं जिनमें सिंगल और डबल ऑक्यूपेंसी कमरे हैं, जिनमें से प्रत्येक हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी से सुसज्जित है। इन सुविधाओं में मनोरंजन कक्ष, इनडोर गेम, स्वचालित वाशिंग मशीन, आरओ वाटर सप्लाई, सोलर गीजर और कई अन्य सुविधाएँ शामिल हैं।

ये छात्रावास न केवल अध्ययन के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान करते हैं, बल्कि सामाजिककरण के अवसर भी प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को नए दोस्त बनाने, नेटवर्क बनाने और एक-दूसरे के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त करने का मौका मिलता है।

अपने मजबूत बुनियादी ढांचे से परे, रा.डि.सं. म.प्र. का छात्रावास बातचीत और चर्चा के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं। छात्रावास परिसर के भीतर आमतौर पर पाया जाता है जब वरिष्ठ छात्र अपने कनिष्ठों को उनके अध्ययन या प्रोजेक्ट को पूरा करने में मार्गदर्शन देते हैं।

संस्थान में, छात्रावास छात्रों के व्यक्तिगत और सामाजिक कौशलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, एक ऐसा वातावरण सृजित करते हैं जहाँ छात्र स्वतंत्र रूप से रहकर सीखते हैं। कुल मिलाकर, रा.डि.सं. म. प्र. के छात्रावास अपने छात्रों के समग्र विकास और चहुंमुखी शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

छात्रों के लिए मेस

रा.डि.सं. म. प्र. में छात्रों का मेस एक गतिशील सामाजिक केंद्र के रूप में सेवा प्रदान करता है, जो छात्र समुदाय के बीच संबंधों और सौहार्द को बढ़ावा देता है।

120 व्यक्तियों की बैठने की विस्तीर्ण क्षमता के साथ, केंद्रीय रूप से वातानुकूलित भोजन कक्ष में छात्रों एकत्र होते हैं, पंसदीदा भोज ग्रहण करते हैं और सार्थक सामाजिक चर्चाएं करते हैं। भोज कक्ष का सोच-समझकर बनाया गया लेआउट सामुदायिक भाव को प्रोत्साहित करता है, छात्रों को चिरकालिक मित्रता और संबंध बनाने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

रा.डि.सं. म. प्र. ने न केवल खाना पकाने और परोसने की प्रक्रियाओं की सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए, बल्कि भोज य (डाइनिंग) अनुभव को बढ़ाने के लिए आधुनिक रसोई उपकरण और बर्तनों में निवेश किया है। मेस सेवा प्रदाता द्वारा स्वच्छता के प्रति चेतना के उच्च मानकों को कायम रखने पर खासा जोर दिया जाता है जो छात्र समुदाय के कल याण के लिए उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

छात्रों के मेस की एक खासियत यह है कि वह संस्थान की मेस समिति द्वारा आहार मेनू को सावधानीपूर्वक तैयार करता है। विविध प्राथमिकताओं और आहार संबंधी आवश्यकताओं पर सावधानीपूर्वक विचार करते हुए, मेनू को विभिन्न खाद्य पदार्थों को शामिल करने के लिए सोच-समझकर तैयार किया जाता है, जो छात्र समूह के भीतर विभिन्न जनसांख्यिकी की पूर्ति करता है। यह समावेशी दृष्टिकोण न केवल छात्रों को उनकी पंसदगी के विविध भोजनों से संतुष्ट करता है, बल्कि समुदाय और अपनेपन की मजबूत भावना के निर्माण में भी योगदान देता है।

मेस द्वारा प्रदान किया जाने वाला सामुदायिक भोज अनुभव रा.डि.सं. म. प्र. की यात्रा का एक अभिन्न अंग है। शरीर को पोषण देने के अलावा, यह एकजुटता की भावना को पोषित करता है, जिससे मेस साझा अनुभवों और रा.डि.सं. म. प्र. में एक जीवंत एवं समावेशी समुदाय की संस्कृति का एक केंद्रीय केंद्र बन जाता है।

बाह्य खेल सुविधाएं

“खेल उत्कृष्टता के ज्वलंत उदाहरण प्रदान करके, समाज की सेवा करते हैं”।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म. प्र.) उत्कृष्टता, टीमवर्क और समग्र विकास को बढ़ावा देने में खेलों के महत्व को जानता-समझता है। हमारे ओजस्वी छात्र और कर्मचारी समुदाय को शारीरिक गतिविधि और मनोरंजन के अवसर प्रदान करने के लिए, हमने कई बाह्य व आउटडोर खेल सुविधाएँ निर्मित की हैं और हम सक्रिय भागीदारी और स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करते हैं। इन सुविधाओं में निम्न शामिल हैं:

फुटबॉल मैदान: हमारा सुव्यवस्थित फुटबॉल मैदान ऊर्जा और टीम-वर्क का केंद्र है, जहाँ छात्र और कर्मचारी इस रोमांचक खेल में भाग लेने के लिए एक साथ आते हैं।

लॉन टेनिस कोर्ट: टेनिस के शौकीन अपने कौशल को निखार कर हमारे दो सुसज्जित लॉन टेनिस कोर्ट पर खेल का आनंद ले सकते हैं।

वॉलीबॉल कोर्ट: दो वॉलीबॉल कोर्ट हमारे समुदाय के सदस्यों के बीच भाईचारे और खेल भावना को बढ़ावा देते हुए तीव्र गतिमय रैलियों और मैत्रीपूर्ण मैचों के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करते हैं।

बास्केटबॉल कोर्ट: बास्केट बॉल प्रेमी तेज़ गति वाले और रोमांचक खेलों के लिए इन कोर्टों का उपयोग करते हैं। ये कोर्ट न केवल मनोरंजन के लिए नहीं, अपितु बास्केटबॉल कौशल को निखारने के लिए भी सहायक हैं।

क्रिकेट प्रैक्टिस पिच: क्रिकेट के प्रेमियों के लिए, एक समर्पित प्रैक्टिस पिच बनाई गई है। यह क्रिकेट प्रेमियों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी तकनीकों को निखारने और क्रिकेट मैचों की तैयारी करने के लिए आदर्श स्थान है।

ये बाह्य खेल सुविधाएँ सिर्फ़ शारीरिक गतिविधि के केंद्र नहीं हैं; बल्कि ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ हमारे समुदाय के सदस्य एक साथ आ सकते हैं, संबंध बना सकते हैं और उत्कृष्टता हासिल करने की आकांक्षा कर सकते हैं। रा.डि.सं. म.प्र. का मानना है कि खेल एक अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हम अपने समुदाय को शैक्षणिक गतिविधियों तथा खेल के मैदान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बहुआयामी-सुविधा पुनरुद्धार केंद्र

बहुआयामी सुविधा पुनरुद्धार केंद्र अथवा मल्टी-फ़ैसिलिटी रिजूवनेशन सेंटर (एम एफ आर सी) संस्थान के समुदाय के भीतर स्वास्थ्य और जीवन शक्ति की आधारशिला के रूप में कार्य करता है और उनके शारीरिक, सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रा.डि.सं. म. प्र. में, एमएफआरसी एक बहुमुखी केंद्र है जो हमारे छात्रों और निवासियों को अनेक प्रकार के संसाधन उपलब्ध करता है, जिससे उनका जीवन कई रूपों में समृद्ध होता है। एमएफआरसी एक सुसज्जित जिम प्रदान करता है, जहाँ छात्र और निवासी अपनी ताकत, समग्र फिटनेस और स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए कसरत करते हैं। संगीत की लयबद्ध दुनिया की ओर झुकाव रखने वालों के लिए, एमएफआरसी संगीत वाद्ययंत्रों तक पहुँच प्रदान करता है, जो रचनात्मक अभिव्यक्ति और विश्राम का अवसर प्रदान करता है। शारीरिक फिटनेस के अलावा, मनोरंजक गतिविधियों के लिए आंतरिक अथवा इनडोर खेल सुविधाएँ आयोजित की जाती हैं।

फिटनेस और स्वास्थ्य से परे, एमएफआरसी एक सामाजिक संबंध-सूत्र के रूप में कार्य करता है। यह एक सुरक्षित और आकर्षक स्थान प्रदान करता है, जहाँ छात्र आराम कर सकते हैं और वे अपने साथियों के साथ जुड़ सकते हैं। यहाँ, वे सामाजिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं जो समुदाय और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देते हैं।

रा.डि.सं. म.प्र. में एमएफआरसी केवल एक सुविधा-केंद्र नहीं है, बल्कि वह समग्र कल्याण के लिए एक आश्रय स्थल भी है। यह संस्थान के समुदाय को उनके शारीरिक, सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य को पोषित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, क योंकि वह इस बात को स वीकार करता है कि एक संतुलित और स्वस्थ जीवन शैली व्यक्तिगत और शैक्षणिक सफलता के लिए मौलिक अर्थात अवश यमेय है।

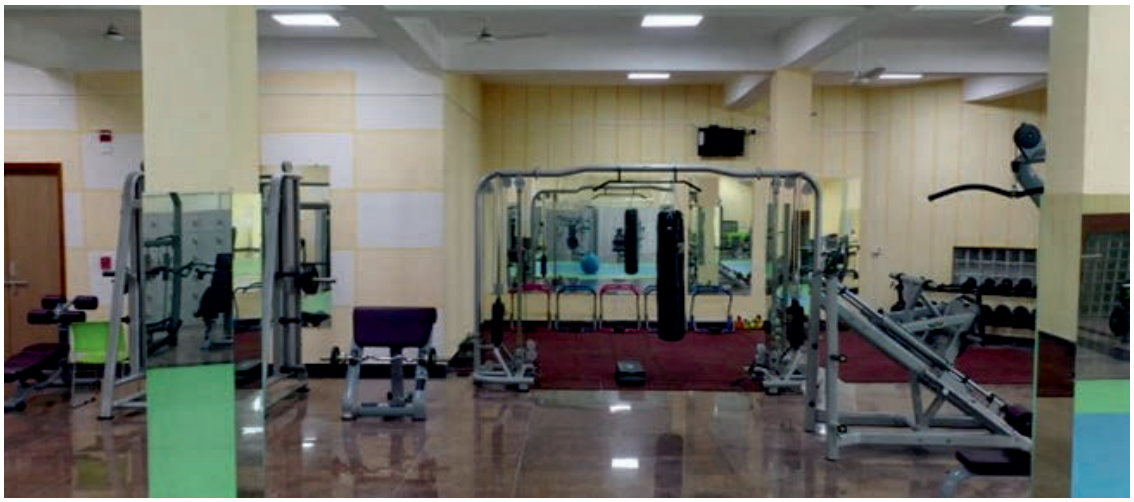

आवासीय क्षेत्र

रा.डि.सं. म.प्र. में कर्मचारी आवास संकाय और कर्मचारियों के बीच दृढ़ सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो संस्थान की शीर्ष प्रतिभा को आकर्षित करने और कायम रखने की क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। संस्थान के परिसर में रहने के दौरान कर्मचारियों को परिसर में सेवाओं, मनोरंजक सुविधाओं और विभिन्न अन्य सुविधाओं तक सुविधाजनक पहुँच मिलती है, जिससे उनके समग्र कार्य-जीवन संतुलन में सुधार होता है।

आवासीय क्षेत्र की उल्लेखनीय विशेषता यह है कि आवासीय खंडों के बगल में एक ओपन जिम स्थित है। इस सुविधा का आनंद न केवल कर्मचारी बल्कि उनके परिवार के सदस्य और छात्र भी लेते हैं, जो रा.डि.सं. म.प्र. समुदाय के भीतर एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देता है। एक आवासीय विकल्प यानी टाइप III की एक इकाई कार्यकारी अतिथि गृह के रूप में आवंटित करी जाती है, और कार्यस्थल की सुविधा के लिए निर्मित की गई टाइप II की 03 इकाई और टाइप IV की 06 इकाई तथा टाइप V की 04 इकाई आवंटित करी जाती है, जो अलग-अलग ज़रूरतों को पूरा करते हैं । आवासों की यह विविध श्रेणी सुनिश्चित करती है कि कर्मचारियों के पास ऐसे आवास विकल्प हों जो उनकी प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के अनुरूप हों।

ये कर्मचारी आवास केवल रहने की जगह नहीं हैं; वे कर्मचारी के कल्याण और संतुष्टि के लिए संस्थान के समग्र दृष्टिकोण में योगदान करते हैं। सहायक और सामुदायिक रूप से रहने का माहौल प्रदान करके, रा.डि.सं. म. प्र. नियोक्ताओं के लिए एक पसंदीदा जगह है, जो एक सकारात्मक माहौल बनाता है और संकाय तथा कर्मचारियों के बीच सहयोग, अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है।

आवासीय क्षेत्र

चिकित्सा केंद्र

रा.डि.सं. म. प्र. में चिकित्सा केंद्र छात्रों और कर्मचारियों दोनों के समग्र कल्याण ढांचे में एक स्तंभ के रूप में भूमिका निभाता है, जो उनके स्वास्थ्य की सुनिश्चितता करने और एक स्वस्थ परिसर के माहौल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के प्रावधान से परे, यह केंद्र विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों और स्वास्थ्य संवर्धन पहलों पर चिकित्सा सलाह, सहायता और सूचना प्रसार के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है।

संस्थान में समर्पित चिकित्सा कर्मचारी कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। वे तत्काल प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने, टीकाकरण करने और स्वास्थ्य जांच करने के लिए जिम्मेदार हैं। उपलब्ध चिकित्सा सहायता को बढ़ाने के लिए, संस्थान ने व्यापक चिकित्सा देखभाल तक नियमित पहुँच सुनिश्चित करने के लिए एक योग्य चिकित्सक को अभ्यागत (विजिटिंग) आधार पर नियुक्त किया है।

स्वास्थ्य सेवा के लिए लैंगिक-संवेदनशील दृष्टिकोण के महत्व को पहचानते हुए, संस्थान ने पुरुष और महिला दोनों परिचर्या सहायकों को नियुक्त किया है। ये व्यावसायिक छात्रों और कर्मचारियों दोनों की विशिष्ट चिकित्सा आवश्यकताओं का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और एक समावेशी तथा सहायक स्वास्थ्य सेवा वातावरण में योगदान करते हैं।

व्यक्तियों द्वारा सामना की जा रही मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, एक परामर्शदाता को चिकित्सा सहायता सेवाओं में सम्मिलित किया गया है। यह व्यावसायिक संस्थान समुदाय को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने, परामर्श सेवाएँ प्रदान करने और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने वाले वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

पारंपरिक चिकित्सा की भूमिका से परे, चिकित्सा केंद्र स्वास्थ्य संवर्धन पहलों में संलिप्त होकर एक सक्रिय रुख अपनाता है। यह निवारक उपायों, स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों और समग्र कल्याण के बारे में जानकारी प्रसारित करता है और एक ऐसे परिसर संस्कृति के निर्माण में योगदान देता है जो स्वास्थ्य को महत्व एवं प्राथमिकता देता है।

संक्षेप में, रा.डि.सं. म.प्र. में चिकित्सा केंद्र केवल चिकित्सा संबंधी चिंताओं को दूर करने की सुविधा नहीं है, बल्कि एक व्यापक सहायता प्रणाली है जो अपने छात्रों और कर्मचारियों के समग्र विकास और कल्याण के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता से संबद्ध है। अपनी बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ, यह केंद्र एक स्वास्थ्यवर्धक, जागरुक, और सहिष्णु परिसर सृजित करने में योगदान देता है।

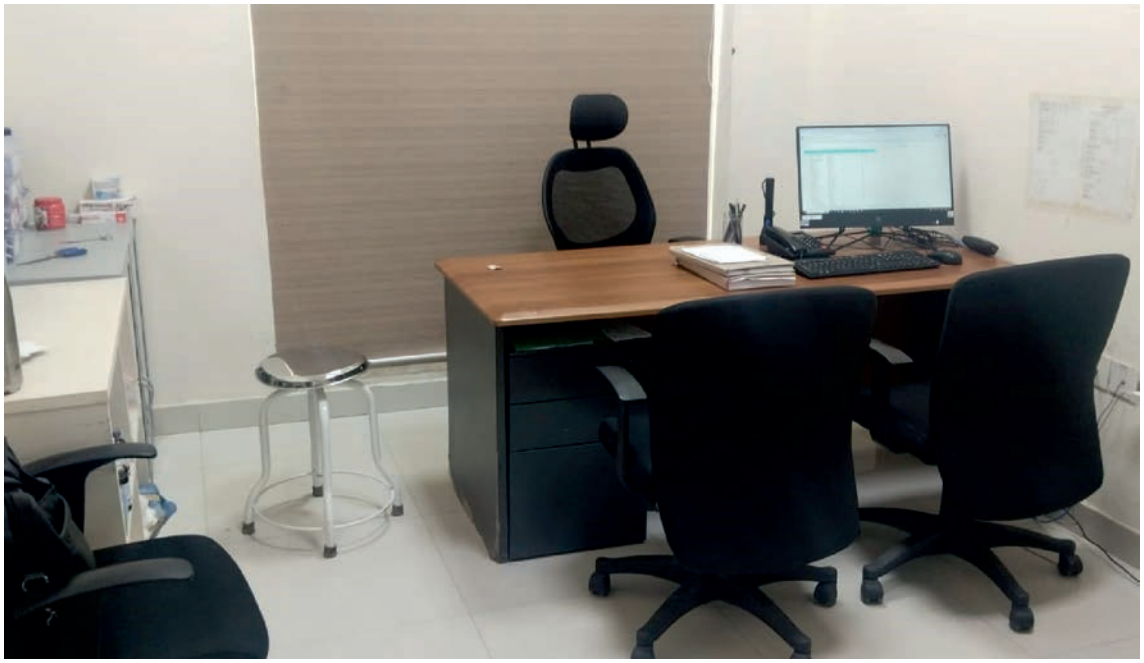

औषधालय में सुविधाएं

7

परिसर में जीवन

7.1 मध्य प्रदेश डिज़ाइन उत्सव (एमपीडीयू): फ्यूजन कॉन 2022

एमपीडीयू राष ट्रीय डिज़ाइन संस थान, मध्य प्रदेश का वार्षिक डिज़ाइन उत्सव है, जिसे डिज़ाइन शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों, व यावसायिकों और उद्योग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करने के लिए परिल्पित किया गया है, ताकि वे एक साथ आ सकें, जानकारी साझा कर सकें और दीर्घकालिक संबंध बना सकें।

यह उत्सव भारत के डिज़ाइन स्पेक्ट्रम को एक साथ लाने की दिशा में अहम कदम है जहाँ व्यवसायी संगठनों, डिज़ाइन छात्रों, सरकारी अधिकारियों और जनता को आपस में बातचीत करने का अवसर प्रदान करता है।

यह एक भव्य संगम है जिसमें प्रसिद्ध वक्ताओं द्वारा वार्ता, पूर्णकालिक चर्चा, स्टार्ट-अप सत्र, इंस्टॉलेशन, प्रदर्शनी स्टॉल, शिल पशालाएँ और विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शनों के रूप में विभिन्न डिज़ाइन स टाल प्रदर्शित किए जाते हैं।

तीसरा एमपीडीयू 2022 (फ्यूजन कॉन) 18-19-20 दिसंबर 2022 को आयोजित किया गया।

पहले दिन की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार मिश्रा, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और उद्घाटन के साथ हुई।

एमपीडीयू 2022 की शुरुआत मुख्य सभागार में रा.डि.सं. म.प्र. के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति, मुख्य अतिथि और निदेशक, रा.डि.सं. म.प्र. के वक तव यों के साथ हुई।

इसके बाद मुख्य अतिथि के साथ संस थान के निदेशक, कुलसचिव, सीएओ, सीएफए और एमपीडीयू समन्वयकों ने उन हें पुस्तक प्रदर्शनी, विक्रेता स्टॉल प्रदर्शन क्षेत्र, छात्रों के कार्यप्रदर्शन क्षेत्र और डिज़ाइन शॉप का दौरा कराया।

प्रदर्शन के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं: डिज़ाइन शॉप - छात्रों ने रा.डि.सं. म. प्र. की टी शर्ट और जर्सी के साथ-साथ आगंतुकों और उपस्थित लोगों को बेचने के लिए अपने शिल पों एवं कलाकृतियों को प्रदर्शित किया।

स्टॉल और प्रदर्शन - कलाकारों, उद्यमियों, गैर सरकारी संगठनों, मास्टर शिल्पकारों और कई अन्य विक्रेताओं के स्टॉल अकादमिक खंड कॉरिडोर में प्रदर्शित किए गए। मध्य प्रदेश के आदिवासी शिल्प - ढोकरा बेल मेटल शिल्प, गोंड कला, माहेश्वरी बुनाई, बाग से ब लॉक प्रिंटेड कपड़े विक्रेताओं को बेचने और बातचीत के लिए प्रदर्शित किए गए थे।

तीनों दिनों में टाई-डाई, खंड प्रिंटिंग, बाटिक प्रिंटिंग जैसे वस्त्रों पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जहाँ छात्रों ने भाग लिया और शिल्प का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

वेलाम्मल स्कूल के एक छात्र प्रतिनिधिमंडल ने तीन दिनों की कार्यशालाओं, कार्यक्रमों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और शिल पशाला यात्राओं के दौरान परिसर का दौरा किया और परिसर में निवास भी किया।

राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 250 से अधिक छात्रों ने परिसर का दौरा किया और छात्र स्वयंसेवकों द्वारा निर्देशित विभिन्न शिल पशालाओं और परिसर भ्रमण में भाग लिया।

संसाधन केंद्र में छात्रों के कार्य प्रस्तुत किए गए और औद्योगिक डिज़ाइन, संचार डिज़ाइन तथा कपड़ा एवं परिधान डिज़ाइन के सभी बैचों के छात्रों ने आगंतुकों के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ कार्यों को प्रदर्शित किया।

एनईपी 2020 पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें निदेशक, प्रख्यात शिक्षाविदों और रा.डि.सं.एमपी संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

प्रवीन कुमार मिश्रा, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल द्वारा एमपीडीयू 2022 का उद्घाटन

एचएसवीएन, भोपाल द्वारा प्रदर्शित स्टाल

कार्यशाला के गलियारों में पुस् तकों की प्रदिर्शनी। मुख् य अतिथि और निदेशक पुस् तकों के संग्रह् की ब्राउजिंग करते हुए

एमपीडीयू 2022 के दौरान ताड़ बुनाई कार्यशाला

एमपीडीयू 2022 के दौरान एआर/वीआर संगोष्ठी

एफआईएसपीए पैकेजिक डिज़ाइन प्रतियोगिता के विजेता - औद्योगिक डिज़ाइन ज्ञानानुशासन से छात्र

नई शिक्षा नीति पर संगोष ठी - सभी प्रतिभागी सदस यों एवं संकाय के साथ तस वीर

फ्यूजन कॉन - छात्र इंस टालेशन टीम द्वारा सजित कागज में इंस टालेशन

संसाधन केंद्र में सभी ज्ञानानुशासनों के छात्रों के शिल्प का प्रदर्शन

औद्योगिक डिज़ाइन से छात्रों के शिल्प का प्रदर्शन

संसाधन केंद्र में टीएडी ज्ञानानुशासन द्वारा छात्रों के शिल प का प्रदर्शन

मृतिका (क ले) में इंस टालेशन - एमपीडीयू 2022 की इंस टालेशन टीम द्वारा सृजित

7.2 "एनईपी और डिज़ाइन - सामंजस्य के क्षेत्र" पर संगोष्ठी

वर्ष 2022-23 में 20 दिसंबर 2022 (मंगलवार) को "एनईपी और डिज़ाइन - सामंजस्य के क्षेत्र" पर संगोष्ठी आयोजित की गई। निम्नलिखित सदस्यों को पेनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

क्र. सं.	पेनलिस्ट
(i)	प्रो. प्रवीण नाहर (रा.डि.सं. अहमदाबाद)
(ii)	प्रो. वी. रविशंकर (रा.डि.सं. असम)
(iii)	प्रो. शेखर मुखर्जी (रा.डि.सं. आंध्र प्रदेश)
(iv)	प्रो. धीरज कुमार (रा.डि.सं. मध्य प्रदेश)
(v)	प्रो. चंद्र चारु त्रिपाठी (एनआईटीटीटीआर)
(vi)	प्रो. जतिन भट्ट, बाह्य विशेषज्ञ
(vii)	प्रो. भार्गव मिस्त्री, बाह्य विशेषज्ञ/मॉडरेटर
(viii)	प्रो. के. बी. जिनान, बाह्य विशेषज्ञ
(ix)	प्रो. आफताब घर्दा, बाह्य विशेषज्ञ
(x)	सुश्री नीतिका देवगन, डीएल (एफ एस)
(xi)	श्री राहुल साहनी, डीएल (आई डी)
(xii)	श्री प्रमोद मार्शल, डीएल (सी डी)
(xiii)	सुश्री ज्योति पाल, डीसी (टी ए डी)

डिज़ाइन की प्रैक्टिस को लिखा गया है ताकि इस आइडिया व विचार का सपोर्ट किया जा सके कि यह एक प्रक्रिया है। भारतीय नैतिकता प्रणाली के शिक्षाशास्त्र में रूपांतरित होने के आधार पर भारत का डिज़ाइन दृष्टिकोण पिछले कुछ वर्षों में अद्वितीय रूप से विकसित हुआ है। हालाँकि एनईपी के अधिदेश और रा.डि.सं. द्वारा प्रयुक्त पद्धति के बीच कई समानताएँ हैं, किंतु इस विचार के साथ, यह अनुमान लगाया जाता है कि कुछ क्षेत्रों की पहचान की जाएगी जो वर्तमान ढांचे से संगत हो सकते हैं और इसकी प्रभावशीलता को बढ़ा सकते हैं।

7.3 हरित सौंदर्य मुहिम (ग्रीन ड्राइव)

रा.डि.सं. म.प्र. छात्रों और कर्मचारियों के बीच पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के उद्देश्य से साल भर चलने वाले हरित अभियान अर्थात ग्रीन ड्राइव के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल के तहत परिसर में रणनीतिक वृक्षारोपण किया जाता है, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों एवं वायु प्रदूषण को कम करने और संस्थान समुदाय के लिए छायादार तथा पर्यावरण अनुकूल वातावरण बनाने के लिए एक सक्रिय उपाय के रूप में कार्य करता है। ये वृक्षारोपण अभियान पेड़ लगाने के पारंपरिक तरीके से हटकर हैं; वे छात्रों के लिए मूल्यवान शैक्षिक अवसरों के रूप में कार्य करते हैं। वृक्षारोपण से जुड़े छात्रों को पर्यावरण विज्ञान, पारिस्थितिकी विज्ञान और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में पेड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। संस्थान इन अभियानों का उपयोग पर्यावरण और स्थिरता के बारे में सार्थक बातचीत शुरु करने के लिए एक मंच के रूप में करता है, जिससे छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच गहरी समझ को बढ़ावा मिलता है।

रा.डि.सं. म.प्र. में वृक्षारोपण का महत्व इस तथ्य से बढ़ जाता है कि परिसर मूल रूप से सीमित वनस्पति के साथ भूमि के एक चट्टानी हिस्से पर विकसित किया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए, संस्थान ने छात्रों, संकाय, कर्मचारियों, आउटसोर्स जनशक्ति और अभ्यागत गणमान्य व्यक्तियों के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से परिदृश्य को बदलने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। पिछले कुछ वर्षों में, परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में विविध प्रकार के पेड़ लगाए गए हैं, जिससे हरियाली में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इन प्रयासों की सफलता पिछले कुछ वर्षों में परिसर के पर्यावरण में आए स्पष्ट परिवर्तन में परिलक्षित होती है। लगातार और ठोस प्रयासों के माध्यम से, रा.डि.सं. म.प्र. ने न केवल अपने आस-पास के क्षेत्र को सुंदर बनाया है, बल्कि परिसर के विकास के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण को भी बढ़ावा दिया है। हरित अभियान पर्यावरण चेतना, शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो परिसर को ऐसा रूप देता है जो न केवल सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन है, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार भी है।

डॉ. जयंत सोनलाल कर, कुलपति, एमपीबीओयू ने भी इस अवसर पर वृक्षारोपण किया

7.4 स्थापना दिवस

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश 2023 का 5वां स्थापना दिवस 22 फरवरी 2023 को मनाया गया। महोत्सव के हिस्से के रूप में, सभी हितधारकों के लिए एक पौधारोपण अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अपने 5वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म. प्र.) ने हर्षोल्लास, सौहार्द और विनोद का अनुभव किया। संस्थान द्वारा सावधानीपूर्वक प्रबंधित, नियोजित और निष्पादित औपचारिक समारोह ने उत्सव और विचार-विमर्श के दिन की शुरुआत की।

औपचारिक समारोह की शुरुआत सम्मानित निदेशक और कुलसचिव द्वारा रा.डि.सं. म. प्र. बिरादरी को संबोधित करने के साथ हुई। उनके भाषणों में संस्थान की यात्रा, उपलब्धियों और आकांक्षाओं की झलक थीं । यह प्रेरणा और गर्व का क्षण था क्योंकि उन्होंने भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और उन सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया, जिन्होंने रा.डि.सं. म. प्र. को अपनी वर्तमान स्थिति में पहुंचाया है।

रा.डि.सं. म. प्र. के प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ उत्सव जारी रहा। पारंपरिक नृत्यों से लेकर समकालीन नाट्य प्रदर्शनों तक, सांस्कृतिक उत्सव में संस्थान के भीतर पोषित विविध कलात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनों ने न केवल मनोरंजन दिया, बल्कि इसमें रा.डि.सं. म. प्र. को प्रतिबिंबित करते हुए रचनात्मकता और नवोन्मेष का भी समावेश था।

रा.डि.सं. म. प्र. का 5वां स्थापना दिवस समारोह एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसमें औपचारिक विचारों को सांस्कृतिक उत्साह और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ जोड़ा गया। संस्थान द्वारा सावधानीपूर्वक योजना और निष्पादन ने सुनिश्चित किया कि यह दिन न केवल संस्थान की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि पूरे रा.डि.सं. म. प्र. समुदाय के प्रति आभार की अभिव्यक्ति भी थी। रा.डि.सं. म. प्र. क्या है, इस बारे में स्थापना दिवस ने उसकी यात्रा, उसके मूल्यों और जीवंत रचनात्मकता की याद दिलाई जो इसकी दीवारों के भीतर फलती-फूलती रहती है।

NIDMP INVITES YOU WITH FAMILY TO CE
5TH FOUNDATION D

7.5 परिसर में अमूल पार्लर का उद्घाटन

6 अक्टूबर, 2022 को, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश एक अमूल कैफे कियोस्क के रोमांचक उद्घाटन का गवाह बना, जिसने ऊजामयी परिसर में एक मनोरम वातावरण पैदा किया। इस कार्यक्रम में रा.डि.सं. म.प्र. समुदाय के लिए अमूल के विभिन्न प्रसिद्ध डेयरी उत्पादों और जलपान के लिए एक सुविधाजनक और आकर्षक स्थान की शुरुआत की गई। डेयरी उद्योग में एक विश्वसनीय और प्रतिष्ठित ब्रांड 'अमूल' के साथ सहयोग, अपने समुदाय के सदस्यों के समग्र अनुभव को बढ़ाने के लिए रा.डि.सं. म.प्र. की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अमूल कैफे कियोस्क ने पहले ही रा.डि.सं. म.प्र. समुदाय से सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ प्राप्त की हैं, जिसमें छात्रों ने कक्षाओं के बीच अमूल के व्यंजनों का उपभोग करने की संभावना को व्यक्त किया है, और संकाय ने अनौपचारिक चर्चाओं के लिए एक सुविधाजनक बैठक स्थल की सराहना की है।

7.6 समारोह :-

7.6.1 स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता के गौरवशाली 75 वर्षों के उपलक्ष्य में, संस्थान ने छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवारों के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ 15 अगस्त को 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। संस्थान के कर्मचारियों को अभियान : हर घर तिरंगा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया ।

7.6.2 गणतंत्र दिवस समारोह:-

संस्थान ने 26 जनवरी 2023 को छात्रों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ 74वां गणतंत्र दिवस मनाया।

7.6.3 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस:-

संस्थान ने महिलाओं की उपलब्धियों को मान्यता देने और लैंगिक समानता के लिए चल रहे संघर्ष के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए 08 मार्च 2023 को महिला दिवस मनाया।

7.6.4 विश्वकर्मा जयंती

विश्वकर्मा जयंती शिल्पशाला में 17 सितंबर 2022 को मनाई गई, यह दिन दिव्य वास्तुकार, भगवान् विश्वकर्मा को सम्मानित करने के लिए समर्पित एक पुनीत अवसर व दिन होता है। उत्सव के दौरान एक पारंपरिक हवन किया गया और हमारे औजारों, मशीनरी और उपकरणों के लिए भगवान् विश्वकर्मा का आशीर्वाद मांगा। साथ ही, उत्सव में उपस्थित सभी लोगों ने हमारे संस्थान के समुदाय की सफलता और उन्नति के लिए प्रार्थना की।

विश्वकर्मा जयंती, जिन्हें वास्तुकला और अभियांत्रिकी के देवता के रूप में पूजा जाता है, के उपलक्ष्य में भगवान् विश्वकर्मा को विश्व के रचयिता के साथ-साथ यांत्रिकी और वास्तुकला के विज्ञान के पीछे के सूत्रधार के रूप में पूजा जाता है और उनकी जयंती मनाई जाती है। यह दिन डिज़ाइन और इंजीनियरिंग की दुनिया में निहित सरलता और शिल्प कौशल की याद दिलाता है, और हमें अपने प्रयासों में प्रगति और समृद्धि हासिल करने के लिए उनसें आशीर्वाद मांगने के लिए प्रेरित करता है।

संस्थान में विश्वकर्मा जयंती मनाई गई। कर्मचारियों ने हवन में भाग लिया और औजारों, मशीनरी और उपकरणों के लिए भगवान् विश्वकर्मा का आशीर्वाद मांगा।

विश्वकर्मा जयंती संस्थान में मनाई गई। कर्मियों ने हवन में भाग लिया और यंत्रों, मशीनरी एवं उपकरणों के लिए भगवान् विश्वकर्मा के आर्शीवाद की कामना की गई

7.6.5 दिवाली (2022)

दीपावली, जिसे प्रकाश व रोशनी का त्योहार माना जाता है, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश (एन आई डी) में एक हर्षोल्लास और बड़े पैमाने पर मनाई जाती है। यह छात्रों, शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों और सहायक कर्मचारियों को एक जीवंत और उत्सवमय माहौल में एकजुट करता है। पूरा रा.डि.सं. समुदाय इस महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम को मनाने के लिए एक साथ आगे आता है, जो एकजुटता और साझा परंपराओं की भावना को बढ़ावा देता है।

रा.डि.सं. म. प्र. में दिवाली समारोह सांस्कृतिक विविधता और समावेशिता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। परिसर में कई तरह की गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जो भारतीय परंपराओं और रचनात्मकता की समृद्ध झलक दर्शाते हैं। दिवाली क अवसर पर परिसर को रंगीन और जटिल रंगोली डिज़ाइन, चमकीले दीये (तेल के दीये) और सजावटी रोशनी से सजाया गया। इमारतें और आम क्षेत्र दिवाली के माहौल को दर्शाते हुए एक दृश्य वातावरण में बदल गईं।

छात्र नृत्य, संगीत और रंगमंच सहित सांस्कृतिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। ये प्रदर्शन उत्सव में कला की छटा बिखेरते हैं। कई उपस्थित लोगों ने पारंपरिक भारतीय परिधानों, जैसे कि साड़ी, कुर्ता-पायजामा और शेरवानी पहनकर उत्सव के माहौल को और भी खास बना दिया। रंगोली उत्सव का मुख्य आकर्षण होती है, जो छात्रों और कर्मचारियों को गहन और रंगीन रंगोली डिज़ाइन बनाकर अपने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

दिवाली के दौरान उपहारों, विशेष रूप से दीये और मिठाइयों का आदान-प्रदान एक हर्षोल्लास की परंपरा है। रा.डि.सं. म.प्र. समुदाय सद्भावना और मित्रता के इन प्रतीकों का आदान-प्रदान करता है।

दिवाली के शुभ दिन पर, समृद्धि और कल्याण के लिए आशीर्वाद लेने हेतु श्रीमहालक्ष्मी पूजा का आयोजन किया गया। यह उत्सव के दौरान एक गंभीर और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण क्षण था।

रा.डि.सं. म.प्र. में दिवाली एक ऐसा समय होता है जब पूरा समुदाय विविधता में एकता की भावना, कलात्मक अभिव्यक्ति और भारत की सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने के लिए एक साथ आता है। यह छात्रों और कर्मचारियों के अपने विविध समुदाय के बीच जुड़ाव और समावेशिता की भावना को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

दिवाली उपहारों का वितरण

7.7 स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर, 2014 को शुरु किया गया था, जिन्होंने स्वच्छता और सफाई को स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के लिए आवश्यक बताया था। अभियान स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित है, जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रामीण स्वच्छता, सार्वजनिक और व्यक्तिगत स्वच्छता और खुले में शौच का उन्मूलन शामिल है।

स्वच्छ भारत अभियान के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- शौचालयों का निर्माण: इस अभियान का उद्देश्य हर घर में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, खुले में शौच की प्रथा को समाप्त करने के लिए शौचालय का निर्माण करवाना है। यह सभी के लिए उचित स्वच्छता सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित करके "स्वच्छ भारत" की अवधारणा को बढ़ावा देता है।

- संव्यवहारात मक परिवर्तन: स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छता और सफाई के प्रति संव्यवहारात मक परिवर्तन की आवश्यकता पर जोर देता है। इसका उद्देश्य लोगों में अपने आस-पास स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाना और उन्हें उचित स्वच्छता प्रथाओं को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना है।

- अपशिष्ट प्रबंधन: यह अभियान अपशिष्ट के स्रोत पर उसके पृथक्करण, उचित निपटान और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देकर प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है। इसका उद्देश्य कूड़े-कचरे को कम करना और जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देना है।

- सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता: स्वच्छ भारत अभियान सार्वजनिक स्थानों जैसे सड़कों, पार्कों और पर्यटन क्षेत्रों में स्वच्छता को प्रोत्साहित करता है। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सार्वजनिक क्षेत्रों में भी स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर जोर देता है ताकि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाया जा सके।

- संस्थागत स्वच्छता: यह अभियान स्कूलों, कॉलेजों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में स्वच्छ और स्वास्थ्यकर शौचालयों के निर्माण और रखरखाव को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों के लिए स्वच्छ और स्वास्थयवर्धक वातावरण प्रदान करना है।

स्वच्छ भारत अभियान ने अपने शुभारंभ के बाद से महत्वपूर्ण प्रगति देखी है, देशभर में लाखों शौचालयों का निर्माण किया गया है और स्वच्छता और साफ-सफाई के बारे में जागरुकता बढ़ाई गई है। हालांकि, स्वच्छ और खुले में शौच मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना एक सतत प्रयास है जिसके लिए सरकार, समुदायों और व्यक्तियों की निरंतर भागीदारी की आवश्यकता है।

इस अभियान ने न केवल स्वच्छता और सफाई के तरीकों में सुधार किया है, बल्कि अपशिष्ट प्रबंधन और शौचालय निर्माण के क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं। इसे संयुक्त राष्ट्र के स्वच्छता तक सार्वभौमिक पहुँच के सतत विकास लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में वैश्विक स्तर पर मान्यता दी गई है।

कुल मिलाकर, स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य स्वच्छता, सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दों को हल करके एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत बनाना है। यह भारत को एक ऐसे देश में बदलने का सामूहिक प्रयास है जहाँ स्वच्छता जीवन जीने की एक अनिवार्यता है।

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के डीपीआईआईटी द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में और देशव्यापी स्वच्छता अभियान के दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाने के लिए, रा.डि.सं. म.प्र. के कर्मचारियों और छात्रों के बीच स्वच्छता, सद्भाव और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान शुरु किया गया है।

कर्मचारियों और छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, निम्नलिखित बिंदुओं को लागू किया गया है: -

1. संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित सफाई अभियान / कार्यक्रमों के लिए हर महीने का आखिरी 'गुरुवार' शाम 05:00 बजे से 06:00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

2. स्वच्छ भारत अभियान के लिए एक समर्पित ईमेल आईडी (sba@nidmp.ac.in) बनाई गई है। यदि कोई कर्मचारी/छात्र फीडबैक या सुझाव देना चाहता है, तो वह इस ईमेल आईडी पर भेज सकता है।

3. उपरोक्त ईमेल आईडी पर सुझाव/फीडबैक भेजने के अलावा, छात्रों/कर्मचारियों के पास परिसर में मौजूद सुझाव पेटिका के माध्यम से भी अपने सुझाव/फीडबैक जमा करने का विकल्प है।

4. सभी कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपने डेस्क और कार्यस्थल को साफ करने के लिए सभी कार्य दिवसों में शाम 05:30 बजे से 06:00 बजे तक 30 मिनट का श्रमदान करें।

5. छात्रों के लिए "स्वच्छ भारत हेतु नवोन्मेष" विषय पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। शीर्ष 3 स्थानों के लिए पुरस्कार वितरित किए गए, यथा प्रथम पुरस्कार - ₹ 2000/- (सुश्री हेस्सा सालिह बैच 2019-23), द्वितीय पुरस्कार - ₹ 1000/-, तृतीय पुरस्कार - ₹ 500/-।

6. कर्मचारियों के लिए "जहाँ आंतरिक और बाह्य स्वच्छता है, वहाँ ईश्वरत्व है" विषय पर स्लोगन-मेकिंग अर्थात नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। शीर्ष 3 स्थानों के लिए पुरस्कार इस प्रकार थे: प्रथम पुरस्कार - ₹ 1000/- (श्री नीरज तहिलियानी), द्वितीय पुरस्कार - ₹ 750/- (श्री रामप्रसाद विश्वकर्मा), तृतीय पुरस्कार - ₹ 500/- (श्री पुष्पेंद्र यादव)।

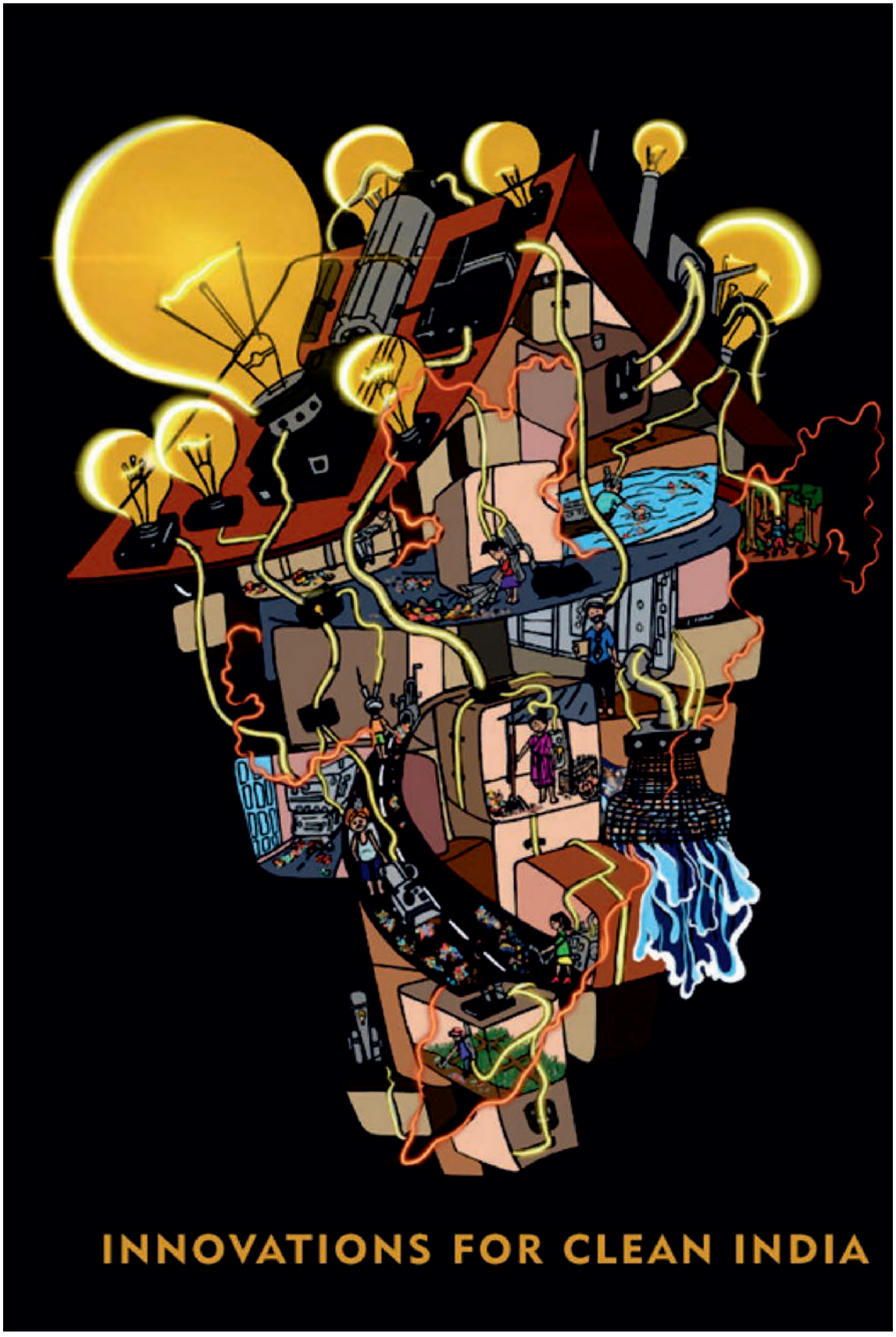

सुश्री हेस्सा सालिह बैच 2019-23 द्वारा डिज़ाइन किया गया, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता की विजेता

का
महोत्सव

7.8 रा.डि.सं. म.प्र. में के निवासियों की जीवनचर्या

रा.डि.सं. म.प्र. के परिसर के निवासियों के लिए जीवनचर्या एक बहुमुखी अनुभव है क योंकि उनका दृष्टिकोण समुदाय, कल्याण और बौद्धिक विकास की भावना को बढ़ावा देता है। भोपाल के बाहरी इलाके में स्थित 16 आवासीय इकाइयाँ न केवल आवास व यवस था प्रदान करती हैं, बल्कि कर्मचारियों के बीच एकजुटता की भावना भी पैदा करती हैं, जिससे सहयोग के लिए एक आदर्श वातावरण बनता है। संस्थान अपने निवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण पर विशेष जोर देता है। संस थान ने बुनियादी चिकित्सा सेवाओं के लिए एक समर्पित स्वास्थ्य केंद्र स थापित किया है और एक वेलनेस काउंसलर नियुक त किया है जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और परामर्श और चिकित्सा के माध्यम से कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए नियमित रूप से दौरा करता है।

मल्टी फैसिलिटी रिजुवेनेशन सेंटर (एमएफआरसी) शारीरिक फिटनेस, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक संपर्क के लिए विकल्पों की एक श्रृंखला प्रदान करके जीवन के अनुभव को और समृद्ध करता है। व्यायाम उपकरण, आंतरिक खेल सुविधाओं, संगीत वाद्ययंत्रों और एक निर्दिष्ट योग क्षेत्र के साथ, एमएफआरसी निवासियों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने, तनाव कम करने और उनके समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। ओपन जिम सभी उम्र के लोगों और तंदुरस त दिखने वाले लोगों को वर्कआउट और व्यायाम करने के अवसर प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त, परिसर में मोबाइल एटीएम बैंकिंग सुविधा, पौष्टिक और विविध भोजन प्रदान करने वाली मेस सुविधा भी है जो यह सुनिश्चित करती है कि निवासियों को आवश्यक सेवाओं तक पहुँच प्राप्त हो। मेस समिति समुदाय की प्राथमिकताओं और आहार संबंधी आवश्यकताओं की सचेत रहकर पूर्ति करती है, जिससे संतोषजनक भोज य अनुभव मिलता है।

अधिगम और ज्ञान साझा करने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान अपने निवासियों को पुस्तकालय सुविधाएँ प्रदान करता है, जिससे उन्हें पुस्तकों, पत्रिकाओं और शिक्षण सामग्री तक पहुँच मिलती है। रा.डि.सं. म.प्र. का पुस तकालय बौद्धिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है, जहाँ कर्मचारी सार्थक बातचीत करने और अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए इकट्ठा होते हैं। इस पहल का उद्देश्य परिसर में एक जीवंत और बौद्धिक रूप से तेजस वी समुदाय का निर्माण करना है, जो निवासियों के जीवन की समग्र गुणवत्ता को समृद्ध करे।

निवासी हरित अभियान में भाग लेते हुए

7.9 छात्रों की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म. प्र.) में, छात्रों को खेल, संगीत, नाटक, सामुदायिक सेवा और विभिन्न क्लबों सहित विविध प्रकार की गतिविधियों में अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षा के प्रति यह समग्र दृष्टिकोण इस सोच पर आधारित है कि ऐसी गतिविधियाँ अच्छी तरह से विकसित व्यक्तियों को मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी से प्राप्त होने वाले प्रमुख लाभों में सामाजिक कौशल का विकास सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। एक टीम के रूप में खेल भावना, संगीत में एकत्र होना या समूह परियोजनाओं में सहयोगी प्रयासों के माध्यम से, छात्र न केवल प्रभावी ढंग से संवाद करना सीखते हैं, बल्कि स्वयं में टीम वर्क और नेतृत्व गुणों को भी विकसित करते हैं।

ये अनुभव पारंपरिक पाठशाला से इतर प्राप्त किए जाते हैं, छात्रों को पारस्परिक कौशल अपनाने और उन्हें परिष्कृत करने के लिए एक व्यावहारिक मंच प्रदान करते हैं। यह शिक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिसे अक्सर पारंपरिक शैक्षणिक व्यवस्था में अनदेखा किया जाता है।

इसके अलावा, जो छात्र सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में संलिप्त रहते हैं, वे स्वयं में मूल्यवान समय प्रबंधन कौशल विकसित करते हैं। विभिन्न गतिविधियों के साथ शैक्षणिक प्रतिबद्धताओं को संबद्ध करने के लिए प्रभावी योजना और संगठन की आवश्यकता होती है तथा कार्यों को प्राथमिकता देने और समय-सीमा का पालन करने की क्षमता विकसित करते हैं। समय प्रबंधन सिद्धांतों का यह व्यावहारिक अनुप्रयोग व्यावसायिक दुनिया की चुनौतियों के लिए किसी छात्र को समग्र रूप से तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

रा.डि.सं. म.प्र. में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों का दायरा विविध रुचियों और प्रतिभाशाली छात्रों की पूर्ति करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे छात्रों को नए कौशल तलाशने और खोजने का मौका मिलता है। चाहे नाटकीय कला की दुनिया में जाना हो, संगीत कौशल का प्रदर्शन करना हो या सामुदायिक सेवा पहल में योगदान देना हो, छात्रों को अपने क्षितिज को व्यापक बनाने और छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने का अवसर मिलता है। यह अन्वेषण न केवल व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है बल्कि आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान की भावना को भी पोषित करता है।

व्यक्तिगत विकास से परे, ये गतिविधियाँ छात्रों के बीच समुदाय और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भागीदारी से रिश्ते और संबंध बनते हैं जो पाठ्यशाला की सीमाओं से परे फैलते हैं, संस्थान के भीतर एक सामूहिक अस्मिता और भाव का निर्माण करते हैं। अपनेपन का यह भाव एक सकारात्मक और सहायक शिक्षण वातावरण में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जहाँ छात्र अभिप्रेरित होते हैं और अपने साथियों और संस्थान से जुड़ते हैं।

इसके अलावा, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी उनके जीवनवृत्त अर्थात रिज्यूमे को सुदृढ़ बनाती है। नियोक्ता और शैक्षणिक संस्थान विविध प्रकार के कौशलों और कई जिम्मेदारियों को संतुलित करने की क्षमता वाले व्यक्तियों को तेजी से महत्व देते हैं। इस संदर्भ में, विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी छात्र की बहुमुखी प्रतिभा, जुनून और व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता के ठोस सबूत के रूप में कार्य करती है।

इन अनुभवों के महत्व को स्वीकार करते हुए, रा.डि.सं. म. प्र. सक्रिय रूप से छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का सक्रियता से आयोजन करता है। ये कार्यक्रम न केवल छात्रों की प्रतिभा और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हैं बल्कि समग्र शिक्षा के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करते हैं। अन्वेषण, सहयोग और व्यक्तिगत विकास को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण को बढ़ावा देकर, रा.डि.सं. म. प्र. छात्रों को न केवल अकादमिक सफलता के लिए, बल्कि वास्तविक दुनिया की बहुमुखी चुनौतियों के लिए भी तैयार करने का प्रयास करता है।

फाउंडेशन स्टडीज के छात्रों के कार्यों की एक झलक

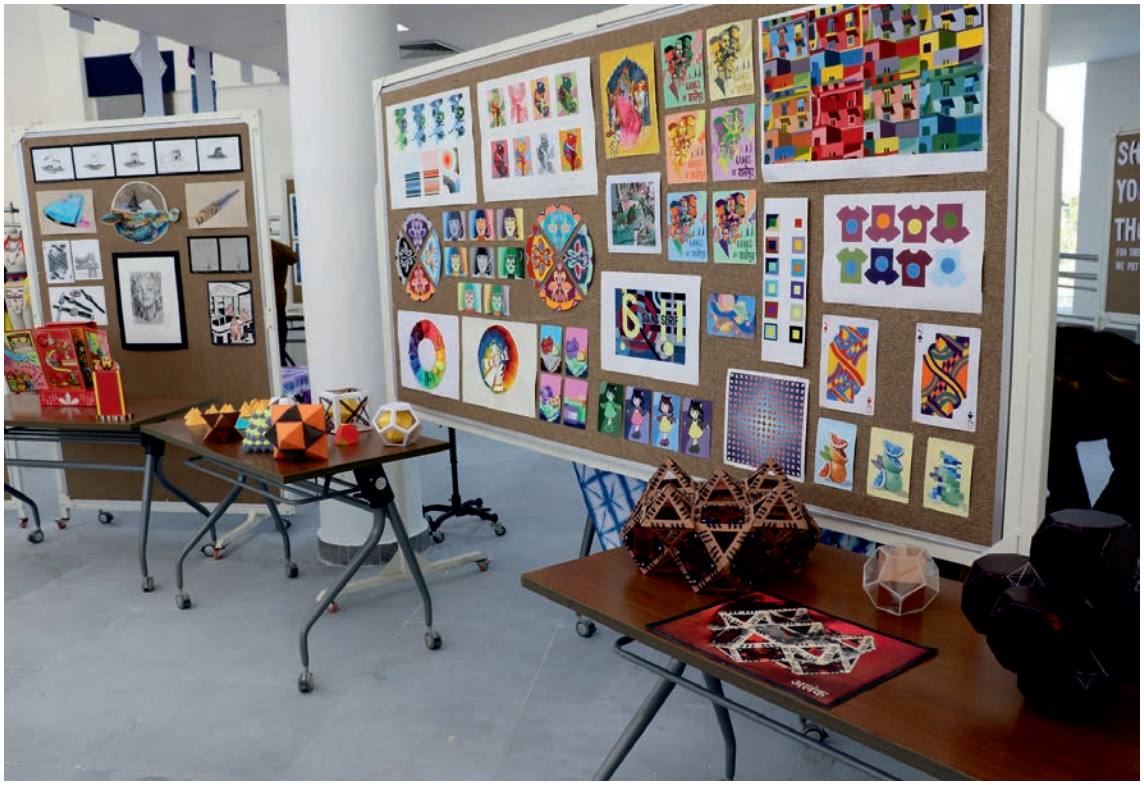

स टूडेंट जूरी के कार्य का प्रदर्शन

औद्योगिक डिज़ाइन के छात्रों द्वारा निर्मित प्रोटोटाइप का प्रदर्शन

उत्सव समारोह

परिसर में अन्वेषण और बाह्य गतिविधियाँ

परिसर में रहने के दौरान, छात्र कई तरह की गतिविधियों में शामिल होते हैं जो उन्हें कक्षा से परे अनुभव प्राप्त करने में सहायता करती हैं, जिससे उन्हें अकादमिक गतिविधियों और रचनात्मकता दोनों में खुद को तल्लीन होने का मौका मिलता है। ये बाह्य दौरे और गतिविधियाँ उनके शिक्षण अनुभव का एक अभिन्न अंग हैं।

(i) शैक्षणिक दौरे: अपनी शैक्षणिक यात्रा के हिस्से के रूप में, छात्रों को शहर के भीतर विशिष्ट स्थानों पर जाने का अवसर मिलता है। ये दौरे अक्सर उनके पाठ्यक्रम में सन्निहित होते हैं और उनके अध्ययन हेतु वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों की मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। औद्योगिक दौरे भी पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक हैं, जो छात्रों को उनके द्वारा चुने गए अध्ययन क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान करते हैं।

(ii) आउटडोर कार्यशालाएँ: संस्थान बाह्य कार्यशालाओं का आयोजन करता है जहाँ छात्र डिज़ाइन की बुनियादी बारीकियों को सीखते हैं। ये कार्यशालाएँ छात्रों को अपनी रचनात्मकता को उजागर करने और बाहरी दुनिया की प्रेरणादायी सुंदरता से जुड़े रहते हुए अपनी खुद की कलाकृतियाँ बनाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

(iii) डिज़ाइन टूर: छात्र निर्देशित डिज़ाइन टूर पर जाते हैं, जहाँ वे वास्तुशिल्प चमत्कारों, इमारतों और स्मारकों के शिल्प की जटिल बारीकियों का पता लगाते हैं। ये टूर न केवल उक्त इमारतों के इतिहास की महत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं, बल्कि डिज़ाइन की कला के प्रति गहन आकर्षण भी प्रदान करते हैं।

(iv) प्रकृति के बीच डिज़ाइन: प्रकृति से जुड़कर, छात्र अपने डिज़ाइन को तैयार करने के लिए प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करके रचनात्मक प्रक्रियाओं में खुद को डुबो देते हैं। यह अनुभव उन्हें अपने डिज़ाइन कार्य में प्राकृतिक दुनिया की सुंदरता और संसाधनों का दोहन करने में सहायता करता है।

ये आउटडोर दौरे और गतिविधियाँ न केवल शैक्षिक हैं, बल्कि रचनात्मकता को प्रेरित करने, डिज़ाइन की गहरी समझ को बढ़ावा देने और चौतरफा अधिगम का अनुभव प्रदान करने का कार्य भी करती हैं जो कक्षा की सीमाओं से परे की बात है।

फ़ैक्टरी में औद्योगिक पैकिंग प्रक्रिया के बारे में छात्र जानकारी प्राप्त करते हुए

कोरुगेटेड विनिर्माण प्रसंस्करण के बारे में छात्र शिक्षा ग्रहण करते हुए

औद्योगिक दौरे के दौरान चर्चा

काउंसलिंग

संस्थान ने एक अभ्यागत अर्थात विज़िटिंग वेलनेस काउंसलर की सेवाओं को नामबद्ध करके अपने छात्रों के मानसिक उत्थान हेतु एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है। यह समर्पित व्यावसायिक काउंसलर छात्रों के साथ नियमित रूप से व्यक्तिगत तौर पर सत्र आयोजित करता है, जिसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की चिंताओं पर चर्चा करने के लिए एक मंच माना जाता है।
काउंसलर की विशेषज्ञता छात्रों को अपनी भावनाओं को संयमित करने, तनाव से निपटने, अवसाद से निपटने और चिंता तथा अन्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों से निपटने में सहायता करने में मूल्यवान रही है। वह छात्रों को उनकी चुनौतियों से निपटने में मार्गदर्शन देती है, उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सशक्त बनाती है।

तत्काल चिंताओं को हल करने के अलावा, काउंसलर छात्रों की सहिष्णुता, स्व-जागरुकता और आत्म-सम्मान बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है, जो उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होते हैं। काउंसलर की विशेषज्ञता में शामिल हैं: परामर्श, मनोचिकित्सा और पुनर्वास: मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए व्यक्ति दर व्यक्ति सहायता प्रदान करना।

परामर्श, प्रारंभिक हस्तक्षेप और पुनर्वास: मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की तुरंत पहचान करने और उनका समाधान करने के लिए प्रारंभिक स्तरीय सेवाएँ प्रदान करना, ताकि उनका समग्र कल्याण को बढ़ावा मिले।

जागरुकता और संवेदनशीलता कार्यक्रम: परिसर समुदाय के भीतर मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरुकता और संवेदनशीलता को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम आयोजित करना और पहलें करना।

संस्थान अपने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए व्यापक सहायता प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है, और वह मानता है कि स्वस्थ दिमाग किसी व्यक्ति की समग्र सफलता और समृद्धि का अभिन्न अंग है।

7.10 अच्छी प्रथाएं:-

7.10.1 स्टाफ वेलनेस ऑवर:-

रा.डि.सं. म.प्र. ने अपने कार्यबल के समग्र स्वास्थ्य, कल्याण और सामंजस्य की भावना को बेहतर बनाने के लिए 'स्टाफ वेलनेस ऑवर' की अवधारणा को लागू किया है।

इस पहल में, स्टाफ सदस्यों को खेल-कूद, योग, वाचन, जिम, संगीत और हॉबी जैसी गतिविधियों के माध्यम से हर हफ्ते एक घंटा अपने स्वास्थ्य के लिए समर्पित करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

7.10.2 मासिक स्वच्छता अभियान:-

रा.डि.सं. म.प्र. के कर्मचारियों और छात्रों के बीच स्वच्छता, सद्भावना और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान शुरु किया गया है।

इस संबंध में, प्रत्येक माह के अंतिम गुरुवार को एक घंटा (सायं 05:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक) संस्थान में स्वच्छता अभियान या स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित किसी अन्य कार्यक्रम के लिए निर्धारित किया गया है।

7.10.3 जैविक अपशिष्ट परिवर्तक:-

उच्च गुणवत्ता वाली कम्पोस्ट खाद बनाने के अपने प्रयासों के तहत, संस्थान ने एक जैविक कम्पोस्टिंग मशीन खरीदी है। कम्पोस्टर का उपयोग विभिन्न प्रकार के खाद्य अपशिष्टों, जैसे कि सब्ज़ियाँ, गैर-सब्ज़ियाँ, अंडे, फलों और सब्जियों के छिलके और बचे हुए भोजन को कम्पोस्ट करने के लिए किया जाता है। यह परिवर्तक अपशिष्ट अथवा मल जल उत्सर्जित नहीं करता, कोई गंध नहीं छोड़ता और कोई विषाक्त पदार्थ प्रदर्शित नहीं करता है। कम्पोस्ट खाद से विभिन्न बागवानी गतिविधियाँ की जा सकती हैं।

जैविक कचरे को कम्पोस्ट करने के पारंपरिक तरीकों की तुलना में, कम्पोस्टर तकनीक प्रसंस्करण प्रक्रियाओं को पूरा करने में कम घंटे लेती है। इसके अतिरिक्त, यह संस्थान के अपशिष्ट प्रबंधन में भी सहायता करती है।

चूँकि मशीन पूरी तरह से स्वचालित है, इसलिए इसे चलाने में श्रमशक्ति की बचत होती है। इसे एक व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा सकता है, अक्सर अंशकालिक आधार पर।

7.10.4 जैव-चिकित्सा अपशिष्ट संग्रहण:-

संस्थान ने जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के साथ-साथ उपयोग किए गए सैनिटरी पैड को वैकल्पिक दिनों पर एकत्रित करने तथा पर्यावरण मानकों के अनुसार परिसर के बाहर निपटान के लिए एक व्यावसायिक सेवा का अनुबंध किया है।

7.10.5 सी.आर. के साथ मासिक बैठक:-

शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सभी छात्रों से जुड़ने तथा उनकी समस्याओं के उचित समाधान के लिए, संस्थान ने सभी सी.आर. के साथ एक इंटरैक्टिव मासिक बैठक शुरु की है।

7.10.6 कर्मचारियों की साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच:

संस्थान ने साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच पहल शुरु की है जो हर सोमवार को निर्धारित की गई है । इस पहल के भाग के रूप में, सभी कर्मचारियों के बुनियादी स्वास्थ्य मापदंडों (जैसे रक्त चाप, ओ2 स्तर, बुखार, नाड़ी आदि) की जांच नर्सिंग सहायक द्वारा की जाती है तथा उचित रिकॉर्ड कायम किया जाता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान में प्रशिक्षित नर्सिंग सहायक तथा 02 विजिटिंग डॉक्टर हैं जो चौबीसों घंटे उपलब्ध होते हैं।

7.10.7 'आगाज़':-

"आज़ादी का अमृत महोत्सव" थीम के तहत एक विशेष पहल 'आगाज़' शुरु की गई। उक्त पहल के तहत, संस्थान ने 08 फरवरी 2023 को अपने छात्रों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए परिसर के भीतर परिवहन का एक सुविधाजनक और पर्यावरण-अनुकूल माध्यम प्रदान करने के लिए 20 साइकिलें (पुरुषों के लिए 10 साइकिलें और महिलाओं के लिए 10 साइकिलें) उपलब्ध कराई हैं।

7.10.8 ई-कार्यालय का कार्यान्वयन:-

संस्थान के कर्मचारियों के लिए 01 दिसंबर 2022 से ई-ऑफिस एप्लिकेशन सक्रिय कर दिया गया है। संस्थान में ई-कार्यालय को कार्यदक्षता में सुधार लाने, कागजी कार्रवाई को कम करने और संचार को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने तथा उन्हें स्वचालित करने के लिए क्रियान्वित किया गया है।

7.10.9 साइबर जागरुकता कार्यशालाएँ:

साइबर-सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने हेतु, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश ने वर्ष 2022 के दौरान अपने कर्मचारियों के लिए मासिक साइबर सुरक्षा कार्यशालाएँ आयोजित करके एक सक्रिय पहल की। मई से दिसंबर तक, इन कार्यशालाओं ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में हमारे कार्यबल के ज्ञान और जागरुकता को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया। सत्रों में ऑनलाइन सुरक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं से लेकर खतरे का पता लगाने और रोकथाम में नवीनतम प्रगति तक कई विषयों पर चर्चा की गई। आकर्षक और संवादात्मक, इन कार्यशालाओं का उद्देश्य न केवल हमारे कर्मियों को डिजिटल परिदृश्य को सुरक्षित रूप से नेविगेट करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना था, बल्कि संवेदनशील सूचना के रक्षोपाय हेतु हितधारकों के बीच सतर्कता और जिम्मेदारी की संस्कृति को भी विकसित करना था।

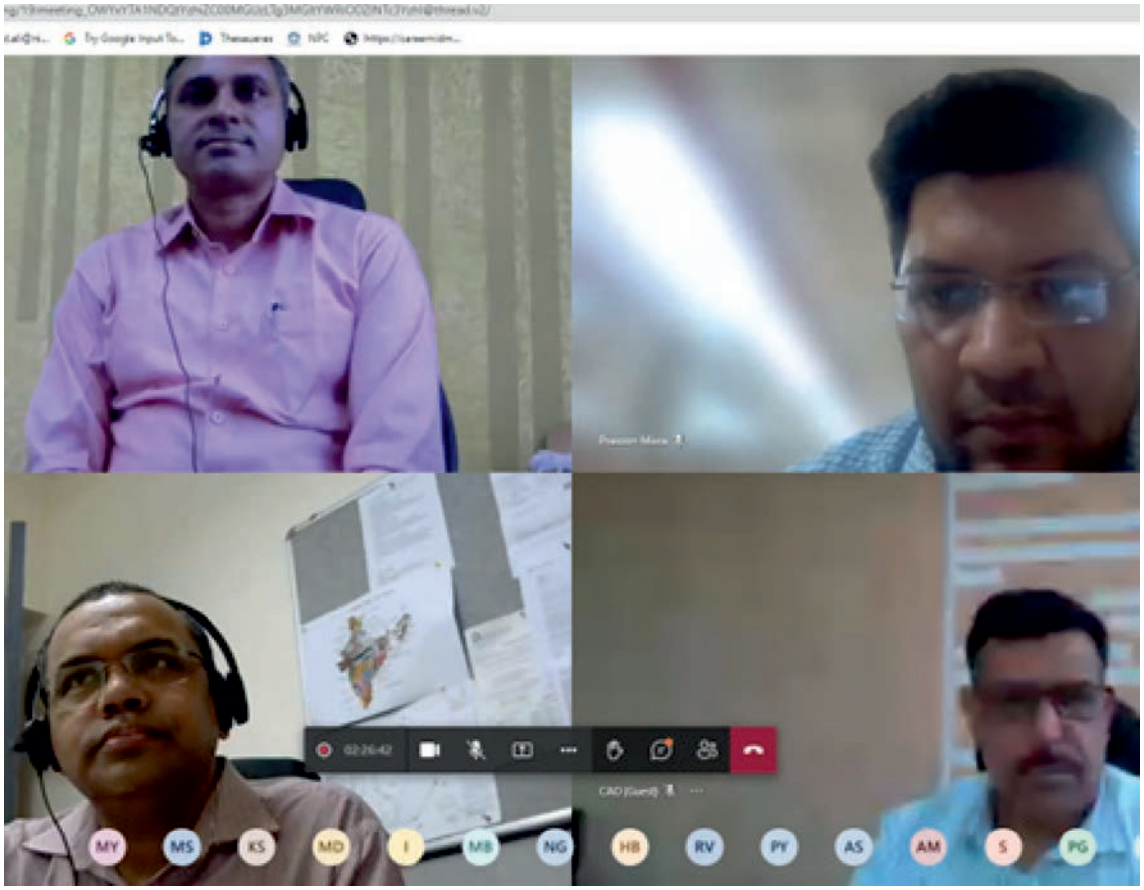

7.10.10 आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारियों के लिए मासिक स्वास्थ्य दौड़: हमारे आउटसोर्स सुरक्षा कर्मियों के समग्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए एक ठोस प्रयास के रूप में, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश ने अक्टूबर 2022 में मासिक स्वास्थ्य दौड़ की शुरुआत की। यह पहल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है, बल्कि सुरक्षा कर्मियों के बीच सौहार्द और एकता की भावना को भी बढ़ावा देती है।

7.10.11 परिसर में स्टेशनरी दुकान का प्रावधान:

जुलाई 2022 में, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश (रा.डि.सं. म. प्र.) में एक उल्लेखनीय वृद्धि स्टेशनरी एवं यूटिलिटी दुकान के उद्घाटन के साथ हुई। अचारपुरा में शहर के बाहरी इलाके में स्थित, यह दुकान रा.डि.सं. म. प्र. के छात्रों और निवासियों के लिए सुविधा का केंद्र बन गई है।

शहर के बाहरी इलाके में स्थित, रा.डि.सं. म. प्र. ने अपने छात्रों और निवासियों के लिए आवश्यक आपूर्ति तक पहुँच न होना एक भारी चुनौती थी। इस ज़रूरत को समझते हुए, स्टेशनरी एवं यूटिलिटी दुकान की स्थापना का उद्देश्य इस अंतर को पाटना है, जो परिसर के भीतर ही विभिन्न ज़रूरतों के लिए एक ही स्थान पर अनेक सामग्रियां उपलब्ध कराती है।

यह दुकान छात्रों की विविध ज़रूरतों को पूरा करती है, और उनके शैक्षणिक लक्ष्यों के लिए ज़रूरी स्टेशनरी आइटम की एक व्यापक रेंज उपलब्ध कराती है। नोटबुक और पेन से लेकर कला की आपूर्ति तक, यह दुकान सुनिश्चित करती है कि छात्रों को शहर में किसी केंद्र तक जाने की परेशानी के बिना उनकी ज़रूरत की हर चीज़ उक त दुकान में आसानी से मिल जाए।

7.10.12 राजभाषा कार्यान्वयन पर संसदीय समिति द्वारा निरीक्षण

राजभाषा कार्यान्वयन पर संसदीय समिति द्वारा राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्य प्रदेश का निरीक्षण किया गया, जिसे विशेष रूप से राजभाषा (आधिकारिक भाषा) नीतियों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करने का कार्य सौंपा गया था।

निरीक्षण में संस्थान के भीतर राजभाषा के कार्यान्वयन के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। दस्तावेज़ीकरण और संचार प्रोटोकॉल से लेकर राजभाषा से संबंधित संसाधनों और प्रशिक्षण के प्रावधान तक, संसदीय समिति ने राजभाषा अनुपालन के हर पहलू की जांच की। संस्थान में राजभाषा के कार्यान्वयन के संबंध में समिति से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्य प्रदेश की ओर से प्रोफेसर धीरज कुमार, निदेशक माननीय संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरी महताव जी का अभिवादन करते हुए। इसी दौरान संस्थान ने समस्त समिति सदस्यों को अनूठा स्मृति चिन्ह भेंट किया।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति के सदस्यों द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान के अधिकारी

माननीय संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तुहरी महताव जी स्मृति चिन्ह का निरीक्षण करते हुए

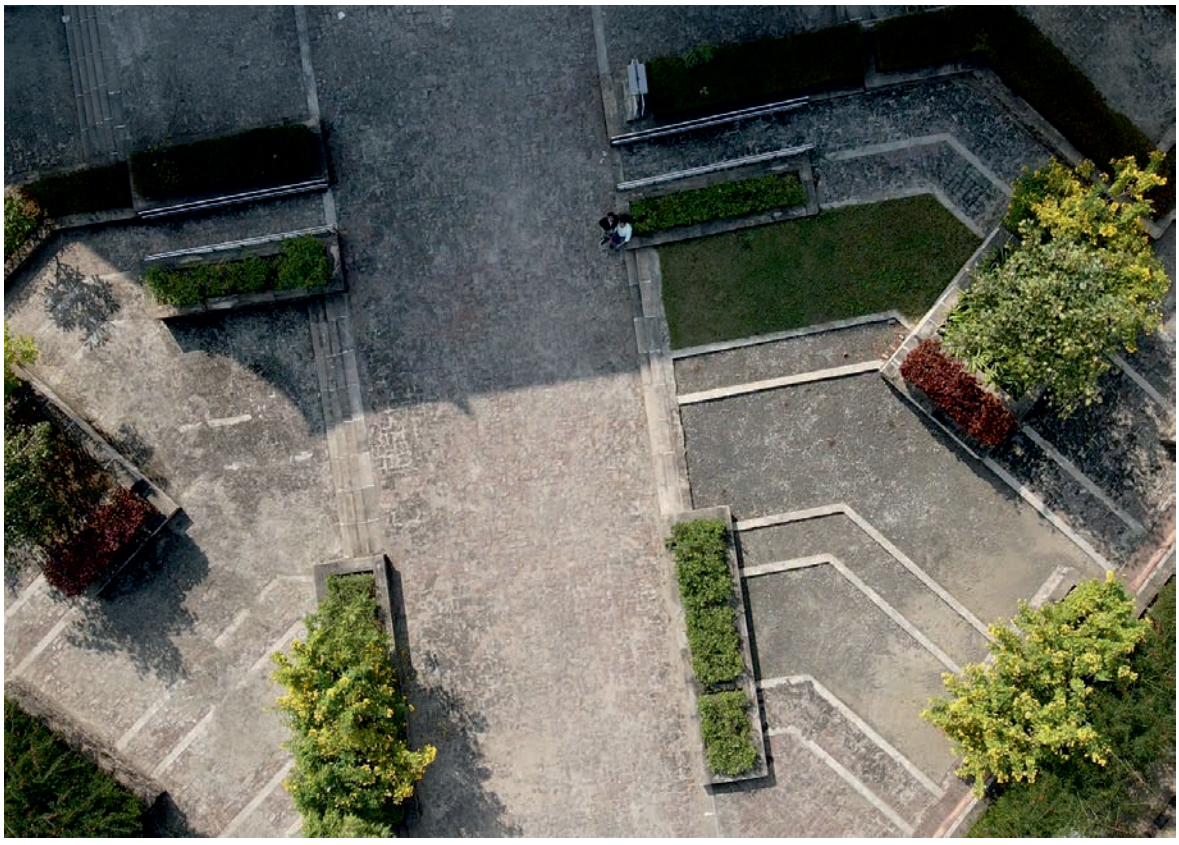

8

वित्तीय संसाधन

8.1 पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा,
उद्योग एवं कॉर्पोरेट कार्य
ए.जी.सी.आर, भवन, आई.पी. एस्टेट,
नई दिल्ली-110 002

स्पीड पोस्ट
SPEED POST

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT,
INDUSTRY AND CORPORATE AFFAIRS
A.G.C.R. BUILDING I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110 002

संख्याः ए.एम.जी.-III/6(14)/वार्षिक
खाता-NID-MP/2022-23/2023-24/
दिनांक:

सेवा में,

सचिव,
डी.पी.आई.आई.टी.,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
उद्योग भवन
नई दिल्ली- 110011

विषय: वर्ष 2022-23 के लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एन.आई.डी.) मध्य प्रदेश के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन ।

महोदय,

वर्ष 2022-23 के लिए राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एन.आई.डी.) मध्य प्रदेश के अंकेक्षित वार्षिक लेखों की प्रति तथा उन पर प्रथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संसद के पटल पर रखने के लिए अग्रेषित कर रही हूँ। कृपया यह सुनिश्चित करें कि प्रथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संसद के दोनों सदनों के सम्मुख प्रस्तुत करने से पहले शासी निकाय (Governing Council) को नियमानुसार प्रस्तुत किया जाए।

आपसे अनुरोध है कि संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ, उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

भवदीया,

संलग्नः यथोपरी

(एस. अह्लादिनी पंडा)
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा
(उद्योग एवं कॉरपोरेट कार्यालय), नई दिल्ली

दूरभाष / Phone : +91-11-23702357, फैक्स / Fax : +91-11-23702359, E-mail : pdaica@cag.gov.in

3/1/24.
CFA

संख्याः ए.एम.जी.-III/6(14)/वार्षिक खाता-NID-MP/2022-23/2023-24/438-440 दिनांक: 27 DEC 2023

प्रतिलिपिः

1. निदेशक, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़डिज़ाइन (एन. आई. डी.) – ईंटखेती, अचारपुरा, पोस्ट अरवालिया, भोपाल, मध्य प्रदेश- 462038 को एक प्रति सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

एस.ए.पंडा

(एस. अह्लादिनी पंडा)

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा

(उद्योग एवं कॉरपोरेट कार्यालय), नई दिल्ली

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the Accounts of the National Institute of Design, Madhya Pradesh for the year ended 31 March 2023

We have audited the attached Balance sheet of **National Institute of Design (NID), Madhya Pradesh** for the year ended 31 March 2023 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 25(2) of the National Institute of Design Act, 2014. The preparation of these financial statements is the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Laws, Rules and Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Government of India under sub-rule (1) of Rule 4 of National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020.

(iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by National Institute of Design, Madhya Pradesh in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that:

A. Balance Sheet

A.1 Capital Fund and Liabilities

Depreciation Fund: ₹589.20 lakh

A.1.1 As per the Significant Accounting Policies of the Institute, depreciation is calculated on straight-line method for items, namely, Buildings (2.50%); Machinery, Equipment & Tools (10%); Furniture and Fixtures (10%); Library Books (10%); Computers & Peripherals (20%) and Vehicles (20%). Further depreciation on addition has been provided for the full year irrespective of date of acquisition.

However, since the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 do not prescribe the rates of depreciation, the Institute should have followed the rates specified under the Income Tax Act, 1961 as stipulated in the Uniform Format of Accounts for Central Autonomous Bodies. The details of depreciation charged by the Institute vis-a-vis depreciation chargeable as per the Income Tax Act, 1961 is given in **Annexure-I.**

Thus, charging of depreciation on the rates which are different from the rates specified under the Income Tax Act, 1961 has resulted in understatement of Depreciation Fund and overstatement of Capital Fund by ₹182.85 lakh. Moreover, the Income for the year and depreciation expenses for the year are also understated by the same amount. Further, the accounting policy of the Institute is not exhaustive as it does not cover items such as leasehold land, leasehold buildings, boundary walls, electrical installations, computer software, etc. Therefore, the assets/items, rates of depreciation and the accounting policy in respect of depreciation need to be reviewed.

The above matter was brought to the notice of the Department for Promotion of Industry and Internal Trade in January 2023 in view of Rule 3(2) of the National Institute of Design (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2016, which provides that the Institute shall follow the general directions by the Central Government in consultation with the Comptroller and Auditor General of India in maintaining the financial statements. However, action in this regard was yet to be taken by the Department.

A.2 Assets

A.2.1 Fixed Assets (Schedule-6): ₹123.40 crore

Capital Work in Progress: ₹108.93 crore

The above relates to capital works of NID Madhya Pradesh campus. As per the records, payments aggregating to ₹112.23 crore had been made to NBCC (India) Limited till 31 March 2023. Out of these payments, NID had capitalised ₹124.49 lakh during the year 2020-21 and an amount of ₹205.00 lakh had been shown as Capital Advance. The remaining amount of ₹108.93 crore had been shown under Capital Work-in-Progress.

The campus was inaugurated virtually in February 2019 and the facilities had already been put to use, and the batches for all four years (Bachelor of Design Degree) had

already been commenced on or before 31 March 2023. As the Institute had become fully operational on or before 31 March 2023, the whole work should have been capitalised.

This has resulted in understatement of Fixed Assets by ₹110.98 crore, overstatement of Capital Work-in-Progress by ₹108.93 crore and overstatement of Capital Advances by ₹205.00 lakh.

B. Income & Expenditure Account

B.1 Income: ₹21.48 crore

Fee (Schedule 10): ₹6.77 crore

The fees collected by the Institute from the students is accounted for on cash basis as per Note 1(b) of the Notes forming part of Accounts. However, the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 specifically mention that the financial statements are prepared on the basis of accrual method of accounting except for interest income and liability towards privileged leave. Thus, fees should have been accounted for by the Institute on accrual basis only.

Non-following of accrual basis for accounting of fees has resulted in overstatement of Income as well as Capital Fund each by ₹40.52 lakh.

C. General

C.1 As per Rule 237 of the General Financial Rules, 2017, the approved and authenticated annual accounts are to be submitted by the Autonomous Body to Audit by 30th June, and the Annual Report and audited accounts are to be laid on the table of the Parliament by 31st December.

Further, as per the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020, the annual statement of accounts and balance sheet of the Institute, duly authenticated by the Director and passed by the Governing Council shall be forwarded to the Comptroller and Auditor General of India, not later than the 31st day of July every year and the duly audited annual statement of accounts of the Institute as certified by the Comptroller and Auditor General of India together with the audit report thereon shall be forwarded by the Director for every financial year to the Central Government by the 30th day of September of the following year for laying before both Houses of Parliament.

However, the Institute did not follow either of the above timelines for submission of Accounts and submitted the Accounts for the year 2022-23 to Audit on 11[1] August 2023. Further, the Accounts for the year 2021-22 had not been laid in the Parliament till date (November 2023).

[1] Though the Annual Accounts were submitted on 11th August 2023, however the Management has requested to takeup the audit w.e.f 28.08.2023.

Besides, the timeline for submission of its accounts by the Institute as mentioned in the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 is not aligned with that laid down in the General Financial Rules, 2017.

C.2 The financial statements of the Institute do not consist of 'Statement of Receipts and Payments' in the absence of which it is not possible to verify the cash inflows and outflows of the Institute during the year.

Though the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Form of Annual Statement of Accounts) Rules, 2020 do not stipulate preparation of Statement of Receipts and Payments, the matter was brought to the notice of Department for Promotion of Industry and Internal Trade in January 2023 in view of Rule 3(2) of the *ibid* Rules which provides that the Institute shall follow the general directions by the Central Government in consultation with the Comptroller and Auditor General of India in maintaining the financial statements. However, action in this regard was yet to be taken by the Department.

D. Grants in Aid

The Institute had an unutilised balance of grants amounting to ₹53.25 lakh in the beginning of the financial year 2022-23 and it received grants amounting to ₹1,594.15 lakh under different heads (General: ₹715.15 lakh, Salary: ₹527 lakh, and Capital: ₹352 lakh) from the Ministry of Commerce and Industry during the year 2022-23. Out of the total grants amounting to ₹1,647.40 lakh, the Institute utilised ₹1,593.61 lakh (General: ₹715.15 lakh, Salary: ₹526.99 lakh and Capital: ₹351.47 lakh) and surrendered an amount of ₹53.25 lakh during the year. At the end of the financial year 2022-23, the unutilised grant was ₹0.54 lakh.

E. Management Letter

Deficiencies that have not been included in this Separate Audit Report have been brought to the notice of the Management through a Management Letter issued separately for remedial/corrective action.

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in **Annexure-II** to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the National Institute of Design, Madhya Pradesh as at 31 March 2023; and

b) In so far as it relates Income and Expenditure account of the NIL surplus/deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

Place: New Delhi
Dated: 27 DEC 2023

(S. Ahlladini Panda)
Principal Director of Audit
Industry & Corporate Affairs

Annexure-I

Depreciation charged by the Institute and depreciation chargeable as per Income Tax Act, 1961

Asset Category	Value on which Depreciation charged for the FY 2022-23	Depreciation rate charged by NID, MP (in percentage)	Amount of Depreciation as per NID, MP	Depreciation rate as per Income Tax Act, 1961	Amount of Depreciation as per Income Tax Act, 1961	Short charging of depreciation by NID, MP
NID Campus Building	1,49,58,257	2.5	3,73,956	10	14,95,826	11,21,870
Machinery, Equipment & Tools	5,73,86,922	10	57,38,692	15	86,08,038	28,69,346
Furniture & Fixtures	78,97,158	10	7,89,716	10	7,89,716	0
Library Books	1,40,39,656	10	14,03,966	40	56,15,862	42,11,896
Computer & Peripherals	5,04,11,015	20	1,00,82,204	40	2,01,64,406	1,00,82,202
Total			**1,83,88,534**		**36673848**	**1,82,85,314**

Annexure-II

1. Adequacy of Internal Audit System

Internal Audit of the Institute for the year 2022-23 was carried out by a hired Chartered Accountants firm viz. Dinesh Singhal & Co .

2. Adequacy of Internal Control System

The internal control system was not commensurate with the size of business/transactions in the Institute, as evident from the following deficiencies:

(i) During the year 2022-23, only two meetings of the Governing Council (6th & 7th meetings) were held on 08.07.2022 and 17.01.2023 which should be atleast four times in a year as per the National Institute of Design Act, 2014 (Rule 13).

(ii) Cash books (three) maintained by the Institute had not been closed on regular basis and were not maintained as stipulated in Rule 13(iii) & (iv) of the Central Government Account (Receipts and Payments) Rules, 1983.

(iii) LTC register, T.A register, Medical Register etc. were niether signed by the subordinate officer (preparer) nor certified by any superior officer.

(iv) Details of figures appearing in Schedules and sub-schedules of the accounts were not readily available with the Management resulting in delay in furnishing the detailed break-up of schedules. Party-wise General Leger was also not available with the Management. Thus, the Accounts were not prepared in appropriate IT system/software facilitating real-time Audit trail.

3. System of Physical Verification of Fixed Assets

Physical verification of Fixed Assets was carried out during the year 2022-23.

4. System of Physical Verification of Inventory

The Institute is not maintaining any inventory.

5. Regularity in Payment of Statutory Dues

The Institute was regular in payment of undisputed statutory dues during 2022-23.

R. Gowthu

Director (AMG-III)

Annual Account

For the Financial Year 2022-23

FORM A
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH, 2023

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	31.03.2023	31.03.2022
CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CAPITAL FUND:	1	1,20,96,22,631	1,19,28,63,941
DEPRECIATION FUND:	6	5,89,19,642	4,05,31,108
EARMARKED FUND:	2	15,84,52,094	8,62,23,931
GRANTS AND CONTRIBUTIONS:	3	54,228	53,24,885
GRANT FOR NEW NIDs:	4	-	-
CURRENT LIABILITIES:	5	1,90,89,228	1,43,44,813
Total		**1,44,61,37,823**	**1,33,92,88,678**
ASSETS			
FIXED ASSETS (At Cost):	6	1,23,40,43,542	1,21,28,95,049
INVESTMENTS (At Cost):	7	-	-
CURRENT ASSETS, LOAN & ADVANCES, ETC:	8	21,20,94,281	12,63,93,629
INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT:	9	-	-
Total		**1,44,61,37,823**	**1,33,92,88,678**
Notes forming part of Accounts	17		

Place: Bhopal
Date: 16.05.2023

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

FORM 'B'
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2023

(Amount in Rupees)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
A. INCOME			
FEES:	10	6,76,57,294	4,43,71,440
SERVICE CHARGES:	11	9,25,466	1,87,838
GRANTS:	12	12,42,13,548	9,09,31,980
INTEREST EARNED:	13	1,09,630	29,43,739
OTHER INCOME:		34,59,980	25,35,161
TRANSFERRED FROM CAPITAL FUND TO THE EXTENT OF DEPRECIATION	1	1,83,88,534	1,61,12,888
TOTAL (A)		**21,47,54,452**	**15,70,83,046**
B. EXPENDITURE			
ESTABLISHMENT EXPENSES:	14	5,25,03,511	3,77,17,277
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES:	15	7,49,67,730	4,84,63,455
EXPENSES ON PROJECTS:	11	6,06,973	73,618
INTEREST/BANK CHARGES:		2,596	7,847
DEPRECIATION:	6	1,83,88,534	1,61,12,888
AMOUNT TRANSFERRED TO SPECIFIC FUNDS:	16	6,82,85,108	5,47,07,961
TOTAL (B)		**21,47,54,452**	**15,70,83,046**
BALANCE BEING DEFICIT CARRIED OVER TO BALANCE SHEET (A-B)		-	-
Notes forming part of Accounts	17		

Place: Bhopal
Date: 16.05.2023

Director

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

SCHEDULE-1
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2023

CAPITAL FUND

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
Schedule 1 – Capital Fund		
A. Capital Fund Balance as on 01.04.22	1,19,28,63,941	1,10,41,32,817
a Add: i) Amount transferred from Central Govt. Grants Account for meeting Non-recurring expenditure	2,00,87,435	2,00,76,135
ii) Amount transferred from Appropriation of fund for Building under construction Account	1,50,59,789	8,47,67,877
iii) Amount transferred from Income & Expenditure A/c. on account of excess of cost over grant for Non-Recurring Expenditure	-	-
b. Less: Transferred to Income & Expenditure Account to the extent of depreciation on assets acquired out of Capital Funds	1,83,88,534	1,61,12,888
c. Less: Adjustment of the value of Machinery, Equipment & Furniture sold/discard during the year.	-	-
Sub-Total (A)	**1,20,96,22,631**	**1,19,28,63,941**
B. Land Reserve Balance as on	-	-
Total (A+B)	**1,20,96,22,631**	**1,19,28,63,941**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-2
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2023

EARMARKED FUNDS

Amount in Rupees

Sr. No.	Name of funds	Opening Balance as on 01.04.2022	Interest Credited	Other Credited	Amount debited	Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2023
1	NID MP Corpus Fund	8,62,23,931	61,87,083	6,82,85,108	22,44,028	1	15,84,52,094
	Grand Total	**8,62,23,931**	**61,87,083**	**6,82,85,108**	**22,44,028**		**15,84,52,094**
	Previous Year	**3,15,15,970**	-	**5,47,07,961**	-		**8,62,23,931**

Note 1 : Amount transferred from Income and Expenditure Acccount

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-3
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at March 31, 2023

GRANTS AND CONTRIBUTIONS

Amount in Rupees

Sr. no.	Name of Account	Opening Balance as on 01.04.2022	Grant Credited	Amount Debited			Ref. Note	Closing Balance as on 31.03.2023
				Non Recurring Exps	Transferred to I&E A/c	Other debited		
1	Central Government Grant (Plan)	53,24,885	15,94,15,000	3,51,47,224	12,42,13,548	53,24,885		54,228
	Grand Total	**53,24,885**	**15,94,15,000**	**3,51,47,224**	**12,42,13,548**	**53,24,885**		**54,228**
	Previous Year	**5,42,98,625**	**20,15,33,000**	**9,87,76,135**	**9,09,31,980**	**6,07,98,625**		**53,24,885**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-4
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2023

GRANTS FOR NEW NIDs

Amount in Rupees

Sr. no.	Name of Account	Grant Credited up to 31.03.2022	Grant utilised up to 31.03.2022	Opening Balance as on 01.04.2022	Grant Credited during the year	Total	Amount Debited			Closing Balance as on 31.03.2023
							Non-Recurring Exps	Transferred to CPWD/NBCC for Const. Work	Other debited	
	Central Government Grant Plan (non recurring) for implementation of National Design Policy: Setting up of New NID Campuses of NID (Madhya Pradesh)									
	Grand Total	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	Previous Year	-	-	-	-	-	-	-	-	-

Director

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

SCHEDULE-5
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2023

Current Libilities

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
1. For Expenses	1,06,41,600	67,78,301
2. For Rent & Other Deposits	26,16,547	20,87,070
3. Sundry Credit Balances	36,41,138	33,52,780
4. For Advances for projects in progress	21,89,943	21,26,662
Total	**1,90,89,228**	**1,43,44,813**

Director

कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Controller of Finance & Accounts

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-6
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2023

FIXED ASSETS

Amount in Rupees

Sl No.	Particulars	Gross Block				Depreciation				Net Block	
		As on 01.04.2022	Addition	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2023	As on 01.04.2022	For the year	Sale/ Adjustment	As on 31.03.2023	As on 31.03.2023	As on 31.03.2022
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
A	**IMMOVABLE PROPERTIES**										
1	Land	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
	Sub total of 1	**1**	**-**	**-**	**1**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1**	**1**
2	NID Campus Buildings	1,39,53,840	10,04,417	-	1,49,58,257	21,81,857	3,73,956	-	25,55,813	1,24,02,444	1,17,71,983
	Sub-total of (1+2) (A)	**1,39,53,841**	**10,04,417**	**-**	**1,49,58,258**	**21,81,857**	**3,73,956**	**-**	**25,55,813**	**1,24,02,445**	**1,17,71,984**
B	**MOVABLE PROPERTIES**										
1	Machinery, Equipment & Tools	4,19,69,356	1,54,17,566	-	5,73,86,922	1,03,77,578	57,38,692	-	1,61,16,270	4,12,70,652	3,15,91,778
2	Furniture & fictures	64,72,415	14,24,743	-	78,97,158	12,39,826	7,89,716	-	20,29,542	58,67,616	52,32,589
3	Computers & Peripherals	4,80,49,728	23,61,287	-	5,04,11,015	2,21,17,695	1,00,82,204	-	3,21,99,899	1,82,11,116	2,59,32,033
4	Staff pool vehicles	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	Library books	1,30,99,176	9,40,480	-	1,40,39,656	46,14,152	14,03,966	-	60,18,118	80,21,538	84,85,024
	Sub-total of B	**10,95,90,675**	**2,01,44,076**	**-**	**12,97,34,751**	**3,83,49,251**	**1,80,14,578**	**-**	**5,63,63,829**	**7,33,70,922**	**7,12,41,424**
C	**Capital Work in Progess**	1,08,93,50,533		-	1,08,93,50,533	-	-	-	-	1,08,93,50,533	1,08,93,50,533
	Sub-total of C	**1,08,93,50,533**	**-**	**-**	**1,08,93,50,533**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,08,93,50,533**	**1,08,93,50,533**
	Grand Total (A+B+C)	**1,21,28,95,049**	**2,11,48,493**	**-**	**1,23,40,43,542**	**4,05,31,108**	**1,83,88,534**	**-**	**5,89,19,642**	**1,17,51,23,900**	**1,17,23,63,941**
	Previous Year	**1,10,20,73,912**	**11,08,21,137**	**-**	**1,21,28,95,049**	**2,44,18,220**	**1,61,12,888**	**-**	**4,05,31,108**	**1,17,23,63,941**	**1,07,76,55,692**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिज़ाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-7
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2023

Investments (At cost)

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
Long Term	-	-
Fixed Deposits With	-	-
Bonds	-	-
Total	-	-

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-8
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2023

Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
A. Current Assets:		
1. Inventories (at cost)		
a. Stores & Spares	4,56,492	-
b. Academic/Workshop/Lab/Studio Consumables	8,00,280	6,44,939
c. Glassware	-	-
d. Other Consumables	68,404	5,30,775
e. Stationery	2,09,530	-
Total A	**15,34,706**	**11,75,714**
2. Cash Balances on Hand	77,534	85,000
3. Bank Balances		
a. In Current Accounts with	71,93,749	32,13,275
Sub Total- a	**71,93,749**	**32,13,275**
b. In Savings Accounts with	-	-
Sub Total- b	**-**	**-**
Sub Total-(a+b)	**71,93,749**	**32,13,275**
c. In Call/Term Deposit Account with	15,36,24,303	8,60,00,000
Sub Total-c	**15,36,24,303**	**8,60,00,000**
Sub Total 3 (a+b+c)	**16,08,18,052**	**8,92,13,275**
Total (A) (1+2+3)	**16,24,30,292**	**9,04,73,989**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar

Controller of Finance & Accounts

नियंत्रक वित्त एवं लेखा
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-8
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2023

Current Assets, Loan, Advances etc.

Amount in Rupees

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
B. Loan, Advances and Other Assets:		
(i) Loans:		
a. Secured	-	-
Sub Total of i(a)	-	-
b. Unsecured	-	-
Sub Total of i(a+b)	-	-
(ii) Advances:		
a. Contingency Advance to Suppliers	64,39,250	68,11,175
b. Capital Advance for Works	3,45,55,372	2,05,00,000
c. Contingency Advance to Staff	6,60,251	2,80,020
Sub Total (ii)	**4,16,54,873**	**2,75,91,195**
(iii) Other Current Assets		
a. Security Deposit	11,25,800	20,35,800
b. Accured Interest on STDR	28,78,185	38,32,424
c. TDS refundable	13,67,693	10,28,647
d.Prepaid Expenses	26,06,213	14,31,574
e. Accrued income	31,225	
Sub Total (iii)	**80,09,116**	**83,28,445**
Total of B (i+ii+iii)	**4,96,63,989**	**3,59,19,640**
Total of (A+B)	**21,20,94,281**	**12,63,93,629**

Director

धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक वित्त एवं लेखा
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-9
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet as at 31st March, 2023

Income and Expenditure Account

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
Balance as on 01.04.2022	-	-
Less:- Met from NID's own Income	-	-
Add: Current year's deficit (Plan Recurring)	-	-
Less: Current year's surplus (Non-Plan Recurring)	-	-
Deficit carried over to Balance Sheet	**-**	**-**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
नियंत्रक वित्त एवं लेखा
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-10
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2023

Fees

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
1. Tution Fees	5,43,29,046	3,88,13,293
2. Hostel Fees	1,31,13,658	55,23,209
3. Film Club Fee	49,590	34,938
4. Graduation Project Fee	1,65,000	-
Total	**6,76,57,294**	**4,43,71,440**

Director

Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-11
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2023

Income from Project receipts/Grants (Non Plan) & Expenses from projects (Non Plan)

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2023		31.03.2022	
	Project Expenses	Project Receipts	Project Expenses	Project Receipts
Project from M/s UBER India Ltd.	1,98,700	1,98,700	12,969	12,969
Uniform Design Project From M.P. Govt.	27,500	27,500	649	1,74,869
MASARD TRAINING PROGRAMME DEC 2020	-	-	60,000	-
MP Text Book Corporation Project	3,49,666	3,49,666	-	-
MP Directorate of Handloom for Fashion Week Project	-	1,50,000	-	-
MPDU 2022	31,107	1,99,600	-	-
Total	**6,06,973**	**9,25,466**	**73,618**	**1,87,838**

Director

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

SCHEDULE-12

[See sub-rule 1 of rule 4]

National Institute of Design, Madhya Pradesh

Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2023

Transfers from Grant & Contributions

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
1. From Central Government Plan Grant for Recurring Exp.	12,42,13,548	9,09,31,980
Total	**12,42,13,548**	**9,09,31,980**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar

Controller of Finance & Accounts

Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-13
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2023

Interest Earned

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
(Other than directly credited to Earmaked Funds)		
A) On Term Deposit		
a. Interest on STDRs	50,212	28,61,608
Sub-Total A	**50,212**	**28,61,608**
B) On Saving/Current A/c	-	-
Sub-Total B	**-**	**-**
C) On Loan/Deposit		
a. On Security Deposit/TDS	59,418	82,131
b.		
Sub-Total C	**59,418**	**82,131**
Total of A+B+C	**1,09,630**	**29,43,739**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
नियंत्रक वित्त एवं लेखा
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-14
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2023

Establishment Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Non-Plan Recurring Expenses	Plan Recurring Expenses			2022-23 Total	2021-22 Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses
		R & D	Other	Total		
1. Salary, Wages & Allowances						
a. Salaries and allowances	-	3,97,77,959	0	3,97,77,959	3,97,77,959	3,17,15,490
b. Leave Travel Concession	-	6,56,534	0	6,56,534	6,56,534	1,60,662
c. Leave Encashment to Serving Officials	-	77,113	0	77,113	77,113	-
d. Leave salary and Pension Contribution	-		0	0	-	-
e. Remuneration to Employees on Contract		67,08,233		67,08,233	67,08,233	5,34,413
Sub-Total 1	**-**	**4,72,19,839**	**0**	**4,72,19,839**	**4,72,19,839**	**3,24,10,565**
2. Provident fund contribution						
a. Contribution to NPS (Employer's Share)	-	50,64,685		50,64,685	50,64,685	48,87,794
Sub-Total 2	**-**	**50,64,685**	**0**	**50,64,685**	**50,64,685**	**48,87,794**
3. Gratuity contribution						
a. Payment of Gratuity	-	0	0	0	-	
b. Leave Encashment to Retired Officials	-		0	0	-	53,300
c. Others	-	0	0	0	-	-
Sub-Total 3	**-**	**0**	**0**	**0**	**-**	**53,300**
4. Medical Reimbursement & Staff welfare						
a. Medical Reimbursement to Serving & Retired Officials	-	2,18,987	0	2,18,987	2,18,987	3,65,618
b. Others	-	0	0	0	-	-
Sub-Total 4	**-**	**2,18,987**	**0**	**2,18,987**	**2,18,987**	**3,65,618**
Total (1+2+3+4)	**-**	**5,25,03,511**	**0**	**5,25,03,511**	**5,25,03,511**	**3,77,17,277**

Director

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts

वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

SCHEDULE-15
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2023

Other Administrative Expenses

(Amount in Rupees)

Particulars	Plan Recurring Expenses		2022-23	2021-22
	Other	Total	Total	Total of Non-Plan and Plan Recurring Expenses
1. Travelling expenses	-	2,64,258	**2,64,258**	6,42,218
2. Telephone, Telex, Postage, Internet	-	13,81,209	**13,81,209**	12,59,496
3. Electricity & Water expenses	1,77,511	1,17,78,117	**1,19,55,628**	79,41,196
4. Maintenance: Mechanical, IT, Electrical, Electronics, Fuel	1,21,356	67,67,837	**68,89,193**	24,38,452
5. Vehicle hiring, maintenance & Operation charges	-	15,01,238	**15,01,238**	12,64,223
6. Material, Supplies, Consumables & Misc. exp. etc	16,396	5,38,510	**5,54,906**	11,01,783
7. General Expenses for Satellite Centres	-	-	**-**	-
8. Advertisement & Publicity expenses	-	5,19,942	**5,19,942**	4,21,646
9. Welfare, Campus events & Other expenses	54,278	16,95,605	**17,49,883**	3,66,399
10. Library, Journals, Periodical, Software Subscriptions etc.	31,860	57,42,070	**57,73,930**	9,95,206
11. Student Freeship & Development	-	-	**-**	-
12. Faculty, Staff HRD, Other Misc. expenses	-	4,08,988	**4,08,988**	16,10,393
13. Rates, Taxes, Cesses	-	-	**-**	-
14. Repairs & Maintenance	1,062	45,26,167	**45,27,229**	3,64,534
15. Insurance	-	-	**-**	-
16. Legal expenses & Professional fees	-	1,55,508	**1,55,508**	1,11,169
17. Security,Houskeeping and Horticulture Maintenance	-	2,03,31,774	**2,03,31,774**	1,83,31,716
18. Audit fees	-	3,57,315	**3,57,315**	70,500
19. Refreshment & Hospitility Expenses	540	1,78,130	**1,78,670**	2,47,669
20. Outsourcing of Contracual Staff/Consultants	-	88,29,666	**88,29,666**	72,01,956
21. Academic & Workshop Contingencies	8,189	9,66,103	**9,74,292**	10,89,753
22. Guest House Expenses	-	4,711	**4,711**	8,207
23. Hiring of Machinery/Equipments	-	-	**-**	1,34,520
24. Stationery and Printing Expenses	1,20,993	1,47,912	**2,68,905**	4,26,332
25. Honorarium/TA to Visiting Faculty/Jury	1,43,361	75,20,822	**76,64,183**	23,63,488
26. Other Misc. Expenses	7,465	6,68,837	**6,76,302**	72,599
	-	-	**-**	-
Total	**6,83,011**	**7,42,84,719**	**7,49,67,730**	**4,84,63,455**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-16
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2023

Amount Transferred to Reserve or Specific Fund

(Amount in Rupees)

Particulars	2022-23	2021-22
Transferred to NID MP Corpus Fund	6,82,85,108	5,47,07,961
Total	**6,82,85,108**	**5,47,07,961**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-..
[See sub-rule 1 of rule 4]
National Institute of Design, Madhya Pradesh
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Income and Expenditure for the year ended 31st March, 2023

Other Income

(Amount in Rupees)

Particulars	31.03.2023	31.03.2022
1. Sale of Product	80,445	17,010
2. Mess/Shops License Fee	17,58,328	5,27,542
3. Late Fee	1,98,824	1,99,000
4. Application fee	1,56,000	5,46,923
5. Misc Income	12,66,383	12,44,686
Total	**34,59,980**	**25,35,161**

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

Neeraj Kumar

Controller of Finance & Accounts

नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान, मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

SCHEDULE-17
[See sub-rule 1 of rule 4]
NATIONAL INSTITUTE OF DESIGN, MADHYA PRADESH
Institute of National Importance by an Act of Parliament

Schedule forming part of Balance Sheet and Income and Expenditure account for the year ended March 31, 2023

Notes Forming Part of Accounts

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES:

a. BASIS FOR PREPARATION Of ACCOUNTS:

The Annual Statement of Accounts and Balance sheet of the Institute are prepared based on the National Institute of Design, Madhya Pradesh (Forms of Annual Statement of Accounts) Rules 2020 notified by the DPIIT, Ministry of Commerce & Industry, Government of India vide Gazette notification no. G.S.R. 822 (E) dated 30.12.2020.

b. ACCOUNTING CONVENTION:

The Financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting except for fee collection and liability towards privileged leave and gratuity.

c. INVESTMENTS:

Long Term Investments are stated at cost.

d. FIXED ASSETS:

Fixed Assets are stated at the Cost. The cost includes invoice value, freight, octroi, and other incidental expenses relating acquisition.

e. GOVERNMENT GRANTS:

(i) Government grants are accounted on the basis of sanction from Government Department.

(ii) Government grant to the extent utilized towards capital expenditure, are transferred to the Capital Fund.

(iii) Government grants for meeting Revenue expenditure are treated as income of the year to the extent of expenditure incurred.

(iv) Un-Utilized grants are carried forward and exhibited as a Liability in the balance Sheet.

f. DEPRECIATION:

(i) **RATE OF DEPRECIATION**

Depreciation is calculated on Straight Line Method at the following rates:

Item	Rate (%)
Building	2.50
Machinery, Equipment & Tools	10.00
Furniture & Fixtures	10.00
Computers & Peripherals	20.00
Vehicles	20.00
Library Books	10.00

(ii) Depreciation on addition has been provided for the full year irrespective of date of acquisition.

(iii) An amount from Capital Fund account was transferred to Income and Expenditure account to the extent of depreciation provided on assets acquired out of capital grant.

(iv) Depreciation is not provided on assets sold during the year.

g. FOREIGN CURRENCY TRANSACTION:

Transactions denominated in foreign currency are accounted for at the exchange rate prevailing on the date of transaction. The bank balance held in foreign currency is converted into Rupee at RBI rate prevailing on the closing day of the financial year.

h. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES:

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

i. INCOME TAX:

The income of the Institute is exempt under Income-tax Act 1961. No provision for Income Tax is therefore made in the accounts.

j. RETIREMENT/TERMINAL BENEFIT

Terminal leave encashment benefit and Death cum Retirement Gratuity (DCRG) to the employees are accounted for on cash basis.

k. Revenue Income

(i) Various fees, except student activity fee, received from Students are treated as income for the year, as and when, these are realized.

(ii) Student Activity fee, as received, is treated as current liability for the year.

(iii) Interest on STDR is taken on accrual basis for the year.

(iv) The revenue utilized towards the recurring expenditure, if any, incurred during the year has been shown at Sch 14 & 15 under the column "Non-Plan recurring expenditure".

I. CORPUS FUND

NID MP Corpus fund has been credited with the excess of revenue earned over and above the expenditure, if any, incurred from revenue, so earned, during the year. The portion of expenditure for the year, if any, over and above the Govt. Grant (recurring) was incurred from the revenue earned and difference has been transferred to Corpus Fund as shown in Sch 2 through Sch 16.

2. Contingent Liability for the year is ₹ 4,69,87,150/- (Previous year ₹. 3,00,94,910) being income tax demand raised by the IT department for the assessment year 2021-22. The rectification return has been filed.

3. Sch 2 "Earmarked Funds" includes a debit entry of an amount of ₹ 21,75,228/- as payment of liability of previous years w.r.t. refund of Interest earned on Government Grant during 2021-22 to the DPIIT. Sch 2 "Earmarked Funds" also includes a debit entry of an amount of ₹ 68,800/- as transfer of accumulated fund of student Activity fee, collected during previous years 2019-20 & 2020-21, to Student Activity fee Fund under Sch. 5 "Current Liability".

4. Estimated amount of contract remaining to be executed on capital account and not provided for ₹ NIL/- (Previous year ₹ 40,97,105/-) for construction of additional infrastructure.

5. Estimated amount of contract remaining to be executed on Revenue account and not provided for ₹ 9,50,779/- (Previous year ₹ NIL/-) for Annual Repair & Maintenance contract of Campus with CPWD.

6. The matching amount of actual project expenditure for the ongoing projects has been taken as project income under Sch 11 "Income from Project receipts/Grants (Non Plan) & Expenses from projects (Non Plan)" to give true and fair view of the Balance sheet and Income & Expenditure account for the year.

7. Deficit for the year 2021-22 of ₹ Nil/- (For the previous year 2020-21 ₹ NIL) has been debited to misc. expenses, as there is no specific govt. grant received for the same during the year.

8. Corresponding figures for the previous year have been re-grouped/rearranged wherever necessary.

9. Figures in the Final accounts have been rounded off to the nearest rupee.

10. New minor/sub head under various schedules have been included for better presentation of the Schedules and Annual Account.

11. Annexures to the Schedules have been attached for better understanding of the concerned schedules.

Neeraj Kumar
वित्त एवं लेखा नियंत्रक
Controller of Finance & Accounts
Controller of Finance & Accounts
राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान मध्यप्रदेश
National Institute of Design, Madhya Pradesh

Director

प्रो. धीरज कुमार / Prof. Dhiraj Kumar
निदेशक / Director
एन.आई.डी. मध्यप्रदेश / NID, Madhya Pradesh

8.2 वार्षिक लेखा

एस. आह्लादिनी पंडा
S. AHLLADINI PANDA

स्पीड पोस्ट
SPEED POST

सत्यमेव जयते

महानिदेशक लेखापरीक्षा
उद्योग एवं कारपोरेट कार्य
Director General of Audit
Industry and Corporate Affairs

डी.ओ. संख्या: ए.एम.जी-III/6(14)/A/AC's/
NID-MP (Bhopal)/(2022-23)/2023-24/567
दिनांक: 05 MAR 2024

प्रिय महोदय,

कृपया इस कार्यालय के पत्र संख्या ए.एम.जी-III/6(14)/A/AC's/NID-MP/2022-23 /2023-24/438-440 दिनांक 27.12.2023 का संदर्भ में लें, जिसके अंतर्गत 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाईन, मध्य प्रदेश के वार्षिक लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन अग्रेषित की गई थी । इस संबंध में, भविष्य में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाईन के वित्तीय विवरणियों को अंतिम रुप देते समय कृपया इस पत्र के अनुलग्नक में उल्लेखित मुद्दों पर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

चूँकि मुद्दे महत्वपूर्ण हैं और शासी निकाय के ध्यान में लाने योग्य हैं, अतः इसे शासी निकाय की बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत किया जाए एवं इस विषय पर की गई कार्यवाही से इस कार्यालय को अवगत कराया जाये ।

सादर,

शुभेच्छु,

एस.ए.पंडा

संलग्नः यथोपरि

प्रो. धीरज कुमार,
निदेशक,
नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाईन (NID-MP)
ईंट खेडी, ग्राम अचारपुरा,
पोस्ट अरवालिया, भोपाल,
मध्य प्रदेश-462038

Ph. : +91 11 23702357
Fax : +91 11 23702359
A.G.C.R. Building, I.P. Estate, New Delhi-110002
e-mail : pdaica@cag.gov.in

Annexure

1. Institute had not provided the expenses amounting to ₹5.61 lakh (approx.) relating to Housekeeping Service for the month of March 2023 (for which bill was received and payment was made on 18 May 2023 and 24 May 2023 respectively) during the financial year 2022-23 as per accrual basis of accounting.

(A.5/ OBS- 964483)

2. NID excluded both the receipts and expenditure of mess charges received from students and paid to the contractor whereas mess charges are a part of the fee received from the students. Further, no disclosure regarding policy of treatment of mess charges was given in the financial statements for the financial year 2022-23.

(B.1 /OBS-972665)

3. Institute neither provided for the liability as per actuarial valuation nor framed any other policy for provisioning with respect to Gratuity in the financial statements during the financial year 2022-23. Further, no disclosure regarding "NID Employees' Gratuity Fund" has been given under Significant Accounting Policies as per NID, Madhya Pradesh rules 2020.

(C.1&D.1/OBS 963370/963332)

4. The categorization of debtors outstanding for more than six months is to be made in the books of accounts.

(D.5/OBS -968078)

Compiled By:- Annual Report Committee, NID MP

राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान
National Institute of Design
मध्यप्रदेश Madhya Pradesh

Address :
National Institute of Design Madhya Pradesh
Acharpura, Eint Khedi, Post Arwaliya,
Bhopal (MP) – 462038